3 राजधानी
महादेव के उद्घोष से गूंजे शिवालय

6 अभिमत
आर्थिक समृद्धि हेतु प्राचीन विवेक

11 विदेश
बांग्लादेश में हिंसक प्रदर्शनों के बाद शांति

12 स्पोर्ट्स
पेरिस ओलंपिक श्रीजेश का आखिरी टूर्नामेंट

RNI NO.UPHIN/2010/36547
वर्ष 14 अंक 270
लखनऊ, मंगलवार, 23 जुलाई, 2024
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
लखनऊ
नगर संस्करण

लखनऊ, नई दिल्ली और रायपुर से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

देश के भूजल स्तर में छह प्रतिशत का सुधार

राष्ट्रीय-10

आर्थिक समीक्षा: चालू वित्त वर्ष में 6.5 से 7 प्रतिशत की वृद्धि दर का अनुमान

पीटीआई। नई दिल्ली

बजट से पहले पेश सरकार की आर्थिक समीक्षा में चालू वित्त वर्ष में 6.5 से 7.0 प्रतिशत की वृद्धि दर रहने का सतर्क अनुमान जताया गया है। साथ ही इसमें अर्थव्यवस्था में अधिक नौकरियां सृजित करने की जरूरत के साथ निर्यात को बढ़ावा देने के लिए चीन से अधिक प्रत्यक्ष निवेश (एफडीआई) का समर्थन किया गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को कहा कि संसद में पेश किया गया आर्थिक सर्वेक्षण अर्थव्यवस्था की मौजूदा ताकत को रेखांकित करता है और सरकार द्वारा लाए गए विभिन्न सुधारों के परिणामों को भी प्रदर्शित करता है। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, आर्थिक सर्वेक्षण हमारी अर्थव्यवस्था की मौजूदा ताकत को रेखांकित करता है और हमारी सरकार द्वारा लाए गए विभिन्न सुधारों के परिणामों को भी प्रदर्शित करता है। उन्होंने कहा, यह आगे के विकास और प्रगति के क्षेत्रों की भी पहचान करता है क्योंकि हम विकसित भारत के निर्माण की दिशा में आगे बढ़ रह हैं।

आर्थिक समीक्षा मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) कार्यालय ने तैयार की है। इसमें खाद्य पदार्थों को छोड़कर, मुद्रास्फीति का लक्ष्य तय करने पर गौर करने का भी सुझाव दिया गया है। प्राय: खाद्य वस्तुओं की ऊंची कीमतें मांग के बजाय आपूर्ति की समस्या के कारण होती हैं। इसमें बढ़ते शेयर बाजार को लेकर भी आगाह किया गया है। खुदरा निवेशकों की भागीदारी काफी बढ़ी है और अति आत्मविश्वास तथा ज्यादा रिटर्न की उम्मीदों के कारण सट्टेबाजी की संभावना है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा संसद में पेश समीक्षा में अप्रैल में चालू वित्त वर्ष 2024-25 के लिए जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) वृद्धि दर 6.5 प्रतिशत से 7.0 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया गया है। यह पिछले वित्त वर्ष 2023-24 (अप्रैल 2023 से मार्च 2024) की 8.2 प्रतिशत की वृद्धि की तुलना में कम है। साथ ही यह चालू वित्त वर्ष के लिए आरबीआई के 7.2 प्रतिशत अनुमान से भी कम है। मुख्य आर्थिक सलाहकार वी अनंत नागेश्वरन ने अर्थव्यवस्था की स्थिति पर समीक्षा की प्रस्तावना में लिखा, भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत स्थिति में है और वैश्विक स्तर पर चुनौतियों के बीच बेहतर प्रदर्शन कर रही है। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि अतिरिक्त क्षमता वाले देशों से सस्ते आयात की आशंका निजी पूंजी के निर्माण को सीमित कर सकती है। समीक्षा में यह स्वीकार किया गया है कि इस वर्ष के लिए वृद्धि दर का अनुमान जताते समय सतर्कता बरती गई है और यह बाजार की अपेक्षाओं से कम है। इस सतर्क रुख का कारण निजी क्षेत्र के निवेश की गति धीमी होने के साथ ही मौसम प्रतिरूप का अनिश्चित होना है। इसमें कहा गया है कि मध्यम अवधि में यदि संरचनात्मक सुधार लागू किए गए तो टिकाऊ आधार पर सात प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर की संभावना बनती है।

बजट से एक दिन पहले पेश समीक्षा में निजी निवेश को बढ़ावा देने, छोटी कंपनियों और कृषि क्षेत्र को मजबूत करने का सुझाव दिया गया है। जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने के लिए वित्तीय संसाधन बढ़ाने, छोटी कंपनियों के लिए कारोबार को सुगम बनाने और आय असमानता पर गौर करने की भी बात कही गई है। इसमें कहा गया है कि प्राथमिकताओं में शिक्षा और रोजगार के बीच अंतर को पाटना भी शामिल होना चाहिए। समीक्षा में रोजगार सृजन के लिए अधिक अनुकूल माहौल बनाने को लेकर श्रम सुधारों के क्रियान्वयन में तेजी लाने का भी आह्वान किया गया है। देश में बढ़ते कार्यबल की जरूरतों को पूरा करने के लिए गैर-कृषि क्षेत्र में 2030 तक सालाना औसतन लगभग 78.5 लाख नौकरियां सृजित करने की जरूरत है। समीक्षा की प्रस्तावना में सीईए ने कहा कि रोजगार सृजन मुख्य रूप से निजी क्षेत्र में (शेष पेज 9)

नई दिल्ली में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा आर्थिक सर्वे को संसद में पेश किए जाने के बाद मुख्य आर्थिक सलाहकार वी अनंत नागेश्वरन प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित करते हुए।

नई दिल्ली में टीएमसी सांसद शत्रुघ्न सिन्हा शपथ ग्रहण करने के बाद लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला का अभिवादन करते हुए।

नीट पर लोस में हंगामा

दीपक कुमार झा। नई दिल्ली

संसद के मानसून व बजट सत्र के पहले दिन सोमवार को सत्ता पक्ष और विपक्षी सदस्यों के बीच नीट और एनटीए विवाद को लेकर आमना-सामना हुआ। विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के तत्काल इस्तीफे की मांग की, जिन्होंने बदले में कहा कि मैं मेरे नेता (प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी)की अनुमति से इस पद पर हूं और सरकार 'सामूहिक रूप से जवाबदेह' है। जबकि विपक्ष ने वर्तमान प्रवेश परीक्षा प्रणाली की आलोचना की, केंद्र ने कहा कि पिछले सात वर्षों में प्रवेश परीक्षा पेपर लीक का कोई सबूत नहीं है। राहुल ने अपने तीखे हमले जारी रखे। कांग्रेस नेता ने कहा, 'यह पूरे देश के लिए स्पष्ट है कि हमारी परीक्षा प्रणाली में एक बहुत गंभीर समस्या है। मंत्री ने खुद को छोड़कर सभी को दोषी ठहराया है। मुझे नहीं लगता कि वह यहां जो कुछ भी हो रहा है उसके बुनियादी सिद्धांतों को समझते हैं।'

समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि यह सरकार पेपर लीक के मामले में नए रिकॉर्ड बनाएगी। उन्होंने कहा, 'देश भर में छात्र विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। जांच से खुलासे हो रहे हैं, गिरफ्तारियां हो रही हैं। मेरा एक ही अनुरोध है कि अगर यह मंत्री बने रहे तो छात्रों को न्याय नहीं मिलेगा।' जवाब में प्रधान ने कहा कि नतीजे सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के मुताबिक सार्वजनिक किए गए हैं। उन्होंने कहा, 'मैं राजनीति नहीं करना चाहता, लेकिन मेरे पास इसकी सूची है कि जब अखिलेश यादव उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री थे तो कितने पेपर लीक हुए थे।' पलटवार करते हुए प्रधान ने कहा कि उन्हें अपने निर्वाचन क्षेत्र के लोगों का समर्थन प्राप्त है और उन्हें संसद में किसी से खुफिया प्रमाणन की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने कहा, 'चिल्लाने से झूठ सच नहीं हो जाएगा। देश की परीक्षा प्रणाली को बकवास कहा गया है। विपक्ष के नेता का इससे ज्यादा दुर्भाग्यपूर्ण बयान नहीं हो सकता। मैं इसकी निंदा करता हूं।' इसके बाद घिरे हुए प्रधान ने 'रिमोट कंट्रोल' प्रहार किया, ये एक ऐसा हमला है जिसे भाजपा नियमित रूप से मनमोहन सिंह सरकार पर निशाना साधने के लिए इस्तेमाल करती है। उन्होंने कहा, 2010 में, उनके मंत्री कपिल सिब्बल ने शिक्षा सुधारों के लिए तीन विधेयक पेश किए थे। उनमें से एक अनुचित प्रथाओं पर रोक लगाने के लिए था। उनकी समस्या क्या थी? वह विधेयक किसके दबाव में वापस लिया गया था। क्या यह निजी मेडिकल कॉलेजों के दबाव के कारण था? और वे हमसे सवाल पूछ रहे हैं।' विपक्ष के आरोपों का जवाब देते हुए मंत्री ने कहा कि एनटीए ने 240 से अधिक परीक्षाएं आयोजित की हैं और 5 करोड़ से अधिक छात्र उनमें शामिल हुए हैं। उन्होंने कहा, 'पिछले सात वर्षों में पेपर लीक का कोई सबूत नहीं है।'

नीट-यूजी : कोर्ट ने विशेषज्ञों की टीम बनाकर एक प्रश्न के सही उत्तर पर रिपोर्ट सौंपने को कहा

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने विवादों में घिरी मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट-यूजी 2024 से जुड़ी याचिकाओं पर सोमवार को सुनवाई शुरू की और आईआईटी-दिल्ली के निदेशक से तीन विशेषज्ञों की एक टीम गठित करने को कहा, जो इस परीक्षा में पूछे गए एक विशेष प्रश्न पर विचार करेगी और मंगलवार दोपहर तक सही उत्तर पर एक रिपोर्ट पेश करेगी। शीर्ष अदालत ने कुछ अभ्यर्थियों की उस दलील पर गौर किया कि परमाणु और उसकी विशेषताओं से संबंधित एक प्रश्न के दो सही उत्तर थे और परीक्षार्थियों के एक समूह, जिन्होंने दो सही उत्तरों में से एक विशेष उत्तर दिया था, उन्हें चार अंक दिए गए। याचिकाकर्ताओं ने प्रधान न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जे.बी. पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ के समक्ष दलील दी कि इसका सफल उम्मीदवारों की अंतिम मेधा सूची पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ेगा।

विपक्ष ने विफलताओं को छिपाने के लिए नकारात्मक राजनीति की: मोदी

- कहा- लोकतंत्र में प्रधानमंत्री को ढाई घंटे तक चुप कराने की कोशिश हुई

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

अपनी सरकार के तीसरे कार्यकाल में अपना पहला बजट पेश करने से एक दिन पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विपक्ष से अपील और एक आक्रामक संदेश के साथ इस सत्र के एजेंडे की रूपरेखा तैयार की, जिसमें कहा गया कि कुछ दलों ने अपनी राजनीतिक विफलताओं को छिपाने के लिए 'नकारात्मक राजनीति' की है और संसद का 'दुरुपयोग' किया है। उन्होंने कहा, लोकतंत्र में प्रधानमंत्री को ढाई घंटे तक चुप कराने, उनकी आवाज दबाने की कोई जगह नहीं होनी चाहिए। यह चिंताजनक है कि ऐसे कार्यों के लिए कोई पछतावा नहीं है। उनकी टिप्पणी पिछले सत्र की घटना का एक स्पष्ट संदर्भ थी जब मोदी ने विपक्ष के जोरदार विरोध और नारेबाजी के बीच राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर बहस का जवाब दिया था। विपक्ष मांग कर रहा था कि मणिपुर के दोनों सांसदों को बोलने दिया जाए।

संसद सत्र की शुरुआत से पहले मीडिया को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि मंगलवार को पेश होने वाला केंद्रीय बजट अगले पांच वर्षों में सरकार की यात्रा की दिशा तय करेगा और 2047 तक विकसित भारत के सपने को पूरा करने की नींव रखेगा। मोदी ने कहा कि लोगों ने लोकसभा चुनाव में अपना फैसला दे दिया है और अब सभी राजनीतिक दलों को अगले पांच साल देश के लिए मिलकर लड़ना होगा। उन्होंने यह अपील सभी दलों के सांसदों से की। उन्होंने हाल में संपन्न आम चुनाव की ओर संकेत करते हुए कहा, गत जनवरी से लेकर (जून में आम चुनाव संपन्न होने तक) हम लोगों के पास जितना सामर्थ्य था, जितनी लड़ाई लड़नी थी... लड़ ली, जनता को जो बात बतानी थी- बता दी। किसी ने राह दिखाने का प्रयास किया, किसी ने गुमराह करने का प्रयास किया। लेकिन अब वो (चुनाव प्रचार का) दौर समाप्त हुआ है, देशवासियों ने अपना निर्णय दे दिया है। उन्होंने कहा, अब चुने हुए सभी सांसदों का कर्तव्य है, सभी राजनीतिक दलों की विशेष जिम्मेदारी है कि...आने वाले पांच वर्ष के लिए हमें देश के लिए लड़ना है, देश के लिए जूझना है। एक और नेक बनकर जूझना है। प्रधानमंत्री ने राजनीतिक दलों से पार्टी लाइन से ऊपर उठने और अगले चार से साढ़े चार वर्षों तक संसद के मंच का (शेष पेज 9)

नई दिल्ली में सोमवार को संसद सत्र के पहले दिन मीडिया को संबोधित करते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी। फोटो: रंजन डिमरी

कांवड़ मार्ग की दुकानों पर नेमप्लेट जरूरी नहीं

- उप्र और उत्तराखंड सरकार के निर्देश पर शीर्ष अदालत ने लगाई अंतरिम रोक

पीटीआई। नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय ने भाजपा शासित उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड सरकारों द्वारा जारी उन निर्देशों पर सोमवार को अंतरिम रोक लगा दी, जिनमें कांवड़ यात्रा मार्गों पर स्थित भोजनालयों को अपने मालिकों, कर्मचारियों के नाम और अन्य विवरण प्रदर्शित करने के लिए कहा गया है। विपक्ष ने आरोप लगाया है कि राज्य सरकारों के इन निर्देशों का उद्देश्य धार्मिक भेदभाव को बढ़ावा देना है। न्यायमूर्ति ऋषिकेश रॉय और न्यायमूर्ति एस. वी. एन. भट्टी की पीठ ने उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और मध्य प्रदेश सरकारों को नोटिस जारी किया और उनसे निर्देश को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर जवाब देने को कहा।

मध्य प्रदेश में उज्जैन नगर निगम ने भी दुकानदारों को अपने प्रतिष्ठानों के बाहर नाम और मोबाइल नंबर प्रदर्शित करने का शनिवार को निर्देश दिया था। पीठ ने राज्य सरकारों को नोटिस जारी करने के साथ ही कहा कि भोजनालयों के लिए यह प्रदर्शित करना आवश्यक किया जा सकता है कि वे किस प्रकार का भोजन परोस रहे हैं, जैसे कि वे शाकाहारी हैं या मांसाहारी। हिंदू कैलेंडर के सावन महीने की शुरुआत के साथ सोमवार को शुरू हुई कांवड़ यात्रा के लिए कई राज्यों में व्यापक इंतजाम किए गए हैं। सावन में लाखों शिव भक्त हरिद्वार में गंगा से पवित्र जल अपने घरों को ले जाते हैं और रास्ते में शिव मंदिरों में इसे चढ़ाते हैं। (शेष पेज 9)

काशी में उमड़े श्रद्धालु

वाराणसी में सावन के पहले सोमवार को केदार घाट पर भगवान शिव के जलाभिषेक के लिए उमड़े श्रद्धालु।

बिहार को विशेष दर्जे की मांग पर लगा झटका

पीएनएस/एजेंसी। नई दिल्ली

संसद के दोनों सदनों में बिहार को विशेष राज्य का दर्जा देने का मुद्दा उठने के बीच सरकार ने 2012 में तैयार एक अंतर-मंत्रालई समूह की रिपोर्ट का हवाला देते हुए सोमवार को कहा कि बिहार को विशेष राज्य का दर्जा देने का कोई मामला नहीं बनता है। संसद के मानसून सत्र के पहले दिन लोकसभा में जहां एक प्रश्न के माध्यम से यह मुद्दा उठाया गया, वहीं राज्यसभा में राष्ट्रीय जनता दल के मनोज झा ने शून्यकाल में बिहार को विशेष राज्य का दर्जा और विशेष पैकेज, दोनों देने की मांग उठाई। गौरतलब है कि संसद सत्र से पहले रविवार को हुई सर्वदलीय बैठक में भी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सहयोगी पार्टियों सहित बिहार के कुछ दलों द्वारा राज्य को विशेष दर्जा दिए जाने की मांग उठाई गई थी।

लोकसभा में जनता दल (यू) के सदस्य रामप्रीत मंडल ने प्रश्न किया था कि क्या सरकार का आर्थिक विकास और औद्योगिकीकरण को बढ़ावा देने के लिए बिहार राज्य और अन्य अत्यधिक पिछड़े राज्यों को विशेष दर्जा प्रदान करने का विचार है? इस प्रश्न के लिखित उत्तर में वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने कहा कि अतीत में राष्ट्रीय विकास परिषद (एनडीसी) ने कुछ राज्यों को विशेष श्रेणी का दर्जा दिया है। मंत्री ने कहा कि इन राज्यों में कुछ ऐसी विशेषताएं थीं जिन पर विशेष (शेष पेज 9)

जम्मू में आतंकवादियों के दो हमले

- सेना की चौकी और शौर्य चक्र विजेता के घर को निशाना बनाने की कोशिश, मुठभेड़ जारी

मोहित कंडारी। जम्मू

जम्मू हाइट्स से पाकिस्तानी आतंकवादियों को बाहर निकालने की रणनीति तैयार करने के लिए सेना प्रमुख जनरल उपेन्द्र द्विवेदी की अध्यक्षता में उच्च स्तरीय सुरक्षा समीक्षा बैठक के ठीक बाद, आतंकवादियों के एक भारी हथियारों से लैस समूह ने सोमवार तड़के सेना की चौकी तथा सीमांत राजौरी जिले की खवास तहसील के गुंडा गांव में शौर्य चक्र विजेता के घर पर हमला किया। इन ताजा हमलों के बाद, कारगिल युद्ध में विजय के 25 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में कारगिल विजय दिवस समारोह में भाग लेने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की द्रास यात्रा को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था का नए सिरे से ऑडिट करने के लिए पूरे सुरक्षा ग्रिड को सतर्क कर दिया गया है।

हमले में ग्राम रक्षा समूह के सदस्य परषोतम कुमार सुरक्षित रहे, जबकि उनके एक करीबी रिश्तेदार को गोलीबारी की घटना के दौरान मामूली चोटें आईं। हाल के महीनों में यह इस तरह का पहला प्रयास है जहां आतंकवादियों ने ग्राम रक्षा गार्ड के एक सदस्य को निशाना बनाया। आधिकारिक सूत्रों ने दावा किया कि विदेशी आतंकवादियों को कथित तौर पर गांव में शौर्य चक्र विजेता की मौजूदगी के बारे में जानकारी दी गई थी और स्थानीय ओवर-ग्राउंड कार्यकर्ताओं ने उसे निशाना बनाने के लिए आतंकवादियों के साथ सटीक निर्देशांक साझा किए होंगे। कुमार को 5 जुलाई को नई दिल्ली में भारत के राष्ट्रपति द्वारा युद्ध के वीर चक्र के बराबर शांतिकाल में शौर्य चक्र से सम्मानित किया गया था।

उद्धरण के अनुसार, पिछले साल अगस्त 2023 में, परषोत्तम कुमार ने एक पुरानी राइफल से पीएएफएफ-जैश के दो उच्च प्रशिक्षित गुरिल्ला आतंकवादियों से मुकाबला किया था, जो अत्याधुनिक असॉल्ट राइफलों और ग्रेनेड से लैस थे। सुरक्षित रहते हुए, उन्होंने दो आतंकवादियों का पीछा किया और अदम्य साहस और उत्कृष्ट क्षेत्र कौशल का प्रदर्शन करते हुए, उन्होंने आतंकवादियों को करीब से घेर लिया और उनको तब तक घेरे रखा जब तक सुरक्षा बल मौके पर नहीं आ गया। बाद में मुठभेड़ में एक विदेशी आतंकवादी मारा गया था। आतंकी हमले को विफल करने के तुरंत बाद सुरक्षा बलों की संयुक्त टीम द्वारा आतंकवादियों के पदचिन्हों का पता लगाने के लिए सघन तलाशी अभियान चलाया गया। घने जंगली इलाके में चल रहे अभियान में विशेष बलों को भी शामिल किया गया। एक्स पर एक पोस्ट में, व्हाइट नाइट कॉर्प्स ने कहा, आतंकवादियों ने राजौरी के गुंडा में एक वीडीसी के घर पर सुबह 3.10 बजे हमला किया। पास की सेना की एक टुकड़ी ने जवाब देते हुए गोलीबारी शुरू की । एक अन्य अपडेट में व्हाइट नाइट कॉर्प्स ने एक्स पर पोस्ट किया, भारतीय सेना राजौरी-रियासी के एक दूरदराज के इलाके में (शेष पेज 9)

राजौरी जिले के गुंडा इलाके में आतंकवादियों से मुठभेड़ के दौरान सुरक्षा बल के जवान।

सुप्रीम कोर्ट ने आशीष मिश्रा को जमानत दी, निचली अदालत से सुनवाई में तेजी लाने को कहा

भाषा। नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय ने 2021 के लखीमपुर-खीरी हिंसा मामले में पूर्व केंद्रीय मंत्री अजय मिश्रा के बेटे आशीष मिश्रा को सोमवार को जमानत दे दी और उसे दिल्ली या लखनऊ में ही रहने का निर्देश दिया। हिंसा की इस घटना में आठ लोगों की मौत हो गई थी। शीर्ष अदालत ने पिछले साल 25 जनवरी को हिंसा की इस दुर्भाग्यपूर्ण एवं भयावह घटना से जुड़े मामले में आशीष मिश्रा को अंतरिम जमानत दी थी। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां की पीठ ने मामले में आरोपी किसानों गुरविंदर सिंह, कमलजीत सिंह, गुरप्रीत सिंह और विचित्र सिंह को भी जमानत दे दी और निचली अदालत को सुनवाई में तेजी लाने का निर्देश दिया। उत्तर प्रदेश में लखीमपुर खीरी जिले के तिकुनिया में तीन अक्टूबर 2021 को हुई हिंसा में चार किसानों समेत आठ लोगों की मौत हो गई थी। यह हिंसा तब भड़की थी, जब किसान उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के इलाके के दौरे का विरोध कर रहे थे। इस दौरान एक एसयूवी (स्पोर्ट्स यूटिलिटी व्हिकल) ने चार किसानों को कुचल दिया था। इसके बाद गुस्साए किसानों ने वाहन चालक और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के दो कार्यकर्ताओं की कथित तौर पर पीट-पीटकर हत्या कर दी थी। इस हिंसा में एक पत्रकार की भी मौत हो गई थी।

अफसर स्वयं करें परियोजनाओं की हर 15 दिन में समीक्षाः योगी

- मुख्यमंत्री ने आजमगढ़ मंडल में की विकास कार्यों और कानून व्यवस्था की समीक्षा
- बाढ़ को लेकर अफसरों को अलर्ट मोड में रहने के दिए निर्देश

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/ आजमगढ़

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सोमवार को एक दिवसीय दौरे पर आजमगढ़ पहुंचे। यहां उन्होंने कलक्ट्रेट सभागार में विकास कार्यों को लेकर मंडलीय समीक्षा बैठक की। इसके साथ ही मंडल के तीनों जिलों आजमगढ़, बलिया और मऊ के कानून-व्यवस्था की भी अधिकारियों से जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने राजस्व, कानून व्यवस्था, बिजली व्यवस्था और गोशालाओं से संबंधित जानकारी ली और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इसके अलावा मंडल के जनप्रतिनिधियों के साथ उन्होंने बैठक की। सीएम योगी कुल पौने चार घंटे तक जिले में रहे। सीएम के दौरे को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रहा। मुख्यमंत्री ने हरिहर में निर्माणाधीन संगीत महाविद्यालय का भी निरीक्षण किया।

लोकसभा चुनाव के बाद मुख्यमंत्री का जिले में पहली बार आगमन हुआ। वे सोमवार को गोरखपुर से हेलिकाप्टर से पुलिस लाइन्स स्थित हेलीपैड पहुंचे। यहां से कार द्वारा सीएम योगी कलक्ट्रेट भवन पहुंचे। यहां उन्होंने मंडल के जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक की। दोपहर में उन्होंने कलक्ट्रेट सभागार में विकास कार्यों और कानून-व्यवस्था को लेकर मंडलीय समीक्षा भी बैठक की। इस बैठक में आजमगढ़ जनपद के अधिकारी और मंडल के जनप्रतिनधि शामिल रहे। जबकि अन्य जनपदों के अधिकारियों ने वर्चुअल माध्यम से प्रतिभाग किया।

सीएम ने शासन की जनहित एवं जनकल्याणकारी योजनाओं का क्रियान्वयन समयबद्ध तरीके से गुणवत्ता के साथ सुनिश्चित कराएं जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विकास परियोजनाओं की नियमित रूप से निगरानी की जाए। हर परियोजना के लिए एक अलग नोडल अधिकारी नियुक्त करें, जो हर सप्ताह प्रगति की रिपोर्ट दे। वरिष्ठ अधिकारी हर 15 दिन पर परियोजनाओं की समीक्षा करें। उन्होंने कहा कि सभी परियोजनाओं को उनकी निर्धारित समय सीमा में पूरा किया जाए। गुणवत्ता का पूरा ध्यान रखा जाए। कोई परियोजना लेट नहीं होनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि जाम की समस्या न होने पाए। सड़क पर गाड़ियां खड़ी न हों। पटरी व्यवसायियों को भी व्यवस्थित किया जाए। मुख्यमंत्री ने सगड़ी तहसील के देवरा क्षेत्र में बहने वाली घाघरा नदी के जलस्तर की जानकारी ली। उन्होंने बाढ़ को लेकर सतर्क रहने के निर्देश दिए। साथ ही तैयारियों के बारे में जानकारी ली। सीएम ने कानून व्यवस्था को लेकर समीक्षा बैठक की, कहा की अपराधियों पर सख्त से सख्त कार्रवाई की जाए। इसमें किसी भी प्रकार के लापरवाही नहीं होनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि हर प्रकार के माफिया पर सख्त कार्रवाई की जाए। कलेक्ट्रेट स्थित सभागार में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की समीक्षा बैठक 2 घंटे से अधिक देर तक चली।

हर पीड़ित की समस्या का निस्तारण उसकी संतुष्टि के मुताबिक कराया जाएगाः मुख्यमंत्री

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/ गोरखपुर

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनता दर्शन में आए लोगों को आश्वस्त किया कि उनके रहते किसी को चिंता करने की जरूरत नहीं है। हर हाल में सबकी समस्या का समाधान कराया जाएगा। यह उनकी सरकार की प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री ने कहा, हर मामले में प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। जिनके पास पक्का आवास नहीं है, उन्हें पीएम-सीएम आवास योजना से मकान मिलेगा। जिन्हें इलाज की आवश्यकता है, उनके मुकम्मल इलाज की व्यवस्था की जाएगी। इलाज में धन की कमी आड़े नहीं आने दी जाएगी। हर पीड़ित की समस्या का निस्तारण उसकी संतुष्टि के मुताबिक कराया जाएगा। सीएम योगी ने सोमवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में करीब 300 लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सामने कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक मुख्यमंत्री खुद गए। बड़े इत्मीनान से एक-एक कर उन्होंने सभी लोगों की समस्याएं सुनीं, उनके प्रार्थना पत्रों को अधिकारियों को जरूरी निर्देश के साथ संदर्भित किया और लोगों को आश्वस्त किया कि परेशान मत होइए, समस्या समाधान के लिए त्वरित व प्रभावी कदम उठाया जाना सुनिश्चित किया जाएगा।

सावन के पहले दिन सीएम योगी ने की देवाधिदेव महादेव की पूजा

लखनऊ। सोमवार को पवित्र सावन माह का पहला दिन रहा। एक तो सावन का पहला दिन और उस पर भी सोमवार, भगवान भोलेनाथ की आराधना के लिए लिए इससे अधिक सुखद संयोग क्या होगा। इस पावन सांयोगिक अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने देवाधिदेव महादेव की विधि विधान से आराधना कर उनसे लोकमंगल की प्रार्थना की। उन्होंने गोरखनाथ मंदिर में स्थापित शिवलिंग पर भगवान शिव को प्रिय वस्तुओं का अर्पण कर उनकी पूजा की और सबके जीवन में आरोग्य, सुख, समृद्धि और शान्ति की कामना की।

दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग होगा ऑनलाइन

- सब्मिशन व मॉनिटरिंग मॉड्यूल से किया जाएगा लैस, श्रीट्रॉन को सौंपा गया है जिम्मा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उत्तर प्रदेश की प्रगति और उन्नति के लिए कृत संकल्पित योगी सरकार प्रदेश में समाज के सभी वर्गों के समेकित विकास का मार्ग प्रशस्त कर रही है। योगी सरकार दिव्यांगजन सशक्तिकरण पर विशेष तौर पर जोर देते हुए दिव्यांगजनों के कल्याण के लिए विभिन्न सरकारी योजनाओं का संचालन कर रही है। ऐसे में, इन केंद्र व राज्य सरकार की योजनाओं का सभी को लाभ मिले, उनके शंका निराकरण व समाधान उपलब्ध कराने के उचित साधन हों और इन सबकी रेगुलर मॉनिटरिंग हो सके, इस क्रम में सीएम योगी के विजन अनुसार दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग को जल्द ही विशिष्ट ऑनलाइन वेबपोर्टल के विकास से लैस किया जाएगा। दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के लिए जिस ऑनलाइन वेब पोर्टल का विकास होना है उसे यूजर मैनेजमेंट, ऑनलाइन फाइल मैनेजमेंट, अप्रूवल सिस्टम समेत कई सुविधाओं से युक्त किया जाएगा। इन सभी कार्यों को पूरा करने की जिम्मेदारी श्रीट्रॉन इंडिया लिमिटेड को सौंपी गई है जो कि उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा विभागों को आईटी/आईटीईएस समाधान प्रदान करने के लिए नियुक्त नोडल एजेंसी है। फिलहाल, श्रीट्रॉन द्वारा दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के ऑनलाइन वेबपोर्टल के लिए कार्रवाई शुरू करते हुए एजेंसी निर्धारण की प्रक्रिया पर कार्य किया जा रहा है।

श्रीट्रॉन द्वारा एजेंसी निर्धारण व कार्यावंटन की प्रक्रिया को पूर्ण करने के लिए रिक्वेस्ट फॉर प्रपोजल (आरएफपी) माध्यम से आवेदन मांगे गए हैं । इस प्रक्रिय में केवल वही कंपनियां हिस्सा ले सकेंगी जो कि पहले से ही श्रीट्रॉन में इंपैन्ल्ड हैं और इन्हीं में से चयनित एजेंसी को ऑनलाइन वेबपोर्टल व जरूरी फ्रेमवर्क के विकास का जिम्मा सौंपा जाएगा। इस कार्य को सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट की केटेगरी ए,बी व सी के अंतर्गत सर्विस प्रोवाइडर के तौर पर चयनित एजेंसी को पूर्ण करना होगा। माना जा रहा है कि अगस्त के पहले हफ्ते में एजेंसी निर्धारण की प्रक्रिया को पूरा कर लिया जाएगा। उल्लेखनीय है कि विभाग राज्य सरकार द्वारा वित्तपोषित दिव्यांगजन विभाग की योजना के लिए ऑनलाइन आवेदन जमा करने और निगरानी के लिए इस वेब पोर्टल का विकास करा रहा है। यह पोर्टल आवेदक डाटा प्रबंधन और आवेदक को प्रदान की जाने वाली वित्तीय सहायता के लिए भी उत्तरदायी होगा। सभी डाटा क्लाउड सर्वर पर होस्ट किए जाएंगे ताकि विवरण तक आसानी से पहुँचा जा सके।

यूजर मैनेजमेंट सिस्टम (यूएमएस) को उपयोगकर्ताओं और उनके खातों के प्रभावी प्रबंधन के रूप में परिभाषित किया जाता है, और वेब पोर्टल के विकास के जरिए इस प्रक्रिया को डिजिटली एक्सेस किया जा सकेगा।

विधानसभा अध्यक्ष ने दिलाई चार नवनिर्वाचित विधायकों को शपथ

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने सोमवार को विधान भवन स्थित अपने कार्यालय कक्ष में नवनिर्वाचित चार विधायकों को विधानसभा की शपथ दिलाई। इनमें नवनिर्वाचित विधायक ददरौल शाहजहांपुर स अरविंद कुमार सिंह, लखनऊ पूर्व से ओपी श्रीवास्तव, गैसड़ी बलरामपुर स राकेश कुमार यादव तथा दुद्धी सोनभद्र से विजय सिंह शामिल हैं।

इस अवसर पर विधान सभा अध्यक्ष ने उन्हें संविधान एवं विधान सभा की प्रक्रिया एवं कार्य संचालन नियमावली 2023 की प्रति भेंट की। विधान सभा अध्यक्ष ने सदस्यों को बधाई देते हुए कहा कि वह विधानसभा में एक जागरूक एवं सफल विधायक के रूप में कामयाब हो और सार्वजनिक जीवन में यशस्वी हो। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि नवनिर्वाचित विधायक सदन में होने वाले वाद-विवाद में हिस्सा लेकर अपने क्षेत्र की समस्याओं के निराकरण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं। इस अवसर पर विधान सभा के प्रमुख सचिव प्रदीप कुमार दुबे व अन्य गणमान्य व्यक्ति भी मौजूद रहे।

लंबी दूरी के दो एक्सप्रेस-वे को आपस में जोड़ेंगे कई छोटे लिंक एक्सप्रेस-वे

- सभी एक्सप्रेस-वे को आपस में एक दूसरे से कनेक्ट करने में जुटी योगी सरकार

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

सात साल पहले अच्छी फोर लेन सड़कों के लिए तरसने वाला उत्तर प्रदेश आज आधा दर्जन से अधिक एक्सप्रेस-वे (ई-वे) के जरिए द्रुत गति से सूबे के जिलों को आपस में कनेक्ट कर रहा है। प्रदेश की सत्ता संभालने के बाद बीते सात साल में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के दिशा-निर्देश में यूपी में ई-वे का लंबा जाल बिछ चुका है। इसके साथ ही लिंक ई-वे और संपर्क ई-वे की भी बड़ी श्रृंखला प्रदेश में कायम हो रही है, जिनके जरिए छोटे जनपदों को भी बड़े ई-वे के साथ जोड़ा जा रहा है। इससे जहां यात्रा तो आरामदायक होगी ही, साथ ही सफर की देरी भी घटेगी। प्रदेश में इस वक्त बलिया लिंक ई-वे (131 किमी) के अलावा चित्रकूट लिंक ई-वे (15.20 किमी), आगरा लखनऊ ई-वे से पूर्वांचल ई-वे तक लिंक एक्सप्रेस-वे (61.60 किमी), गंगा एक्सप्रेस-वे से आगरा एक्सप्रेस-वे वाया फर्रुखाबाद लिंक एक्सप्रेस-वे (93 किमी), यमुना एक्सप्रेस वे से गंगा एक्सप्रेस-वे वाया बुलंदशहर लिंक एक्सप्रेस-वे (84किमी) निर्माणाधीन या प्रस्तावित हैं। इन लिंक ई-वे के किनारों पर जहां सोलर पार्क डेवलप किये जाएंगे, वहीं इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग स्टेशन और जनसुविधा केंद्रों को भी विकसित किया जाएगा। योगी सरकार प्रदेश में बेहतर कनेक्टिविटी के लिए एक्सप्रेस-वे और लिंक एक्सप्रेस-वे का जाल बुन रही है। बात बलिया लिंक एक्सप्रेस-वे की करें तो यह गाजीपुर से बलिया के बीच की दूरी तय करेगी। इसके लिए 1600 करोड़ रुपए एनएचएआई द्वारा उपलब्ध कराए गये हैं। वहीं चित्रकूट लिंक एक्सप्रेस-वे जो कि शुरुआत में 4 लेन का होगा और जिसे आगे चलकर 6 लेन का बनाया जाएगा।

विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष बने लाल बिहारी यादव, उप नेता मो. जासमीर अंसारी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

समाजवादी पार्टी ने विधान परिषद सदस्य लाल बिहारी यादव को उत्तर प्रदेश विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष घोषित किया है जबकि उप नेता मो. जासमीर अंसारी को बनाया गया है। इसी तरह से समाजवादी पाटी प्रमुख अखिलेश यादव की संस्तुति पर किरनपाल कश्यप को मुख्य सचेतक नियुक्त किया गया है जबकि आशुतोष सिन्हा को विधान परिषद को सचेतक बनाया गया है। उल्लेखनीय है कि लाल बिहारी यादव परिषद सदस्य में सपा दल के नेता भी रहे हैं लेकिन अभी तक सपा के पास नेता प्रतिपक्ष बनाने के लायक सदस्य संख्या नही थी। पांच मई शा रिक्त हुए 13 पदों के चुनाव में सपा को तीन सीटें मिलीं। अब विधान परिषदश सपा के सदस्यों की संख्या कुल दस हो गई है, जो नेता प्रतिपक्ष बनने के लिए आवश्यक सदस्य संख्या के बराबर है।

एनएसयूआई छोड़कर दर्जनों छात्र सपा में शामिल

सपा प्रमुख एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के नेतृत्व के प्रति आस्था जताते हुए समाजवादी पार्टी के राज्य मुख्यालय लखनऊ में प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल के समक्ष समाजवादी छात्रसभा के प्रदेश अध्यक्ष विनीत कुशवाहा के नेतृत्व में लखनऊ विश्वविद्यालय के दर्जनों छात्रों ने कांग्रेस छात्र संगठन एनएसयूआई छोड़कर समाजवादी पार्टी की सदस्यता ग्रहण कर ली है। एनएसयूआई छोड़कर समाजवादी पार्टी में शामिल होने वाले छात्र नेताओं में शुभम खरवार, आनन्द दिवाकर, रूपल रावत, हर्षित शुक्ला, आदर्श राव, अंकित कुमार गौतम, प्रणव श्रीवास्तव तथा विकास पटेल है।

सावन के पहले सोमवार को बाबा के दरबार में उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब

- ढाई लाख से अधिक भक्तों ने किया बाबा का दर्शन-पूजन, चढ़ाया श्रद्धा का जल

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/ वाराणसी

नव्य-भव्य श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में श्रावण मास के पहले दिन श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ा। इस दौरान शाम छह बजे तक ढाई लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने बाबा के चरणों में श्रद्धा का जल चढ़ाया। मंगला आरती के बाद मंदिर का कपाट खुलने के साथ ही काशी हर हर महादेव के जयकारों से गूंज उठी। शिवभक्तों के स्वागत के लिए एक तरफ जहां रेड कॉरपेट बिछाया गया था तो वहीं दूसरी तरफ प्रशासनिक अधिकारियों ने भोले के भक्तों पर पुष्प वर्षा की। बाबा के दर्शन के लिए रविवार रात से ही भक्तों की क़तार लग गई थी।

सोमवार दोपहर बाद हुई बारिश ने भी बाबा को अपनी श्रद्धा निवेदित की। श्रावण मास के पहले सोमवार को शाम 8 बजे तक 2.69309 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने राजराजेश्वर काशी पुराधिपति के दरबार में शीश नवाया। आस्था के जनसैलाब को देखते होते योगी सरकार के निर्देश पर काशी विश्वनाथ धाम में सुविधा के साथ ही सुरक्षा के पुख्ता इंतज़ाम किये गए थे। सोमवार को काशी केसरिया रंग में रंगी हुई दिखाई दी। बाबा के जलाभिषेक के लिए महादेव के भक्त रविवार रात से ही काशी में जुटने लगे थे। बाबा का कपाट श्रद्धालुओं के लिए खुला तो आस्था में डूबे भक्त बाबा के चौखट तक पहुंचे और शीश झुकाकर बाबा पर जल चढ़ाया। पूरी काशी हर-हर महादेव और बोल बम के जयघोष से गूंज उठी। सावन के पहले सोमवार को बाबा के चल प्रतिमा के स्वरुप का श्रृंगार हुआ,भक्त बाबा विश्वनाथ के इस स्वरूप का दर्शन करके निहाल हुए।

हाथरस कांड की जांच कर रहे न्यायिक आयोग को कार्यालय आवंटित

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशों के अनुपालन के क्रम में विगत 2 जुलाई 2024 को ग्राम फुलरई मुगलगढ़ी, थाना सिकंदरामऊ, जिला हाथरस में साकार नारायण विश्व हरि उर्फ भोले बाबा के सत्संग कार्यक्रम में घटित घटना की जांच हेतु गठित तीन सदस्यीय न्यायिक जांच आयोग के कार्यालय उपयोग हेतु कक्षों का आवंटन किया गया है। गृह विभाग के प्रवक्ता ने बताया कि विकास भवन, प्रथम तल, लखनऊ में बृजेश कुमार श्रीवास्तव (द्वितीय), न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) इलाहाबाद उच्च न्यायालय, अध्यक्ष एवं स्टाफ के लिए कक्ष संख्या 114 से 117, हेमन्त राव (सेवानिवृत्त आईएएस) सदस्य एवं स्टाफ हेतु कक्ष संख्या 107 व 104 एवं भवेश कुमार सिंह (सेवानिवृत्त आईपीएस) सदस्य एवं स्टाफ हेतु कक्ष संख्या 108 व 105 का आवंटन किया गया है।

पायनियर वर्गीकृत

सूचना

मैं, यतेन्द्र पाल सिंह, निवासी-25, नियर सैफई, दर्शनपुर, लरखोर, इटावा, उ०प्र० प्रमाणित करता हूँ कि मेरे पुत्र का सही नाम यवनेष्ट सिंह (YAVNESHTH SINGH) है, जो कि कुछ सरकारी व गैर सरकारी अभिलेखों में (YAWNESHTH SINGH) दर्ज हो गया है। अतः सभी सरकार व गैर-सरकारी अभिलेखों में हिन्दी व अंग्रेजी में मेरे पुत्र का नाम यवनेष्ट सिंह (YAVNESHTH SINGH) पढ़ा व समझा जाये।

सूचना

सूच्य हो कि मेरी पुत्री के आधार कार्ड पर उसका नाम ARIBA RIYAZ दर्ज हो गया है जो गलत है जबकि उसका सही नाम AREEBA RIYAZ है। अतः अब से मेरी पुत्री के समस्त अभिलेखों में उसका सही नाम AREEBA RIYAZ ही पढ़ा व समझा जाए। रियाजुद्दीन पुत्र सरफुद्दीन निवासी-सिटी स्टेशन रोड, इस्लाम बाग, शेख सरांय, पुराना सीतापुर, तहसील व जिला-सीतापुर

सूचना

सूच्य हो कि मेरी पुत्री के जन्म प्रमाण पत्र पर उसका नाम ZOYA FAHEEM दर्ज हो गया है जो गलत है जबकि उसका सही नाम SARAH FAHEEM है। अतः अब से मेरी पुत्री के समस्त अभिलेखों में उसका सही नाम SARAH FAHEEM ही पढ़ा व समझा जाए। मो० फहीम पुत्र मोहम्मद सलीम निवासी-पक्का बाग, गली नं०-2, शेख सरांय आंशिक, पुराना सीतापुर, तहसील व जिला-सीतापुर

सूचना

सूचना

मै श्वेता कृष्णा पत्नी श्री निपुण श्रीवास्तव यह सूचित करना चाहती हूँ कि प्लाट- 4/65 ,विनीत खंड, गोमतीनगर, लखनऊ जो कि C-2/ 193 विनव खंड से समायोजित हुआ था उसकी वर्तमान में मालिकन हूं। उपरोक्त प्लॉट का आवंटन पत्र दिनांक 25.04.1985 की मूल प्रति (पंजिकरण संख्या-0163007977) जो की श्रीमति माधुरी सरन के नाम है जो की वास्तव में खो गयी है। जिसका F.I.R. No. 20240000602891 हैं। जिसका भविष्य में दुरूपयोग असंवैधानिक है। यदि किसी व्यक्ति को उक्त आवंटन पत्र प्राप्त हो तो AXIS बैंक लोन सेंटर, सेक्टर 4 गोमती नगर विस्तार को 15 दिन के अंदर सूचित करें दूरभाष नं.-0522-4077776

कांवड़ यात्रा के निर्धारित मार्गों और शिवालयों के पास न हो गंदगी

कार्यों में लापरवाही एवं शिथिलता की शिकायत पर होगी सख्त कार्रवाईः एके शर्मा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा ने कहा कि श्रावण मास के पवित्र महीना में आदि विश्वेश्वर भगवान भोलेनाथ की पूजा अर्चना का विशेष महत्व है। सभी श्रद्धालु अपने आराध्य को प्रसन्न करने के लिए विभिन्न प्रकार से पूजा अर्चना करते हैं। इसी क्रम में लाखों श्रद्धालु भगवान शिव का गंगाजल से अभिषेक करने के लिए विभिन्न क्षेत्रों से कांवड़ लेकर चलते हैं, अधिकांशतः प्रदेश के मुख्य गंगा घाटों और हरिद्वार से कांवड़ यात्रा चलती है, इसमें बच्चे, बूढ़े, जवान, महिला, पुरुष सभी शामिल होते हैं। इस दौरान भक्तजन भी इन कांवड़ मार्गों पर श्रद्धावश कांवड़ यात्रा में शामिल श्रद्धालुओं की हर संभव मदद करते है। प्रदेश सरकार भी हर संभव प्रयास कर रही है कि कहीं पर भी श्रद्धालुओं को कोई परेशानी न होने पाए।

प्रदेश के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग कर कांवड़ यात्रा की तैयारियों की समीक्षा करते हुए यह बात कहीं और कांवड़ यात्रा व आने वाले त्योहारों की सभी को हार्दिक शुभकामनाएं दी। उन्होंने 22 जुलाई दिन सोमवार से श्रावण मास के पहले सोमवार से शुरू होने वाली कांवड़ यात्रा के निर्धारित मार्गो और शिवालयों पर विशेष प्रबंध करने के निर्देश नगर विकास एवं ऊर्जा विभाग के अधिकारियों को दिए। उन्होंने कहा की कांवड़ यात्रा मार्गों और शिवालयों के आस पास कहीं पर भी गंदगी न होने पाए, साफ सफाई के बेहतर प्रबंध किया जाए। कांवड़ यात्रा मार्गों और शिवालियों के पास स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति का भी प्रबंध किया जाए। कांवड़ यात्रा मार्गों और शिवालियों के आस पास रोशनी का आभाव न रहे, विद्युत आपूर्ति बाधित न हो, विद्युत् व्यवस्था सुदृढ़ रहे, विद्युत लाइन जर्जर और पोल झुके हुए न हो। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में विद्युत व्यवस्था दुरुस्त रखें, विद्युत पोल, स्टेवायर, ट्रांसफार्मर सेफ्टी जाली में उतरने वाले करंट की नियमित जांच कराते रहें, स्थाई समाधान के लिए विद्युत पोल की अर्थिंग भी चेक कराए। स्ट्रीट लाइट के जंक्शन बॉक्स की भी जांच करें। जहां कहीं पर भी सड़क किनारे लाइन नीचे हो या सड़क के पास हो वहां पर विद्युत् दुर्घटना से सावधानी के बोर्ड भी लगाए। विद्युत लाइन को संपर्क करती हुई पेड़ों की शाखाओं की छटनी कराए। बिजली के स्पर्शाघात से कोई दुर्घटना न हो इसके सभी प्रबंध किए जाएं। कांवड़ यात्रा मार्गों और शिवालय क्षेत्रों में निर्बाध विद्युत आपूर्ति की जाए, निर्बाध विद्युत आपूर्ति के लिए ट्रॉली ट्रांसफार्मर की व्यवस्था की जाए। कावड़ यात्रा मार्गो में स्थापित शिविरों को समय से विद्युत कनेक्शन दिया जाए। सभी डिस्काम में मॉनिटरिंग के लिए 24 घंटे कंट्रोल रूम संचालित किया जाए।

गंगा घाटों में भी बैरिकेडिंग लगाई जाए ताकि कोई भी गहरे पानी में न जाने पाए। मंत्री ए.के. शर्मा ने कहा कि कावड़ यात्रा मार्गों और शिवालयों के पास श्रद्धालुओं को संचारी रोगों, मच्छर जनित बीमारियों से बचाने के लिए चूना, ब्लीचिंग पाउडर और दवा का छिड़काव करें। कांवड़ मार्गों और शिवालियों के पास मोबाइल टॉयलेट स्थापित किए जाएं, मार्गों पर पड़ने वाले सार्वजनिक और सामुदायिक शौचालयों की साफ सफाई पर ध्यान देंगे। पेय जलापूर्ति के लिए टैंकर की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए।

इंडियन बैंक (भारत सरकार का उपक्रम)
Indian Bank (A Govt. of India Undertaking)
इलाहाबाद ALLAHABAD

कब्जा नोटिस (अचल सम्पत्ति हेतु)

प्रतिभूति हित (प्रवर्तन)अधिनियम 2002 के नियम-8(1) के अंतर्गत

अधोहस्ताक्षरकर्ता ने **इंडियन बैंक** का प्राधिकृत अधिकारी होते हुए वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्गठन और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002, (धारा 54, 2002) की धारा 13 (12) प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 (प्रवर्तन) की सपठित नियम 3, 8 व 9 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए ऋणी को मांग सूचना पत्र से यहाँ विस्तृत रूप से नीचे दी गयी राशि 60 दिनों के भीतर लौटाने के लिए निर्गमित किया।

ऋण-ग्रहिता/ जमानतकर्ता के यह राशि लौटाने में विफल होने पर ऋण-ग्रहिता/जमानतकर्ता और सर्वसाधारण को एतद्वारा सूचना दी जाती है की अधोहस्ताक्षरकर्ता ने उक्त अधिनियम की धारा 13 (4) सपठित उक्त नियम के नियम 8 व 9 के तहत उसको प्रदत्त शक्तियों के अनुप्रयोग में निम्नलिखित सम्पत्तियों का आधिपत्य ग्रहण कर लिया गया है। ऋण-ग्रहिता/जमानतकर्ता को विशिष्ट रूप से और सर्व-साधारण को सामान्य रूप से एतद्वारा संपत्ति के साथ व्यवहार (क्रय-विक्रय) नहीं करने की चेतावनी दी जाती है और उक्त संपत्ति का किसी भी प्रकार से क्रय-विक्रय **इंडियन बैंक** के अधीन रहेगा।

उधारकर्ता/जमानतकर्ता का ध्यान प्रतिभूति आस्तियों के मोचन के लिए उपलब्ध समय के संदर्भ में अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (8) के उपबंधों की ओर आकृष्ट किया जाता है।

यह सूचना इस अधिग्रहण के आयोजन के सम्बन्ध में कर्जदारों, जमानतकर्ताओं और बंधककर्ताओं को बकाया जमा करने के लिए कहा जा रहा है।

विवरण निम्नुसार हैं:-

क्र. सं.	ऋणी/प्रोपराइटर/जमानतकर्ता/ बंधककर्ता का नाम एवं पता	अचल सम्पत्ति का विवरण	मांग सूचना की तिथि / कब्जा की तिथि / बकाया धनराशि
	शाखाः भारतीय हवाईअड्डा प्राधिकरण, लखनऊ		
1.	**श्री सत्य प्रकाश पुत्र श्री चंद्र भूषण (ऋणी एवं बंधककर्ता),** खसरा सं. 2237 के भाग पर निर्मित मकान, ग्राम- अमौसी, वार्ड- सरोजनी नगर, परगना- बिजनौर, तहसील- सरोजनी नगर, जिला- लखनऊ।	संपत्ति के सभी भाग व खण्ड को मिलाकर खसरा सं. 2237 के भाग पर निर्मित मकान, स्थित ग्राम-अमौसी, वार्ड-सरोजनी नगर, परगना-बिजनौर, तहसील-सरोजनी नगर, जिला-लखनऊ, **चौहद्दीः उत्तरः** आराजी विक्रेता, **दक्षिणः** कमला देवी पत्नी राम प्रकाश का प्लॉट, **पूर्वः** 20 फीट चौड़ी सड़क, **पश्चिमः** राम खेलावन का मकान	04.05.2024 18.07.2024 रु. 6,05,136.00 एवं उसपर ब्याज
2.	**1. श्री सौरभ शुक्ला (ऋणी एवं बंधककर्ता),** मकान सं. केएन-089 (पीएन-24), प्लॉट सं. 24 पर निर्मित, खसरा सं. 89, मोहल्ला-गौरी, वार्ड-सरोजनी नगर, लखनऊ। **2. श्रीमती दीपिका शुक्ला (ऋणी एवं बंधककर्ता),** मकान सं. केएन-089 (पीएन-24), प्लॉट सं. 24 पर निर्मित, खसरा सं. 89, मोहल्ला-गौरी, वार्ड-सरोजनी नगर, लखनऊ।	संपत्ति के सभी भाग व खण्ड को मिलाकर मकान सं. केएन-089 (पीएन-24) प्लॉट सं. 24 पर निर्मित, खसरा सं. 89, मोहल्ला-गौरी, वार्ड-सरोजनी नगर प्रथम (112), लखनऊ उत्तर प्रदेश, क्षेत्रफल 92.94 वर्ग मीटर, **मालिकः** श्री सौरभ शुक्ला एवं श्रीमती दीपिका शुक्ला, **चौहद्दीः उत्तरः** संदीप चौधरी का मकान, **दक्षिणः** कुसुम लता का प्लॉट, **पूर्वः** अन्य का मकान, **पश्चिमः** 20 फीट चौड़ी सड़क	26.04.2024 18.07.2024 रु. 13,02,685.00 एवं उसपर ब्याज
	शाखाः सीएमएस विवेक खण्ड शाखा		
3.	**1. मेसर्स आर के सेनेटरी हार्डवेयर एवं पेंट स्टोर फर्म,** नवाब पुरवा विवेक खंड 1 निकट रेलवे स्टेशन गोमती नगर लखनऊ **2. श्री राम खेलावन रावत प्रोपराइटर (मृतक/ऋणी),** 1/205 एवं 206 विवेक खंड 1 गोमती नगर लखनऊ **3. गीता रावत पत्नी राम खेलावन रावत (कानूनी उत्तराधिकारी),** 1/205 एवं 206 विवेक खंड 1 गोमती नगर लखनऊ **4. अभिमन्यु रावत पुत्र राम खेलावन रावत (कानूनी उत्तराधिकारी),** 1/205 एवं 206 विवेक खंड 1 गोमती नगर लखनऊ **5. आनंद रावत पुत्र राम खेलावन रावत (कानूनी उत्तराधिकारी),** 1/205 एवं 206 विवेक खंड 1 गोमती नगर लखनऊ **6. ओम प्रकाश शर्मा पुत्र राम पाल शर्मा (जमानतकर्ता),** ई-3/275 विराम खंड 3 गोमती नगर लखनऊ	1. संपत्ति के सभी भाग व खण्ड, मकान सं. 1/205 सेक्टर-1 विवेक खंड गोमती नगर लखनऊ पिन 226010 पंजीकरण उप-जिला लखनऊ एवं जिला लखनऊ, क्षेत्रफल-36.75 वर्गमीटर विक्रय विलेख संख्या-5699 बही संख्या-01, जिल्द संख्या-3215 पृष्ठ संख्या-141 से 158 दिनांक 13.08.2002 को उप रजिस्ट्रार लखनऊ में पंजीकृत **चौहद्दीः उत्तरः** मकान सं. 1/206, **दक्षिणः** मकान सं. 1/204, **पूर्वः** मकान सं. 1/242, **पश्चिमः** 6 मीटर सड़क 2. संपत्ति के सभी भाग व खण्ड, मकान सं. 1/ 206 सेक्टर-1 विवेक खंड गोमती नगर लखनऊ पिन 226010 पंजीकरण उप-जिला लखनऊ एवं जिला लखनऊ, क्षेत्रफल-36.75 वर्गमीटर विक्रय विलेख संख्या-4506 बही संख्या-01 जिल्द संख्या-2907 पृष्ठ संख्या-37 से 62 दिनांक 07.08.2001 को उप रजिस्ट्रार लखनऊ में पंजीकृत **चौहद्दीः- उत्तरः** मकान सं. 1/207, **दक्षिणः** मकान सं. 1/205, **पूर्वः** मकान सं. 1/241, **पश्चिमः** 6 मीटर सड़क	25.04.2024 20.07.2024 रु. 15,81,079.00 एवं उसपर ब्याज
4.	**1. श्री शिव नारायण त्रिवेदी पुत्र स्व0 बाल कृष्ण त्रिवेदी (ऋणी/बंधककर्ता),** ई 1/619 विनय खंड गोमती नगर लखनऊ 226010 **2. श्रीमती ममता त्रिवेदी पत्नी शिव नारायण त्रिवेदी (ऋणी/बंधककर्ता),** ई 1/619 विनय खंड गोमती नगर लखनऊ 226010	संपत्ति के सभी भाग व खण्ड मकान सं. ई 1/619 विनय खंड गोमती नगर लखनऊ 226010 एवं जिला लखनऊ क्षेत्रफल-36.75 वर्ग मीटर विक्रय विलेख संख्या-11797 बही संख्या-01 जिल्द संख्या-20113 पृष्ठ संख्या-41 से 74 दिनांक 03.10.2017 को उप रजिस्ट्रार लखनऊ द्वितीय में पंजीकृत **चौहद्दीः उत्तरः** मकान सं. 1/620, **दक्षिणः** मकान/प्लॉट सं. 1/618, **पूर्वः** मकान सं. 1/586, **पश्चिमः** 6 मीटर सड़क	25.04.2024 20.07.2024 रु. 18,50,047.00 एवं उसपर ब्याज

दिनांकः 23.07.2024 स्थानः लखनऊ — प्राधिकृत अधिकारी, इंडियन बैंक

महादेव के उद्घोष से गूंजे शिवालय

सावन के पहले दिन शिव की भक्ति में सराबोर हुई राजधानी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रत्येक वर्ष की भांति इस बार भी सावन माह के पहले दिन सोमवार को शिव की भक्ति में राजधानी सराबोर दिखी। लोग सुबह से मंदिरों में जल चढ़ाने के लिए पंक्तियों में नजर आये। इस दौरान हर-हर महादेव के नारे से शिवालय गुंजायमान हो उठे। वहीं रामलीला ग्राउंड, ऐशबाग में प्रात: 11 बजे से 16वां सपादलक्ष रूदाभिषेक (सवा लाख रूद्र) किया गया। जिसमें 27 चौकियों पर शिव परिवार के साथ 55 सौ रूद्र (प्रत्येक चौकी) पर विराजमान कर शिव भक्तों ने पूजा हुई।

प्रमुख आचार्य शिवशंकर पाण्डेय ने बताया कि हर-हर महादेव के मंत्र-उच्चारण के साथ भद्रं करणेभि: के मंत्र से अपने 5 सहयोगियों के साथ वैदिक मंत्रों के द्वारा रूद्राभिषेक पूजा प्रारम्भ की जिसमें विभिन्न चाकी पर बैठे 27 ब्राहम्णों ने साथ दिया। ऋषिकेश से लाए गंगा जल से भगवान शिव का अभिषेक किया गया। साथ में दूध, दही, घी, शहद, शक्कर, जल, गन्ने का रस, कुशोदक, आदि से भी अभिषेक किया गया। ध्यान, आसन, प्राणायाम,पुण्याहवाचन, आवाहन के पश्चात् भगवान का षोडसोपचार पूजन किया गया, तत्पश्चात् भगवान का श्रृंगार किया गया। दूध की धार से रूद्राष्टाध्यायी का पाठ प्रारम्भ हुआ जिसमें पंचम अध्याय के 11 पाठ में इसे नमक चमक का पाठ कहते है। तत्पश्चात् स्तुति, आरती, उत्तर पूजन, पूष्पांजलि,अम्रताभिषेक और आचार्यो द्वारा आशीर्वाद प्रदान किया गया। प्रमुख आचार्य ने रूद्राभिषेक के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि रूद्र अर्थात भूत भावन शिव का अभिषेक शिव और रूद्र परस्पर एक दूसरे के पर्यायवाची है, शिव को ही रूद्र कहा जाता है क्योंकि रूतम-दु:खम् द्रावयति-नाशयतीतिरूद्र: यानि कि भोले सभी दु:खों को नष्ट कर देते है। हमारे धर्मग्रंथो के अनुसार हमारे द्वारा किये गए पाप ही हमारे दु:खों के कारण है। रूद्राभिषेक से हमारे कुंडली के पातक कर्म एवं महापातक भी जलकर भस्म हो जाते है और साधक में शिवत्व का उदय होता है तथा भगवान शिव का शुभाशीर्वाद भक्तों को प्राप्त होता है और सभी मनोरथ पूर्ण होते है, ऐसा कहा जाता है कि एकमात्र सदाशिव रूद्र के पूजन से सभी देवताओं की पूजा स्वत: हो जाती है। आयोजक अमरनाथ मिश्र ने बताया कि हर वर्ष सावन माह में यह एक दिन की पूजा होती है इसमें 27 चैकियां लगायी जाती है जो कि पूर्व से ही यजमानों द्वारा आरक्षित रहती है जिस पर यजमान अपने पूरे परिवार के साथ पूजा करता है। ऋषिकेश से 1000 लीटर गंगाजल मंगाया जाता है जिससे भगवान शिव का अभिषेक होता है। इसकी तैयारी लगभग 20 दिन पूर्व से की जाती है। जिसमें मिट्टी लागर रूद्र बनाना, पूजन सामग्री गंगाजल करना आदि शामिल है। आयोजक हरीशचन्द्र अग्रवाल ने बताया कि पर्यावरण को विशेष घ्यान में रखते हुए रामलीला मैदान में ही गड्ढा खोदकर पूजन सामग्री एवं भगवान की मूर्तियों को विसर्जित किया गया है। आज की पूजा के प्रमुख यजमानगणों में हरीश चन्द्र अग्रवाल, अमरनाथ मिश्र, राजेन्द्र कुमार अग्रवाल, अरविन्द तिवारी, उत्कर्ष त्रिपाठी, नीरज मिश्रा लोकेश अग्रवाल अरविन्द पाठक, सुधीर गुप्ता, सूर्यप्रकाश शुक्ला, शिवम बंसल, मंयक मनोचा, विनोद अग्रवाल, वर्षा शर्मा, उज्जवल शुक्ला, अतुल त्रिपाठी, सतीश चन्द्र मिश्र, नरेश कुमार, संजय सोनकर, सत्यकाम मिश्र, अर्चना, दीपक बाजपेई, सीताराम अग्रवाल, आशारानी निगम, प्रीती निगम, देवेश अप्रित अग्रवाल आदि थे। रामलीला मैदान हर-हर महादेव के मंत्रों से गूंजता रहा और सैकड़ों शिवभक्त पूजा को देखने के लिए उपस्थिति रहे और प्रसाद ग्रहण किया।

ऐशबाग में हुआ सपादलक्ष रुद्राभिषेक

निरीक्षण में थाना प्रभारी नदारद, स्पष्टीकरण देने के निर्देश

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मण्डलायुक्त की अध्यक्षता में तहसील मलिहाबाद में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। मंडलायुक्त द्वारा मलिहाबाद तहसील में दो दिन का कैंप लगाकर पेंशन व राशन के पात्र लाभार्थियों को लाभान्वित करने का निर्देश दिया गया। माल थाना प्रभारी समाधान दिवस में नदारद मिलने पर मंडलायुक्त द्वारा उनके खिलाफ स्पष्टीकरण जारी करने के निर्देश दिए गए। साथ ही अवैध कब्जा करने व संरक्षण देने वालों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई के आदेश दिए गए।

सोमवार को मण्डलायुक्त डा रोशन जैकब की अध्यक्षता में तहसील मलिहाबाद में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया। मौके पर फ रियादियों की समस्या सुनकर उनका निस्तारण करने के लिए सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया। फ रीयादियों की समस्या सुनवाई के दौरान मंडलायुक्त को शिकायत कर्ता ने बताया कि कुछ दबंगों ने मेरे जमीन पर अवैध कब्जा करने को लेकर आये दिन मारपीट करते है। जिस पर माल थाना प्रभारी राजेश त्रिपाठी को समाधान दिवस में पुकारने पर नदारद मिलने पर, उनके खिलाफ स्पष्टीकरण जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रार्थी की समस्या का समाधान प्राथमिकता पर कराया जाना सुनिश्चित किया जाए। मंडलायुक्त ने कहा कि सरकारी भूमि पर अवैध कब्जा करके प्लाटिंग करने वाले भू.माफ्याओं व संरक्षण देने वालों के खिलाफ कठोरतम कार्यवाही की जाये।

मण्डलायुक्त ने कहा कि मुख्यमंत्री की मंशानुरूप सभी अधिकारी जनता की शिकायतों का निस्तारण तेज एवं समयबद्ध तरीके से गुणवत्तापूर्णढंग से एक सप्ताह में करना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि शिकायतों के निस्तारण में यदि कोई समस्या है तो उसका कारण स्पष्ट करते हुए अवगत कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने सम्बधित अधिकारियों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि अवैध निर्माण को तत्काल रोका जाये, जिससे कि आम जनमानस को वास्तविक न्याय मिल सके।

गंदगी को साफ कराने का दिए निर्देश

मंडलायुक्त को शिकायतकर्ता उमेश द्वारा ग्राम पंचायत खालिसपुर, मजरा घनश्यामपुर, इमलिहा में व्याप्त गन्दगी को साफ कराये जाने के सम्बन्ध में प्रार्थना पत्र दिया। प्रार्थी ने कहा कि इमलिहा में बनी उपमण्डी में गन्दगी का अम्बार लगा हुआ है जिसकी सफाई पिछले कई वर्षों से नहीं करायी गयी है। जिस कारण ग्राम में बदबू व डेंगू, मलेरिया व टाईफाइड आदि गम्भीर बीमारियों से पूरा ग्राम ग्रसित है और ग्राम के अधिक से अधिक ग्रामवासी अपने जानवरों को रोड पर ही बाँधते है जानवरों द्वारा की जाने वाली गन्दगी से आने जाने वाले राहगीरों को बड़ी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। मना करने पर ग्रामवासी लड़ाई झगड़े करने पर आमादा फौजदारी हो जाते है। मंडलायुक्त ने तत्काल प्रभाव से उपमण्डी में सफाई कराने का आदेश तथा रास्ते में जानवरों को बाँधने वाले व्यक्तियों के विरूद्ध कानूनी कार्यवाही करने का निर्देश संबंधित को दिया।

जांच कर गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करायें: उन्होंने निर्देशित किया कि सम्पूर्ण समाधान दिवस में प्राप्त शिकायतों का वरिष्ठ अधिकारीगण मौके पर जाकर जांच कर गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करायें और यदि संज्ञान में आया कि निस्तारण की गुणवत्ता से शिकायतकर्ता संतुष्ट नही है या निस्तारण में लापरवाही बरती गयी है तो सम्बन्धित के विरूद्ध दण्डात्मक कार्यवाही सुनिश्चित की जाये। उन्होने भू.माफ्याओं को लेकर कहा कि अवैध कब्जा करने वालो पर कड़ी कार्यवाही की जाये और जमीनों को तत्काल कब्जा मुक्त कराया जाये, इसमें किसी प्रकार की शिथिलता बर्दाश्त नही की जाएगी।

सांसद रविकिशन की पत्नी को धमकी देने व करोड़ों की रंगदारी मांगने का मामला

मुंबई के अभियुक्तों की अग्रिम जमानत अर्जी पर सुनवाई 29 जुलाई को

विधि संवाददाता। लखनऊ

गोरखपुर के सांसद व फ़िल्म एक्टर रविकिशन शुक्ल को बलात्कार के झूठे मुक़दमे में फंसाने की धमकी देकर करोड़ों की रंगदारी मांगने व खुद को उनकी कथित पत्नी बताने वाली अपर्णा सोनी, बेटी शिनोवा व राजेश प्रेम नाथ सोनी की ओर से सत्र अदालत में अग्रिम जमानत अर्ज़ी दाखिल की गई है। ज़िला जज ने इस अर्ज़ी पर सुनवाई के लिए 29 जुलाई की तारीख़ तय की है।

बीते 16 अप्रैल को इस मामले की रिपोर्ट रविकिशन की पत्नी प्रीति शुक्ला ने हज़रतगंज थाने में दर्ज कराई थी। जिसके मुताबिक मुंबई की रहने वाली अपर्णा सोनी उर्फ़ अपर्णा ठाकुर ने उन्हें धमकी देते हुए कहा कि उसके संबंध अंडरवर्ल्ड माफिया से है। यदि उसकी बात नहीं मानी गई तो वह उसके पति रविकिशन को बलात्कार के झूठे मुक़दमे में फंसाकर गोरखपुर से 2024 का लोकसभा चुनाव लड़ रहे उसके पति की छवि को धूमिल कर देगी।

उसने जान से मारने की धमकी देते हुए 20 करोड़ रु की रंगदारी मांगी। यह भी आरोप है कि 15 अप्रैल को अपर्णा ने लखनऊ में प्रेस कॉन्फ्रेंस भी की और रविकिशन पर मनगढ़ंत आरोप लगाए।

आरएमएलएनएलयू में पीएचडी में दाखिले को लेकर प्रवेश परीक्षा 27 को

लखनऊ। डॉ. राम मनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय ने शैक्षणिक वर्ष 2024-25 के लिए पी.एच.डी. कार्यक्रम में प्रवेश के लिए पात्र उम्मीदवारों की सूची जारी कर दी है। लिखित परीक्षा 27 जुलाई को सुबह 11 बजे से दोपहर 12.30 बजे तक आयोजित की जाएगी। विवि के प्रवक्ता डॉ. शशांक शेखर के मुताबिक लिखित परीक्षा का परिणाम और साक्षात्कार के लिए पात्र उम्मीदवारों की सूची 30 जुलाई को जारी की जाएगी। साक्षात्कार 9 अगस्त को सुबह 11 बजे से आयोजित होगा। अंतिम मेरिट सूची 13 अगस्त को प्रकाशित की जाएगी। प्रवेश की तिथि 17 अगस्त होगी, और कक्षाओं का प्रारंभ 20 अगस्त से होगा। सीटों बारे में विस्तृत जानकारी के लिए अभ्यर्थी विवि की वेबसाइट देख सकते हैं।

बोल बम के जयकारों संग शिवभक्तों की बंटा प्रसाद

मोहनलालगंज। सावन माह के पहले सोमवार पर अमरनाथ सेवा दल की ओर से मोहनलालगंज बस अड्डे पर भोले शंकर की पूजा अर्चना के बाद विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। व्यापार मंडल अध्यक्ष अजय पांडेय और एसएचओ आलोक राव ने प्रसाद वितरण कर भंडारे का शुभारंभ किया। भोले शंकर के जयकारों के बीच शिव भक्तों को रस खस्ता सब्जी पूड़ी सब्जी छोला चावल कढ़ी चावल खीर हलवा और आइसक्रीम का प्रसाद वितरण किया गया। अमरनाथ सेवा दल के प्रमुख सेवादार शिवप्रकाश गुप्ता ने बताया प्रत्येक वर्ष बाबा अमरनाथ के दर्शन कर लौटने के बाद भंडारे का आयोजन किया जाता है। इस मौके पर अंबरीश श्रीवास्तव हिमांशु त्रिपाठी एडवोकेट वैभव द्विवेदी समेत अन्य सेवादार मौजूद रहे।

हत्याभियुक्त को आजीवन कारावास

विधि संवाददाता। लखनऊ

अवैध संबंध में बाधक बने विवाहिता के पति की हत्या करने के मामले में दोषी करार दिए गए अभियुक्त राम गोपाल को सत्र अदालत ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। एडीजे सोमप्रभा मिश्रा ने इस पर पांच हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है।एक जून 2010 को इस वारदात की रिपोर्ट मृतक छोटेलाल की पत्नी मधो देवी ने थाना तालकटोरा में दर्ज कराई थी। सरकारी वकील नवीन त्रिपाठी के मुताबिक मधो देवी अपने पहले पति को छोड़कर छोटेलाल के साथ पत्नी की तरह रहती थी। छोटेलाल मौरंग बालू की ढूलाई का काम करता था। इस बीच मधो का रामगोपाल से अवैध संबंध बन गया। छोटेलाल इसका विरोध करता था। 28 मई को मधो देवी अपने मायके चली गई। 29 की रात को राम गोपाल ने घर में घुसकर छोटेलाल की चाकू से हत्या कर दी। फिर बाहर से ताला लगाकर घर से चला गया। इस ताले की एक चाभी मधो देवी के पास भी थी। इसके बाद फोन से इस वारदात की जानकारी मधो को दी। एक जून को मधो आई और ताला खोलकर घर के अंदर गई। घर से बहुत दुर्गंध आ रही थी। देखा कि छोटेलाल की लाश पड़ी है। पुलिस को सूचना दी गई। इधर, हत्या का खुलासा होने के भय से दूसरे दिन मधो ने जहर खाकर आत्महत्या कर ली।

एलडीए में बनेगा आधुनिक रिकॉर्ड रूम फाइलों का कराया जाएगा डिजिटाइजेशन

एलडीए के उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने विभिन्न अनुभागों का औचक निरीक्षण कर व्यवस्था सुधारने के दिये निर्देश

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

एलडीए में सम्पत्ति व मानचित्र आदि से सम्बंधित फाइलों को कम्प्यूटर पर एक क्लिक से ट्रेस किया जा सकेगा। इसके लिए समस्त पत्रावलियों का डिजिटाइजेशन कराया जाएगा। साथ ही मूल पत्रावलियों को सुरक्षित और व्यवस्थित तरीके से रखने के लिए प्राधिकरण भवन में एक आधुनिक रिकॉर्ड रूम बनाया जाएगा। सोमवार को एलडीए के उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने अधिकारियों को फाइलों का डिजिटाइजेशन पर कार्ययोजना तैयार करके कार्यवाही सुनिश्चित कराने के निर्देश दिये हैं। उपाध्यक्ष ने मुख्य अभियंता कैम्प कार्यालयए वित्त एवं लेखाए अधिष्ठान, रजिस्ट्री सेल व सम्पत्ति अनुभाग का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान मुख्य अभियंता कार्यालय में कार्यरत कनिष्ठ लिपिक ज्योति सिंहए लेखा अनुभाग में तैनात डाटा इंट्री ऑपरेटर रजा अली खान, अधिष्ठान में कार्यरत प्रवर वर्ग सहायक एजाज खान एवं कनिष्ठ लिपिक रितेश श्रीवास्तव अपने पटल से गैर हाजिर मिले। इस पर उपाध्यक्ष ने नाराजगी व्यक्त करते हुए अनुपस्थित कर्मचारियों से लिखित स्पष्टीकरण तलब किया है। उन्होंने अधिकारियों व कर्मचारियों को हिदायत देते हुए कहा कि सभी निर्धारित समय पर कार्यालय पहुंच जाए, जिससे कि विभाग व जन सामान्य का कार्य बाधित न हो। इसमें लापरवाही पाये जाने पर सम्बंधित के खिलाफ अनुशासनिक कार्यवाही की जाएगी। निरीक्षण में पाया गया कि कुछ अनुभागों में अलमारियों पर कोई ब्योरा अंकित नहीं था, जिससे यह स्पष्ट नहीं हो पा रहा था कि अलमारी किस कर्मचारी को आवंटित है और उसमें कौन सी फाइलें रखी हैं। इस पर उपाध्यक्ष ने निर्देशित किया कि अब से सभी कर्मचारियों को अलमारी पर अपना नाम, पदनाम व मोबाइल नंबर अनिवार्य रूप से अंकित करना होगा। साथ ही अलमारी में कौन.कौन सी फाइलें रखी है, इसका इन्डेक्स बनाकर अलमारी पर चस्पा करना होगा।

रजिस्ट्री के आवेदनों का तुरंत करें निस्तारण

रजिस्ट्री सेल के निरीक्षण के दौरान उपाध्यक्ष ने टेबल पर रखी फाइलों का अवलोकन किया। उन्होंने कहा कि रजिस्ट्री के लिए आवेदन करने वाले किसी भी आवंटी के कार्य में विलम्ब नहीं होना चाहिए। उस प्रकरणों में शीर्ष प्राथमिकता के आधार पर कार्यवाही करते हुए समयबद्ध तरीके से निस्तारण कराया जाए। वहीं, निरीक्षण में कुछ स्थानों पर सफाई व्यवस्था संतोषजनक न मिलने पर उपाध्यक्ष ने तीन दिन के अंदर सफाई व्यवस्था दुरूस्त कराने का अल्टीमेटम दिया है।

तल परिवर्तन के आवेदनों के परीक्षण के लिए बनेगी कमेटी

हरदोई रोड स्थित बसन्तकुंज योजना के सेक्टर.आई में विस्थापित किये गये अकबर नगर प्रथम एवं द्वितीय के कई आवंटियों द्वारा तल व भवन परिवर्तन के सम्बंध में प्रार्थना पत्र दिया जा रहा है। इस पर उपाध्यक्ष ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिनके परिवार में दिव्यांग जन अथवा मरीज आदि हैं, उनका तल परिवर्तन करके उन्हें भू.तल पर भवन आवंटित किये जाएं। यह कार्यवाही पारदर्शी प्रक्रिया के तहत करायी जाए। इसके लिए सक्षम स्तर के अधिकारियों की एक टीम गठित की जाएए जो आवेदनों का शीघ्र परीक्षण करके नियमानुसार कार्यवाही सुनिश्चित कराएगी।

पेयजल की बेहतर व्यवस्था को लेकर पार्षदों का त्राहिमाम

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मेयर को 15 दिवस में जल निगम के एक्सीयन को देनी होगी रिपोर्ट

फैजुल्लागंज में बनेगा नया श्मशान घाट, मुख्य अभियंता को रिपोर्ट देने का निर्देश

शहर में पेयजल व्यवस्था पर नगर निगम के कार्यकारिणी में महापौर से पार्षदों द्वारा भीषण गर्मी में पेयजल के संकट पर कड़ी नाराजगी जताई गयी। जलकल की व्यवस्था को ठीक करने के लिए सभी एक्ससीएन को जल निगम के साथ बैठकर 15 दिवस में आख्या तैयार कर महापौर को रिपोर्ट देने पर सहमति मिली है। वहीं कार्यकारिणी में फैजुल्लागंज में नया श्मशान घाट पर सर्व सम्मिति से मुख्य अभियंता को रिपोर्ट तैयार कर अगली कार्यकारिणी की बैठक में रखने का निर्णय लिया गया है।

शहर में पेयजल की खस्ताहालत पर नगर निगम कार्यकारणी में पार्षदों ने हंगामा किया। महापौर सुषमा खर्कवाल के समक्ष पेयजल की खराब व्यवस्था पर अधिकतर पार्षदों ने जलकल के क्रिया कलापों पर प्रश्न उठाए। उन्होंने महापौर को जलकल के अधिकारियों और इंजीनियरों के विरुद्ध कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए पेयजल के संकट पर गंभीरता से विचार करने के लिए कहा गया है। सर्व सम्मति से कार्यकारिणी के सदस्यों ने जलकल की व्यवस्था को ठीक करने के लिए सभी एक्ससीएन को जल निगम के साथ बैठकर 15 दिवस में आख्या तैयार कर महापौर को रिपोर्ट देने पर सहमति दी है। वहीं ठाकुरगंज के जलकल विभाग के पिछले दो माह में क्या - क्या कार्य किये गए हैं, कितना भुगतान किया गया है, का रिपोर्ट तैयार कर अपर नगर आयुक्त ललित कुमार और मुख्य अभियंता महेश वर्मा को निर्देशित किया है। दूसरे अन्य महत्वपूर्ण प्रस्ताव में दौलतगंज वार्ड उत्तर विधान सभा क्षेत्र के तहत गुलालाघाट के सामने नदी उस पार वार्ड फैजुल्लागंज में नया श्मशान घाट का निर्माण कराने के लिए मुख्य अभियंता महेश वर्मा को रिपोर्ट तैयार करने के लिए कहा गया है। रिपोर्ट तैयार कर कार्यकारिणी की अगली बैठक में रखने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही डे एनयूएलएम के घटक शहरी बेघरों के लिए आश्रय योजना में लखनऊ में नये आश्रयग्रहों के निर्माण के लिए भूमि उपलब्ध कराने संबंध विभाग से आख्या मांगने के प्रस्ताव को हरी झंडी मिल गयी है। थाना बिजनौर के निर्माण के लिए पूर्व में आवंटित भूमि के मध्य हा ई टेंशन लाइन आ जाने के कारण उसके स्थान पर अन्य भूमि उपलब्ध कराने के संबंध में संपत्ति विभाग से रिपोर्ट मांगने के प्रस्ताव को सर्व सम्मिति से पारित कर दिया गय है।

उत्तर पुस्तिका में छोड़ी पहचान तो पेपर होगा रद्द

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

पॉलिटेक्निक की तर्ज पर अब डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय की परीक्षाओं में उत्तर-पुस्तिका पर अपनी पहचान दर्ज करने वाले छात्रों के पेपर अब रद्द माने जायेंगे। इसके लिए छात्रों को प्रवेश पत्र के साथ घोषणापत्र दिया जाएगा, छात्रों को इसे भर कर जमा करना होगा। जिसमें उनके द्वारा यह शपथ लिया जाएगा कि वह उत्तर पुस्तिका में किसी भी तरह की कोई निशान मोबाइल नंबर नाम आदि नहीं लिखेंगे। अगर वह ऐसा करते हैं तो उन्हें उसे परीक्षा में फेल कर दिया जाए।

एकेटीयू परीक्षा नियंत्रक प्रो राजीव कुमार ने बताया कि सेमेस्टर परीक्षाओं में छात्रों उत्तर पुस्तिकाओं में कोई भी पहचान संबंधी जानकारी अथवा निशान नहीं बना सकेंगे। छात्रों उत्तर पुस्तिका में फोन नंबर अथवा कोई चिन्ह नहीं बनाएंगे। इसके लिए विश्वविद्यालय प्रशासन स्टूडेंट्स को प्रवेश पत्र के साथ घोषणा पत्र भी जारी करेगा। छात्र इसे भरकर विश्वविद्यालय में जमा करेंगे। इसके साथ ही प्रश्नपत्र पर भी उत्तर पुस्तिका में पहचान संबंधी कुछ भी न लिखने की सूचना अलग से प्रिंट की जाएगी। प्रो राजीव कुमार ने बताया कि इसके बावजूद उत्तर पुस्तिका पर कुछ भी लिखा मिला तो छात्रों का संबंधित पेपर रद्द होगा और नकल नियम के अनुसार कार्रवाई की जाएगी।

नई शिक्षा नीति के चार वर्ष पूरे होने पर प्रदेश में शिक्षा सप्ताह का आयोजन

लखनऊ। खेलों के माध्यम से बच्चों में सीखने की संस्कृति को विकसित करने के लिए योगी सरकार ने अनूठी पहल की है। नई शिक्षा नीति 2020 के चार वर्ष पूरे होने को देखते हुए प्रदेश में मनाये जा रहे शिक्षा सप्ताह%के माध्यम से प्रदेश भर के परिषदीय स्कूलों के बच्चों के भविष्य को निखारने की कोशिश की जा रही है। 22 से 28 जुलाई तक चलने वाले शिक्षा सप्ताह के पहले दिन बच्चों को जहां लूडो का एक अलग संस्करण तैयार करने का सबक मिला तो वहीं, उन्हें स्थानीय सामग्रियों से खिलौने बनाने के गुर भी सिखाये गये। कपड़ों और कचरे की सामग्रियों से कठपुतलियां तैयार करने का हुनर भी उन्हें सिखाया गया। बता दें कि 28 जुलाई तक चलने वाले इस शिक्षा सप्ताह कार्यक्रम से प्राथमिक, उच्च प्राथमिक एवं कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालयों के बच्चों का भविष्य संवारा जा रहा है। प्रत्येक दिन, एक विशिष्ट विषय की गतिविधि को शामिल कर बच्चों की तार्किक क्षमता में विकास करना इसका प्रमुख उद्देश्य है।

कमिश्नर की फटकार, बेअसर पैमाइश और मेड़बंदी के लिए दौड़ा रहे जिम्मेदार

सम्पूर्ण समाधान दिवस

शिकायतों को लेकर सिटी मजिस्ट्रेट सिद्धार्थ ने मातहतों को दी कार्रवाई की चेतावनी

संवाददाता। मोहनलालगंज

राजस्व कर्मियों पर कमिश्नर डॉक्टर रोशन जैकब की फटकार भी बेअसर है। हदबरारी और बंटवारे के मामलों में किसान अभी भी पैमाइस और मेडबंदी के लिए तहसील के चक्कर काट रहे हैं। लेकिन उन्हें न्याय के बजाए तारीख पर तारीख दी जा रही है। सोमवार को ऐसी कई शिकायतें सामने आने के बाद एसडीएम और सिटी मजिस्ट्रेट ने मातहतों को लापरवाही पर कार्रवाई की चेतावनी दी है। ऐशबाग की रहने वाली नीलम सिंह की मोहनलालगंज के उत्तरगांव में कुछ जमीन है। जिसकी हदबरारी के लिए 22 जनवरी 2022 को एसडीएम ने आदेश किया था। लेकिन नीलम का आरोप है कि कई बार शिकायत के बावजूद तहसील अधिकारी उनकी जमीन की पैमाइस और मेडबंदी नही करा सके हैं। नीलम ने सोमवार को फिर से संपूर्ण समाधान दिवस पहुंचकर फरियाद सुनाई। जिस पर एसडीएम बृजेश कुमार वर्मा ने तहसीलदार को आदेश का अनुपालन कराने के निर्देश दिए हैं। एलडीए कॉलोनी निवासी बबलू प्रसाद की मोहनलालगंज के दयालपुर में दो हेक्टेअर भूमि है। जिसके बंटवारे के लिए 31 फरवरी 2020 को एसडीएम कोर्ट से आदेश भी हो चुका है। लेकिन रामरती का आरोप है कि तहसील में कई शिकायत के बावजूद उनकी जमीन की मेडबंदी नही कराई जा सकी है। जिसे लेकर सिटी मजिस्ट्रेट सिद्धार्थ ने राजस्व कर्मियों को फटकार लगाकर तहसीलदार को आदेश का अनुपालन कराने के निर्देश दिए। हरिशंकर ने भी एसडीएम कोर्ट से 6 जून 2018 को हुए बंटवारा आदेश का अब तक अनुपालन नहीं कराने की शिकायत दर्ज कराई। डांडा सिकंदरपुर निवासी यशकरन सिंह ने हदबरारी के लिए प्रार्थना पत्र देने के बावजूद जमीन की पैमाइस नही किए जाने की शिकायत दर्ज कराई। देवामऊ के विशेशर ने पतौना स्थित जमीन की हदबरारी के बावजूद कब्जा नहीं मिलने की शिकायत दर्ज कराई। जिस पर सिटी मजिस्ट्रेट ने पुलिस को कार्रवाई के निर्देश दिए।

समस्याओं का निदान न होने पर दिव्यांगों ने किया धरना प्रदर्शन

मोहनलालगंज। आवास राशनकार्ड शौचालय और आयुष्मान कार्ड समेत अन्य योजनाओं का लाभ नहीं मिलने से नाराज दर्जनों दिव्यांगों ने सोमवार को दिव्यांग विकास सोसायटी के बैनर तले मोहनलालगंज ब्लॉक कार्यालय पर एक दिवसीय धरना प्रदर्शन किया। अधिकारियों की बेरुखी से नाराज दिव्यांग पैदल ही डीएम कार्यालय के लिए कूच कर गए। एसएचओ आलोक राव की अगुवाई में पुलिस फोर्स ने दिव्यांगो को समझाबुझाकर कर शांत कराया। फिर ब्लॉक में बीडीओ आशुतोष श्रीवास्तव ने दिव्यांगो का ज्ञापन लेकर उनकी समस्याएं सुनकर पात्रता के आधार पर दिव्यांगों को योजनाओं का लाभ दिलाने का भरोसा दिया। दिव्यांग विकास सोसायटी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अजीत कुमार और राष्ट्रीय महासचिव अनिल कनौजिया ने दिव्यांगो की समस्याओं का शीघ्र निराकरण न होने पर आंदोलन की चेतावनी दी है।

मुख्यमंत्री योगी ने किए बाबा विश्वनाथ के दर्शन

● षोडशोपचार पूजन कर की लोककल्याण की कामना, काशी विश्वनाथ धाम अन्न सेवा वैन को भी किया रवाना

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/ वाराणसी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने श्रावण मास के पहले ही दिन वाराणसी पहुंचे। सीएम व गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में आदियोगी के दर्शन किए। बाबा के गर्भगृह में जाकर षोडशोपचार पूजन कर लोककल्याण की कामना की। इसके पूर्व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने काशी विश्वनाथ मंदिर प्रांगण से श्री काशी विश्वनाथ धाम अन्न सेवा वैन को भी रवाना किया। मंदिर के भोजनालय में बने भोजन को यह पांच वैन हॉस्पिटलों और संस्कृत विद्यालयों में पहुंचाएगी। सीएम योगी आदित्यनाथ ने इसके पूर्व काशी के कोतवाल बाबा कालभैरव की भी विधि विधान से पूजा कर आशीर्वाद लिया। लोकसभा चुनाव के उपरांत मुख्यमंत्री पहली बार काशी पहुंचे और दर्शन-पूजन किया। दर्शन-पूजन के दौरान प्रदेश सरकार के मंत्री दयाशंकर सिंह, दयाशंकर मिश्र 'दयालु, रवींद्र जायसवाल, विधान परिषद सदस्य हंसराज विश्वकर्मा आदि मौजूद रहे।

बाबा विश्वनाथ मंदिर पहुंचने पर जलाभिषेक करने आए भक्तों का मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अभिवादन किया। वहीं सीएम को देखकर बाबा के भक्तों ने भी हर-हर महादेव का जयकारा लगाया। सोमवार को एक दिवसीय वाराणसी दौरे पर पहुंचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंदिर प्रशासन, जिला व पुलिस प्रशासन के अधिकारियों को निर्देश दिया कि पूरे श्रावण मास में यहां आने वाले श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। भक्तों की हर सुविधा का ध्यान रखा जाए।

जल संरक्षण बहुत जरूरीः स्वतंत्र देव सिंह

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने कहा कि भूजल के संरक्षण के लिए आम जनमानस में जागरूकता बढ़ाने की ज़रूरत है। जल, हमारी पृथ्वी का जीवन रक्त है, जो जीवन को बनाए रखता है। भूजल एक प्राकृतिक संसाधन है जो हमारी ज़रूरतों को पूरा करता है। अत्यधिक दोहन के कारण यह प्राकृतिक संसाधन संकटग्रस्त स्थिति में पहुँच गया है। यह हमारे लिए लगभग उतना ही ज़रूरी है जितना ऑक्सीजन। उन्होंने कहा कि आज यह आवश्यक हो गया है कि हम जल संरक्षण को त्वरित गति प्रदान करें एवं इसे सर्वोच्च प्राथमिकता दें। जल का संरक्षण बहुत ज़रूरी है, जल संचयन को एक जनआंदोलन का रूप देना होगा। उत्तर प्रदेश के जलशक्ति मंत्री श्री स्वतंत्र देव सिंह ने यह विचार आज यहाँ भूगर्भ जल निदेशालय के सभागार में आयोजित भूगर्भ जल सप्ताह के समापन समारोह के अवसर पर व्यक्त किया। जलशक्ति मंत्री ने इसके उपरांत भूगर्भ निदेशालय के परिसर तथा वाल्मी (उत्तर प्रदेश जल एवं भूमि प्रबंधन संस्थान) में वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया। उल्लेखनीय है कि प्रदेश में आम जनमानस को भूजल के महत्व एवं भूजल संरक्षण के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से गत वर्षों की भांति इस वर्ष भी 16 जुलाई से 22 जुलाई के मध्य 'भूजल सप्ताह' का आयोजन किया गया। इस दौरान विभिन्न प्रकार की गतिविधियों जैसे कि 'जल कोष यात्रा', जनसभाएं, प्रभात फेरी, विद्यालयों में जल संरक्षण विषय पर आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं एवं लघु गोष्ठी, इत्यादि के माध्यम से प्रदेश में आम जनमानस में भूजल के महत्व के प्रति व्यापक जागरूकता सृजित करने का अभिनव प्रयास किया गया है।

जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने इस अवसर पर कहा कि प्रदेश सरकार भूजल प्रबन्धन एवं संरक्षण हेतु प्रतिबद्ध है एवं इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए प्रदेश की स्थानीय आवश्यकताओं और भूगर्भ जल परिस्थितियों के अनुरूप उत्तर प्रदेश भूगर्भ जल (प्रबन्धन एवं विनियमन) अधिनियम-2019 लागू किया गया है। जल संचयन एवं सम्वर्द्धन की दिशा में प्रयास करते हुए विभिन्न शासकीय योजनाओं के अन्तर्गत भूजल रिचार्जिंग के कार्य निरन्तर कराए जा रहे हैं। इसके साथ ही प्रदेश के शासकीय, अर्द्धशासकीय भवनों तथा स्कूल-कालेजों के भवनों पर रूफटाप रेन वाटर हार्वेस्टिंग प्रणाली की अनिवार्य रूप से स्थापना को अधिनियम के प्राविधानों में सम्मिलित किया गया है।

जन समस्याओं का त्वरित गति से किया जाए निदानः केशव प्रसाद मौर्य

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने जनता दर्शन में आये फरियादियों को विश्वास दिलाते हुए कहा कि हर व्यक्ति को हर समस्या का हर सम्भव निदान किया जायेगा। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने सोमवार को अपने कैम्प कार्यालय-7 कालीदास मार्ग पर विभिन्न जनपदों से आये लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं के त्वरित निस्तारण का आश्वासन दिया। उन्होने जनसुनवाई के दौरान एक-एक व्यक्ति की समस्या को पूरी गम्भीरता से सुना तथा समस्याओं के निराकरण हेतु सम्बंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने सम्बंधित अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए हैं कि समस्याओं का निराकरण इस प्रकार किया जाय कि समस्याग्रस्त व्यक्ति पूरी तरह से संतुष्ट रहें और उन्हें दुबारा कहीं भटकना न पड़े और बार-बार चक्कर न लगाने पड़ें। उन्होंने महिलाओं, दिव्यांगजनो, बुजुर्गों की समस्याओं व शिकायतों को सुना और उन्हें प्राथमिकता के आधार पर संबंधित अधिकारियों को त्वरित गति से निदान करने हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिए। जनता दर्शन में भूमि विवाद, दुर्घटनाओं से संबंधित, अवैध कब्जे, शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास आवंटन, भूमि पट्टा, कब्जा दिलाने, अतिक्रमण हटाने, सड़क बनवाने, विद्युत, अभियुक्तों की गिरफ्तारी कराने, उत्पीड़न आदि से संबंधित विभिन्न समस्याएं प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए लोगों ने रखी। उप मुख्यमंत्री फरियादियों के पास खुद चलकर गये और एक एक व्यक्ति की समस्या को उनसे सीधे रू-ब-रू होकर सुना।

जनता दर्शन में सम्भल, कुशीनगर, लखीमपुर खीरी, उन्नाव, पीलीभीत, हाथरस, अलीगढ़, फतेहपुर, प्रतापगढ़, मैनपुरी, कन्नौज, प्रयागराज, हरदोई, आगरा, लखनऊ, देवरिया, बलरामपुर, जौनपुर रायबरेली, कासगंज, बिजनौर, शाहजहांपुर, कानपुर देहात, ललितपुर, इटावा, सीतापुर लगभग 3 दर्जन ज़िलों से कई सैकड़ा लोगों ने आकर अपनी समस्याएं रखी। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने समस्याओं के निस्तारण के बावत सम्भल, लखीमपुर व बदायुं के जिला अधिकारी, कुशीनगर के पुलिस अधीक्षक व शासन के उच्चाधिकारियों से दूरभाष पर वार्ता करते हुए यथोचित दिशा निर्देश दिए।

लखपति दीदी के लक्ष्यों की ओर अग्रसर यूपी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन की मिशन निदेशक दीपा रंजन ने बताया कि उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के कुशल मार्गदर्शन में राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत गठित स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से महिलाओं को स्वावलंबी व आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में सरकार लगातार प्रयास कर रही है और इस दिशा में सरकार द्वारा अनेकानेक महत्वाकांक्षी योजनाओ का संचालन किया जा रहा है, स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं की आमदनी कम से कम एक लाख व इससे अधिक करने की दिशा में लखपति महिला योजना का संचालन राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन द्वारा किया जा रहा है।

राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन की मिशन निदेशक दीपा रंजन ने बताया कि उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन ने गत वर्ष में स्वयं सहायता समूह में जुडी 75 लाख स्वयं सहायता समूह की सदस्यों को ग्रामीण विकास मंत्रालय के लखपति दीदी एप पर आय के स्त्रोतों के सर्वे का कार्य 100 प्रतिशत पूर्ण किया गया। इस सर्वे कार्य में पूरे देश में उत्तर प्रदेश अग्रणी रहा। महिलाओं की आय वृद्धि उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन द्वारा बैंक ऋण, प्रशिक्षण, कौशल विकास एवं आजीविका सम्बंधित मूल्य वृद्धि इत्यादि द्वारा करवाया गया है। उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के द्वारा विभिन्न गतिविधियों जैसेरू- कृषि आजीविका, गैर कृषि आजीविका, टेक होम राशन प्लांट, बैंक सखी, विद्युत सखी आजीविका सखी, बकरी पालन, मुर्गी पालन, महिलाओं की मूल्य वृद्धि श्रृंखला (वैल्यू चेन डेवलपमेंट) की कंपनियों ,जिनमें दुग्ध विकास से सम्बन्धित बलिनी मिल्क प्रोड्यूसर क., महिलाओं की हस्तशिल्प कंपनियों, एवं महात्मा गाँधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम, पंचायती राज, उद्यान विभाग, कृषि विभाग के साथ अभिसरण के माध्यम से कार्य करते को आजीविका के अवसर एवं स्त्रोत उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

सपा अम्बेडकर वाहिनी के पदाधिकारियों की बैठक आयोजित

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

समाजवादी बाबा साहेब अम्बेडकर वाहिनी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मिठाई लाल भारती के नेतृत्व में सोमवार को लखनऊ में अम्बेडकर वाहिनी के प्रमुख पदाधिकारियों की बैठक की गई। जिसमें आगामी विधानसभा के उपचुनाव को लेकर निर्णय लिया गया कि उपचुनाव में सपा उम्मीदवार को बाबा साहब अम्बेडकर वाहिनी के समस्त पदाधिकारी व कार्यकर्ता मिलकर तन-मन-धन से विजयी बनाने का काम करेंगे।

भारती ने कहा कि लोकसभा चुनावो में जिस तरह से पूरे देश में पीडीए के लोगों ने संविधान बचाने के लिए एकजुट होकर भाजपा को सबक सिखाया और समाजवादी पार्टी को यूपी में लोक सभा की 37 सीटे देकर अखिलेश यादव के हाथों को मजबूत किया।

बाबा साहब अम्बेडकर वाहिनी के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने उपचुनाव को लेकर पोलिंग स्तर पर तैयारियां शुरू कर दी है। वाहिनी के कार्यकर्ता पीडीए महापंचायत के माध्यम से गांव-गांव जाकर जनता को जागरूक करेंगे और अम्बेडकर विचारधारा व समाजवादी विचारधारा के लोगों को एकजुट करेंगे। भारती ने कहा कि आने वाला समय अम्बेडकरवादियों और समाजवादियों का होगा।

सपा प्रतिनिधि मण्डल आज जाएगा गोण्डा

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव जी के निर्देशानुसार समाजवादी पार्टी का प्रतिनिधि मण्डल 23 जुलाई मंगलवार को जनपद गोण्डा जायेगा। जनपद गोण्डा के विधान सभा क्षेत्र करनैलगंज के नगर पंचायत परसपुर के समाजवादी पार्टी के सभासद पद के प्रत्याशी ओम प्रकाश सिंह की हत्या भाजपा के लोगों द्वारा दिन दहाड़े घर में घुसकर नृशंसता पूर्वक कर दी गई। जिसकी जांच तथा शोकाकुल परिवार से मिलने हेतु प्रतिनिधि मण्डल ग्राम परसपुर गोण्डा पहुंचेगा। रिपोर्ट प्रदेश कार्यालय में प्रस्तुत करेंगे। प्रतिनिधि मण्डल के सदस्यगण हैं योगेश प्रताप सिंह पूर्व मंत्री, भगतराम मिश्रा पूर्व लोकसभा प्रत्याशी कैसरगंज, संजय विद्यार्थी सविता सदस्य राष्ट्रीय कार्यकारिणी समाजवादी पार्टी, बैजनाथ दुबे पूर्व विधायक, सूरज सिंह पूर्व विधान सभा प्रत्याशी एवं महफूज खां पूर्व एमएलसी एवं अरशद हुसैन जिलाध्यक्ष समाजवादी पार्टी गोण्डा।

बैंक से करोड़ों का लोन लेकर धोखाधड़ी करने वाले तीन शातिर गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

एसटीएफ ने संगठित गिरोह बनाकर कूटरचित दस्तावेजों जैसे आधार कार्ड, पेन कार्ड एवं प्रापर्टी के कागजात तैयार करके, विभिन्न बैंकों से करोड़ों का लोन लेकर धोखाधड़ी करने वाले गैंग का पर्दाफाश किया है। एसटीएफ ने आगरा के सिकन्दराबाग थाना क्षेत्र से गिरोह के तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए अभियुक्तों में अभिषेक शर्मा निवासी 35 माधव एन्क्लेव कालोनी, करकेटा, आगरा, शुभम तिवारी निवासी 21/183 कृष्णा कालोनी, जीवनी मंडी, आगरा और आुण पाराशर निवासी 45/34 एफ नगला अजीता, सेक्टर-8,जनपद आगरा शामिल हैं। गिरफ्तार अभियुक्त अरुण पाराशर ने पूछताछ पर बताया कि उसकी उम्र लगभग 35 साल है और उसने एमबीए किया है। बताया कि वह वर्ष 2005 से 2014 के बीच पर्सनल लोन कराने वाली विभिन्न कम्पनियों एवं लाइफ इन्श्योरेन्स कराने वाली कम्पनी जैसे, सनलाइट एसोसिएट आगरा, आईआईएचसी कम्पनी, भारतीय एक्सा जीवन बीमा कम्पनी तथा बिरला सनलाइट कम्पनी में काम कर चुका है। अभियुक्त अरुण पाराशर ने बताया कि वह वर्ष 2014 से होम लोन, प्रोपर्टी लोन, बैंक लोन आदि कराने के लिए एजेन्ट के तौर पर काम करने लगा था। अभियुक्त अरुण पाराशर ने बताया कि लॉकडाउन के बाद संजय पैलेस, आगरा में संदीप नाम का व्यक्ति, (जिसको वह पूर्व से जानता था) जो आगरा में फोटोशॉप का काम करता था। संदीप ने ही उसको आईसीआईसीआई बैंक आगरा के टीम लीडर से मिलवाया था, जिनके साथ मिलकर कूटरचित दस्तावेजों के आधार पर होम लोन, प्रापर्टी के कागजात बनाकर प्रापर्टी लोन का काम किया था और इसी दौरान वह एसटीएफ0 यूनिट आगरा द्वारा पकड़ा गया था और हरिपर्वत थाने से जेल गया था। जेल से छूटने के बाद अभियुक्त अरुण पाराशर पुनः अपने सहयोगी शुभम तिवारी एवं अभिशेक शर्मा (जिनको वह पहले से जानता था) के साथ मिलकर कुटरचित दस्तावेजों के आधार पर प्रापर्टी लोन कराने के काम में संलिप्त हो गया। इस बीच अभियुक्त अरुण पाराशर का सम्पर्क मुनीर आलम, जो जनपद सहारनपुर के आईसीआईसीआई ब्रॉच का टीम लीडर था, से हो गया था फिर मुनीर आलम को भी अभियुक्त अरुण पाराशर ने इस काम के लिए राजी कर लिया था।

सपा व इंडिया गठबंधन के प्रत्याशियों को जिताने में विश्वकर्मा समाज का बड़ा योगदानः रामआसरे

लखनऊ। अखिल भारतीय विश्वकर्मा शिल्पकार महासभा के प्रतिनिधि सम्मेलन में सपा प्रमुख एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव की ओर से विश्वकर्मा समाज को बधाई देते हुए समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव एवं पूर्वमंत्री राम आसरे विश्वकर्मा ने कहा कि पीडीए के माध्यम से प्रदेश के पिछड़ों दलितों मुस्लिम को एकजुट करके जहां लोकसभा की 37 सीटों को जीतने का काम किया वहीं अखिलेश यादव के अथक प्रयासों से केन्द्र की भाजपा सरकार को कमजोर करके देश का संविधान व आरक्षण बचाने का काम किया है। लोकसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी और इंडिया गठबंधन के प्रत्याशियों को समर्थन देकर भारी संख्या में सांसदों को जिताने में विश्वकर्मा समाज का भी बड़ा योगदान रहा है। प्रदेश अध्यक्ष अच्छेलाल विश्वकर्मा ने दारूलसफा के कामन हाल में सम्मेलन की अध्यक्षता करते हुए कहा कि अखिल भारतीय विश्वकर्मा शिल्पकार महासभा केवल विश्वकर्मा समाज का संगठन नहीं है, बल्कि देश के अति पिछड़ी जातियों में लोहार, बढ़ई, सोनार, शिल्पकार, मूर्तिकार, सैफी, रामगढिया, कुम्हार, नाई, कहार, साहू, तेली, चौरसिया, दर्जी, माली आदि को संगठन में भागीदारी देकर मजबूत बनाना है।

शौकत अली उर्दू अकादमी के सचिव नामित

लखनऊ। प्रदेश सरकार ने शौकत अली, अनुभाग अधिकारी (उर्दू) अनुभाग-2 को अग्रिम आदेशों तक उत्तर प्रदेश उर्दू अकादमी, लखनऊ में सचिव के पद का कार्यभार अतिरिक्त रूप से देखने हेतु अग्रिम आदेशों तक के लिए नामित किया है। शौकत अली अपने मूल पद के दायित्वों का निर्वहन यथावत करते रहेंगे तथा इन्हे उर्दू अकादमी के पूर्व सचिवों की भाँति समस्त सुविधाएं अनुमन्य होगी। इस संबंध में भाषा विभाग के अपर प्रमुख सचिव द्वारा आवश्यक आदेश जारी कर दिए गए हैं।

सर्व सेवा संघ परिसर को गैर कानूनी तरीके से गिराने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होः अजय राय

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने कहा है कि सर्व सेवा संघ, गांधी विचार का एक राष्ट्रीय शीर्ष संगठन है, जिसकी स्थापना मार्च 1948 में भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद की अध्यक्षता में सेवाग्राम (महाराष्ट्र) में सम्पन्न हुए एक सम्मेलन में हुई थी। सर्व सेवा संघ का एक केन्द्र राजघाट वाराणसी में है, जिसकी स्थापना भूदान आंदोलन के प्रणेता व आध्यात्मिक व्यक्तित्व के धनी संत विनोबा भावे की प्रेरणा से 1960 में हुई थी। इसी परिसर में लोक नारायण जयप्रकाश नारायण के प्रयास से विश्व स्तरीय शोध केन्द्र 'गांधी विद्या संस्थान' की भी स्थापना हुई थी।

राय ने कहा कि जिसे कुछ षड़यंत्र रचने वालों द्वारा झूठ प्रचारित किया कि सर्व सेवा संघ, वाराणसी का रेलवे की जमीन पर कब्जा है, जबकि सच्चाई यह है कि उत्तर रेलवे से वर्ष 1960, 1961 एवं 1970 में तीन बैनामों के जरिये स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, वाराणसी में ट्रेजरी चालान के माध्यम से रकम जमा कर 12.89 एकड़ जमीन सर्व सेवा संघ द्वारा खरीदी गयी थी, जिसके दस्तावेज सर्व सेवा संघ के पास मौजूद है।

राय ने कहा कि वाराणसी जिला एवं रेल प्रशासन के कुछ अधिकारियों ने एक सुनियोजित षड़यंत्र के तहत बिना किसी अदालती आदेश के अनाधिकृत व अवैध रूप से 22 जुलाई, 2023 को भारी पुलिस बल की ताकत के बल पर परिसर में वर्षों से रह रहे गांधीजनों व कार्यकर्ताओं को जबरदस्ती घरों से निकाल दिया गया और परिसर पर कब्जा कर लिया गया। तत्कालीन जिलाधिकारी द्वारा सर्व सेवा संघ की क्रयशुदा जमीन के एक हिस्से पर कब्जा कर गुजरात की एक निर्माण कम्पनी को वर्कशाप के लिए सौंप दिया गया। फिर 12 अगस्त, 2023 को परिसर में स्थित भवनों को बर्बरतापूर्वक बुलडोजर चलाकर ध्वस्त कर दिया गया।

नेमप्लेट लगाने के आदेश पर सुप्रीम कोर्ट के स्टे का अल्पसंख्यक कांग्रेस ने किया स्वागत

लखनऊ। उत्तर प्रदेश अल्पसंख्यक कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष शाहनवाज आलम ने योगी सरकार द्वारा व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के मालिकों के धार्मिक पहचान वाले नेमप्लेट लगाने के आदेश पर सुप्रीम कोर्ट द्वारा स्टे लगा दिए जाने का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि इस सुप्रीम बेइज्जती के बाद सीएम योगी को पद से इस्तीफा दे देना चाहिए। आलम ने कहा कि देश के संविधान का आर्टिकल 19 (1) (जी) हर किसी को अपनी इच्छा से अपना व्यापार करने का अधिकार देता है और जिसमें अपनी इच्छा से ही अपने प्रतिष्ठान का नाम रखने का अधिकार भी निहित है। वहीं संविधान का आर्टिकल 15 धर्म, जाति और नस्ल के आधार पर भेदभाव को निषिद्ध करता है. इसके बावजूद भी उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा कांवड़ यात्रा के दौरान दुकानदारों, ढाबा मालिकों और ठेले वालों से अपने धार्मिक पहचान को उजागर करने के लिए अपने नामों की तख्ती लगाने का आदेश जारी करना संविधान विरोधी कृत्य था जिस पर सुप्रीम कोर्ट ने स्टे लगा दिया।

आरएसएस की गतिविधियों में शामिल होने पर लगा प्रतिबंध हटाना गैर संवैधानिकः कांग्रेस

लखनऊ। प्रदेश कांग्रेस ने कहा है कि केंद्र सरकार द्वारा सरकारी कर्मचारियों को आरएसएस की गतिविधियों में शामिल होने पर लगा प्रतिबन्ध हटाने का लिया गया निर्णय गैर-संवैधानिक है। इससे सरकारी कर्मचारियों में सत्ता के साथ नजदीकी बनाने की होड़ बढ़ेगी। संस्थाओं का संघीकरण यानी संवैधानिक मूल्यों से परहेज करने की होड़ बढ़ेगी। पिछड़े दलित आदिवासी और अल्पसंख्यक समाज के समता समानता और अवसर की उपलब्धता प्रभावित होगी- प्रशासन से न्याय के भरोसे में गिरावट आएगी। कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा कि केंद्र सरकार ने 1966, 1970 और 1980 में तत्कालीन सरकारों ने सरकारी कर्मचारियों के आरएसएस की गतिविधियों में हिस्सा लेने पर प्रतिबंध लगाया था।

पेड़ लगाओ, पेड़ बचाओ जनअभियान-2024

गंगा तीरे 5096.42 हेक्टेयर में 77.51 लाख पौधे रोपित कराएगी राज्य सरकार

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

● यमुना-हिंडन व अन्य नदियों के किनारे भी पौधे लगाने व संरक्षण पर जोर

योगी सरकार की मंशानुरूप 30 सितंबर तक चलने वाले 'पेड़ लगाओ, पेड़ बचाओ जनअभियान-2024' के तहत यूपी की नदियों के किनारे पवित्र धारा पौधरोपण किया जाएगा। इसमें गंगा, यमुना, हिंडन समेत कई प्रमुख नदियों के किनारे पौधरोपण होगा। मां गंगा तीरे 5096.42 हेक्टेयर में 77.51 लाख पौधरोपण होगा तो यमुना किनारे 534 स्थल चिह्नित किए गए हैं, जहां पौधरोपण कराए जाएंगे। नदियों के किनारे कुल 2556 स्थल चिह्नित किए गए हैं, इनके किनारे 25061.84 हेक्टेयर में तीन करोड़ 72 लाख, 66 हजार पौधरोपण होगा। इसके उपरांत संरक्षण के लिए योगी सरकार इसके संरक्षण के लिए नोडल अफसर भी नामित किए गए हैं। सीएम योगी के निर्देश पर नदियों के किनारे पवित्र धारा पौधरोपण होंगे। इसमें गंगा नदी के किनारे 676 स्थल चिह्नित किए गए हैं। गंगा किनारे 5096.42 हेक्टेयर में पौधे लगाए जाएंगे। वहीं इसके किनारे लगाने वाले पौधों की संख्या 77.51 लाख रहेगी। गंगा किनारे के वन प्रभागों प्रयागराज, प्रतापगढ़, कौशांबी, फतेहपुर, वाराणसी, गाजीपुर, मीरजापुर, भदोही, काशी वन्यजीव व बलिया में राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन द्वारा वित्त पोषित किसानों के खेतों में औषधीय पौधों की खेती के लिए प्रोत्साहन योजना भी संचालित है। इस योजना में 17 विभागीय पौधशालाओं व 50 कृषक पौधशालाओं की स्थापना कराते हुए 2500 हेक्टेयर क्षेत्रफल किसानों की निजी भूमि पर औषधीय व सगंध प्रजाति के पौधों की खेती भी प्रस्तावित है। सीएम योगी ने महाभियान के नोडल (वन विभाग) को निर्देश दिया कि यमुना, हिंडन समेत अन्य नदियों के किनारे भी हरियाली को विकसित किया जाए। इस पर वन विभाग ने यमुना किनारे 534 स्थलों को चिह्नित किया है। इनके 6581.32 हेक्टेयर क्षेत्रफल में 98.47 लाख पौधे लगाए जाएंगे। हिंडन नदी के किनारे 54 स्थान चिह्नित किए गए हैं। इनके 270.13 हेक्टेयर में 4.14 लाख पौधरोपण किए जाएंगे। वहीं अन्य नदियों के किनारे भी पवित्र धारा पौधरोपण के तहत 1392 स्थलों पर 13113.97 हेक्टेयर में 192.54 लाख पौधे लगाकर यूपी की हरियाली में वृद्धि का प्रयास निरंतर होगा।

बच्चों विकास को नकारात्मक तरीके से प्रभावित करता है कुपोषण

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कुपोषण बच्चों की वृद्धि एवं विकास को नकारात्मक तरीके से प्रभावित करता है। यह गंभीर मामलों में बाल उपेक्षा और दुर्व्यवहार का रूप भी धारण कर सकता है। आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को छोटी-छोटी ट्रेनिंग के माध्यम से सभी आयु वर्ग के लाभार्थियों के पोषण एवं स्वास्थ्य का स्तर बनाये रखने मे सहायता प्राप्त की जा सकती है। धात्री महिलाओं की निरन्तर निगरानी करने पर बच्चों का नाटापन, दुबलापन एवं सैम बच्चों को जन्म से ही रोका जा सकेगा। ये विचार महिला कल्याण एवं बाल विकास पुष्टहार मंत्री, बेबी रानी मौर्य ने सोमवार को एक निजी होटल में संभव अभियान, पोषण संवर्धन की ओर एक कदम जून से सितम्बर- 2024 राज्य स्तरीय एक दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यशाला में व्यक्त किये।

मौर्या ने कहा कि कहा कि प्रदेश सरकार की मंशानुसार बाल विकास पुष्टाहार विभाग द्वारा अने जनहितकारी योजनाएँ चलाई जा रही हैं। यह हमारा कर्तव्य है कि हम जमीनी स्तर पर जाकर देखें कि जरूरतमंदों को इसका लाभ मिल भी रहा है अथवा नहीं। आंगनबाड़ी कार्यकत्रियाँ गर्भवती महिलाओं को जन्म लेने वाले शिशु के उत्तम स्वास्थ्य के लिए उचित खान-पान, समय से स्वास्थ्य जाँच एवं दवाइयों के सेवन हेतु प्रोत्साहित करें। आंगनबाड़ी केन्द्रों पर अवस्थापना संबंधी सुविधाओं के निर्माण में सहायता के लिए यूनिसेफ के सहयोग से तकनीकी मार्गदर्शिका तैयार की गयी है, जो आंगनबाड़ी सेवा से सम्बन्धित समस्त हित धारकों के लिए उपयोगी हैं। उन्होंने कहा कि विभागीय अधिकारी पूर्ण मनोयोग से बच्चों व धात्रियों की देखभाल, उनके पोषण से जुडी समस्याओं का समाधान व व्यवहार परिवर्तन द्वारा उनकी शारीरिक क्षमताओं व पोषण स्तर में सुधार लाने का हर संभव प्रयास करें। बच्चे हमारे देश की धरोहर हैं और स्वस्थ माँ के गर्भ में ही स्वस्थ शिशु पलता है। हम सबका दायित्व है कि कुपोषण के कुचक्र पर प्रहार कर अपने देश को स्वस्थ नागरिक दें। राष्ट्र के निर्माण में यही हमारी सबसे बड़ी भूमिका होगी।

इस अवसर पर विभाग की राज्यमंत्री, प्रतिभा शुक्ला ने कहा कि संभव अभियान के अंतर्गत अधिक से अधिक सैम, दुबलेपन का शिकार एवं नाटे बच्चों का चिन्हांकन करते हुए उनका पंजीकरण कराकर बेहतर से बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जाये। स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार, पौष्टिक आहार को प्रोत्साहित करना, स्वच्छ पेयजल व बेहतर स्वच्छता सुविधा प्रदान करना एवं पोषण सम्बन्धी जागरूकता फैलाना, संभव अभियान इसी दिशा में विभाग का नवाचार हैं। उन्होंने कहा कि आँगनबाड़ी कार्यकत्रियाँ इसमें और अधिक अहम भूमिका निभा सकती हैं यदि उन्हें समय-समय प्रशिक्षित किया जाये। निदेशक, सरनीत कौर ब्रोका ने बताया कि तीन चरणों में क्रमवार सफलता अर्जित करने के बाद 2024 में चौथा चरण भी इसी उद्देश्य से आरम्भ किया गया है कि हम प्रदेश में कुपोषित बच्चों के स्वास्थ्य को समय दर समय बेहतर कर सकेंगे।

पेंशनरों का भुगतान समय से कराएं उन्हें न हो कोई परेशानी: सुरेश खन्ना

संवाददाता। प्रयागराज

कैबिनेट मंत्री वित्त एवं संसदीय कार्य विभाग उत्तर प्रदेश सुरेश कुमार खन्ना ने सोमवार को सर्किट हाउस सभागार में विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक की। कैबिनेट मंत्री श्री खन्ना ने मुख्य कोषाधिकारी और अन्य विभागों के वित्त नियंत्रक एवं लेखाधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि पेंशनर्स को कोई कठिनाई या परेशानी न होने पाए। उनके पेंशन का भुगतान समय से सुनिश्चित कराये। उन्होंने कहा कि ट्रेजरी कार्यालय में पेंशनर्स को बैठने की समुचित व्यवस्था पीने के पानी की व्यवस्था सुनिश्चित रहे।

उन्होंने कहा कि पेंशनर्स के साथ सहयोगात्मक व्यवहार हो। मंत्री खन्ना ने पेंशन एवं फैमिली पेंशन में अधिक भुगतान हो जाने पर उसके रिकवरी से सम्बंधित प्रकरणों की समीक्षा करते हुए निर्देशित किया कि ऐसे प्रकरणों पर शीघ्रता से रिकवरी की कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। बैठक में कैबिनेट मंत्री के द्वारा वित्त अधिकारियों से कार्यालयों में स्टाफ की स्थिति के बारे में जानकारी लिए जाने पर अधिकारियों के द्वारा बताया गया कि कार्यालयों में सृजित पदों के सापेक्ष लेखा स्टाफ की तैनाती कम है। काबीना मंत्री ने कहा कि लेखा स्टाफ की नियुक्ति के सम्बंध में कार्यवाही चल रही है। उन्होंने सहायक रजिस्ट्रार चिटफंड को निर्देशित कर कहा कि फर्म पंजीकरण हेतु जो आवेदन प्राप्त हो उनका समय से गुणवत्तापूर्वक निस्तारण सुनिश्चित किया जाये तथा जो भी आवेदन पत्र निरस्त किए जाएं। उनका निरस्त करने के कारण का उल्लेख अवश्य हो। उन्होंने आईजीआरएस से सम्बंधित शिकायतों का गुणवत्ता के साथ समय से निस्तारण करने के लिए कहा। उन्होंने यह भी कहा कि शिकायतों के निस्तारण से शिकायतकर्ता संतुष्ट भी हो इसके लिए शिकायतकर्ता से फीडबैक अवश्य लिया जाये। इस अवसर पर विधायक फाफामऊ गुरू प्रसाद मौर्या मुख्य कोषाधिकारी कलेक्ट्रेट प्रत्यूष कुमार वरिष्ठ कोषाधिकारी सिविल लाइन्स कोषागार वित्त नियंत्रक राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय पूनम मिश्र आदि मौजूद रहे।

डिजिटल पाठ्य सामग्री लेने पर प्रवेश शुल्क में 15 फीसद की छूटः कुलपति

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के सत्र 2024 25 में डिजिटल पाठ्य सामग्री लेने वाले छात्रों को प्रवेश शुल्क में 15 फीसद की एकमुश्त छूट प्रदान की जाएगी। यह घोषणा उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो सत्यकाम ने सोमवार को बीएनएस गर्ल्स डिग्री कॉलेज जनौरा अयोध्या में आयोजित मुक्त विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केंद्र अयोध्या के अंतर्गत आने वाले अध्ययन केन्द्रों के समन्वयकों की कार्यशाला में की।

प्रो सत्यकाम ने कहा कि विश्वविद्यालय ने पहली बार समर्थ पोर्टल से प्रवेश शुरू किया है और इस बार हमने प्रथम वर्ष में एक लाख के प्रवेश लक्ष्य को सामने रखा है। जिसके लिए पूर्वांचल के विभिन्न जिलों में नामांकन बढ़ाने के लिए कार्यशालाएं आयोजित की गई। प्रो सत्यकाम ने कहा कि विश्वविद्यालय का उद्देश्य शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाना है। उन्होंने कहा कि दूरस्थ शिक्षा पद्धति में स्व अध्ययन पाठ्य सामग्री सर्वश्रेष्ठ पाठ्य सामग्री है। जिसकी बराबरी पाठ्य पुस्तक नहीं कर सकती।

उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय शिक्षा के गुणवत्ता के साथ किसी भी प्रकार का समझौता नहीं करना चाहता इसीलिए शिक्षकों को सख्त हिदायत दी गई है कि वह शीघ्र स्व अध्ययन पाठ्य सामग्री के निर्माण का कार्य पूरा कर लें। उन्होंने कहा कि वह पिछड़े क्षेत्र की महिलाओं को शिक्षा के क्षेत्र में जागरूक करने के पक्षधर हैं। इसके लिए उन्होंने समन्वयकों का आह्वान किया कि वह अभियान चलाकर विशेष रूप से अल्पसंख्यक महिलाओं को शिक्षा के लिए प्रेरित करें।

सोरांव तहसील में हुआ सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन, सुनी गईं शिकायतें

संवाददाता। प्रयागराज

प्रभारी जिलाधिकारी गौरव कुमार की अध्यक्षता में सोमवार को सोरांव तहसील में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। सम्पूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर प्रभारी जिलाधिकारी ने जनसमयाओं को सुनते हुए सभी सम्बंधित विभागों के अधिकारियों को उनके विभाग से सम्बंधित शिकायतों को गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्धता के साथ निस्तारित करने के निर्देश दिए हैं। प्रभारी जिलाधिकारी ने कहा कि जन शिकायतों का निस्तारण शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता वाले बिंदुओं में से एक है। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही या उदासीनता स्वीकार्य नहीं है।

प्रभारी जिलाधिकारी ने समाधान दिवस में आयें हुए वरासत अवैध कब्जों विद्युत विभाग से सम्बंधित शिकायतों का शीघ्रता से निस्तारण किए जाने का निर्देश दिया है।सम्पूर्ण समाधान दिवस में प्रार्थी देवेन्द्र बहादुर सिंह निवासी ग्रामसभा धीनपुर द्वारा चकमार्ग एवं ग्रामसभा की जमीन पर अवैध अतिक्रमण की शिकायत की गयी। जिस पर प्रभारी जिलाधिकारी ने राजस्व निरीक्षक को मौके पर जाकर निरीक्षण कर आख्या उपलब्ध कराये जाने का निर्देश दिया है।

इसी क्रम में प्रार्थी मनोज कुमार द्वारा बगल के चकमार्ग पर कब्जा किये जाने की शिकायत पर प्रभारी जिलाधिकारी ने राजस्व निरीक्षक को मौके पर जाकर प्रकरण का निस्तारण कराये जाने के लिए कहा है।सम्पूर्ण समाधान दिवस पर कुल 299 शिकायतें आयीं। जिनमें 08 शिकायतों का मौके पर निस्तारण किया गया। प्रभारी जिलाधिकारी ने शेष शिकायतों के निस्तारण हेतु सम्बंधित विभाग के अधिकारियों को शिकायतों को आज ही प्राप्त करते हुए उनको निर्धारित समयसीमा के अन्तर्गत गुणवत्तापूर्ण ढंग से निस्तारण के निर्देश दिए हैं।

हिण्डाल्को में एक पेड़ मां के नाम अभियान का हुआ शुभारम्भ

सोनभद्र। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण के उद्देश्य से 'पेड़ लगाओ, पेड़ बचाओ जन अभियान चलाया जा रहा है जिसके अंतर्गत 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान को सफल बनाने के लिए हिण्डाल्को द्वारा भी वृहद स्तर पर वृक्षारोपण कर अभियान का शुभारंभ किया गया।

इसके तहत हिण्डाल्को के मुखिया एन. नागेश व मानव संसाधन प्रमुख जसबीर सिंह द्वारा एक एक पौधा लगाकर एक लाख से अधिक पौधरोपण का लक्ष्य रखते हुए अभियान का शुभारंभ किया। इस मौके पर श्री नागेश ने कहा कि सभी की जिम्मेदारी है कि वे अपने द्वारा लगाए गए पौधों की रक्षा करें, खासकर उन पौधों की जो अपनी माताओं को समर्पित हैं। इस अवसर पर वरिष्ठ अधिकारियों जेपी नायक, अजय सिन्हा, राजेश कपूर, विवेक कुमार, अविजीत कुमार, यशवंत कुमार अनिल सिंह, कर्नल से.नि. रोहित शर्मा, राजेश तिवारी व अन्य वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा इस सकारात्मक अभियान पर विमर्श करते हुए पर्यावरण संरक्षण की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला गया। सभी ने एक स्वर में कहा कि अगर हम पेड़ों को बचाते हैं, तो हम पर्यावरण को बचाते हैं।

भाजपाइयों ने मनाया रीता बहुगुणा जोशी का जन्मदिन

प्रयागराज। पूर्व सांसद और पूर्व कैबिनेट मंत्री डॉ रीता बहुगुणा जोशी का 75 वां जन्मदिन सोमवार को प्रयागराज में धूमधाम से मनाया गया। भाजपाइयों एवं प्रयागराज के नागरिकों ने अपनी लोकप्रिय दीदी का जन्मदिन अभिनंदन के साथ मनाया। वह बाल्यकाल से ही मेधा और प्रज्ञाशक्ति का आभामंडल भावी भविष्य की उज्ज्वल रेखा ने समाज को नई दिशा प्रदान करने वाली दीदी के रूप विख्यात हुई। विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधिमण्डलों ने भी रीता बहुगुणा जोशी को बधाई दिया। महापौर गणेश केसरवानी ने जन्मदिन की बधाई देते हुए डा जोशी की सराहना की। प्राचार्य डॉ मणि शंकर द्विवेदी ने बताया कि प्रो रीता जोशी के करुणामयी निष्ठा का परिचायक ने प्रयागराज को गौरवान्वित महसूस कराया।

एआरटीओ कार्यालय का डीएम ने किया औचक निरीक्षण

सोनभद्र। जिलाधिकारी बी एन सिंह ने सोमवार को सुबह 10.12 बजे एआरटीओ कार्यालय का औचक निरीक्षण किया निरीक्षण के दौरान एआरटीओ प्रवर्तन राजेश्वर यादव, एआरटीओ प्रशासन धनवीर यादव, प्रधान सहायक ललित नारायण त्रिपाठी अनुपस्थित पाए गये, जिस पर जिलाधिकारी ने अनुपस्थित कार्मिक व अधिकारी को स्पस्टीकरण जारी करने के निर्देश दिए।

इस दौरान जिलाधिकारी ने अभिलेखागार कक्ष का भी निरीक्षण किया कक्ष में गन्दगी पायी गयी, जिस पर जिलाधिकारी ने नाराजगी व्यक्त करते हुए साफ सफाई व्यवस्था को बेहतर करने के निर्देश दिए। इस दौरान जिलाधिकारी ने आय व्यय से संबंधित पात्रावलियों का भी निरीक्षण किया तों यह तथ्य संज्ञान मे आया की 19.5 करोड़ रुपये वाहन कर की नोटिस के बाद आर0सी0 अब तक जारी नहीं की गयी है, उन्होंने सम्बंधित को वाहन कर की आर0सी0 शीघ्र जारी करने के निर्देश दिए इस दौरान उन्होंने आर0 आई0 से एआरटीओ प्रवर्तन और प्रशासन के कक्ष मे बैठने के सम्बन्ध मे जानकारी ली जिलाधिकारी ने आरआई को निर्देशित करते हुए कहा की कोई भी अनाधिकृत व्यक्ति कार्यालय में अनावश्यक रूप से प्रवेश न करें।

श्रावण के प्रथम सोमवार को शिवालयों में उमड़ा भक्तों का सैलाब

बीजपुर, सोनभद्र। श्रावण महीने के प्रथम सोमवार को शिवालयों में भूतभावन भगवान शंकर के जलाभिषेक के लिए भोर से हीं भक्तों का जन सैलाब उमड़ा हुआ दिखाई दिया। परियोजना परिसर स्थित शिव मंदिर बेड़ियाँ हनुमान मंदिर दूधहिया मंदिर सिरसोती शिवमन्दिर के साथ साथ ग्राम सभा जरहाँ के अजीर नदी के तट पर स्थित अजीरेश्वर धाम सहित विभिन्न शिवालयों में भोर से हीं भक्तों का जन सैलाब जलाभिषेक एवं दर्शन पूजन के लिए उमड़ पड़ा। आजीरेश्वर धाम में उमड़ी भीड़ को देखते हुए प्रभारी निरीक्षक बीजपुर अखिलेश कुमार मिश्र के नेतृत्व में पुलिस बल की टुकड़ियां दर्शनार्थियों की सुरक्षा के मद्देनजर जगह जगह तैनात देखी गई। पुलिस बल के टुकड़ियों के अलावा मंदिर समिति के पदाधिकारी एवं सदस्यों नें भी अपनी जिम्मेदारी का बखूबी निर्वहन किया। चारो तरफ हर हर महादेव के उदघोष से भक्तिमय माहौल में क्षेत्र सिंचित दिखाई दिया।

हर हर महादेव की जयकारा के साथ हुआ भगवान शिव का जलाभिषेक

सकलडीहा, चन्दौली। सावन के पहले सोमवार को सकलडीहा कस्बा और चतुर्भुजपुर कॉलेश्वर महादेव मंदिर सहित विभिन्न शिवालयों पर कावरियों के साथ व्रती महिलाये और ग्रामीणों ने हर हर महादेव का जयकारा लगाते हुए विधि विधान से पूजा अर्चना किया। इस मौके पर मेडिकल कैंप से लेकर पुलिस प्रशासन के लोग मुस्तैद रहे। सकलडीहा कस्बा के प्राचीन शिव मंदिर से लेकर चतुर्भुजपुर कॉलेश्वर महादेव मंदिर, जामडीह में जामेश्वर महादेव और मांटीगांव में भांडेश्वर महादेव मंदिर पर सुबह से ही जलाभिषेक और पूजा अर्चना के लिये महिलाओं की लम्बी कतार लगा था। भोर में शिवालय का पट खुलते ही हर हर महादेव का जयकारा लगाते हुए शिवभक्तों ने जलाभिषेक शुरू कर दिया। वेलपत्र, धतूरा, दही सहित विभिन्न पूजा सामाग्री के साथ विधि विधान से पूजा अर्चना किया। इस दौरान एसडीएम अनुपम मिश्रा सीओ रघुराज कोतवाल संजय कुमार सिंह,सीएचसी अधीक्षक डा. संजय यादव, लेखपाल रंजना सिंह,चंदन यादव सहित अन्य पुलिस कर्मी सुरक्षा व्यवस्था में डटे रहे।

राउतपुर में ग्राम प्रधान पद के लिये सिंगल उम्मीदवार चिंता देवी ने किया नामांकन

सकलडीहा, चन्दौली। जिलाधिकारी निखिल टी फूंडे के निर्देश पर गांव सभा में रिक्त पदों पर चुनाव कराने अधिसूचना जारी कर दिया गया है। इस क्रम में सोमवार को बीडीओ केके सिंह के कार्यालय में राउतपुर ग्राम सभा में प्रधान पद पर सिंगल उम्मीदवार चिंता देवी ने नामांकन किया। 24 जुलाई को नामांकन पत्रों की जांच के बाद शेष प्रक्रिया किया जायेगा। हालाकि सिंगल उम्मीदवार होने पर निर्विरोध चुना जाना तय है। इस मौके पर आरओ मनोज कुमार सिंह जिला भूमि संरक्षण अधिकारी और हवलदार यादव को सहायक चुनाव अधिकारी मौजूद रहे। राउतपुर ग्राम पंचायत के प्रधान अनिल कुमार सिंह यादव का बीते 20 जून को हृदय गति रुकने से मौत हो गई थी।

जनसमस्याओं के निराकरण हेतु तहसीलों में हुआ समाधान दिवस का आयोजन

संवाददाता। अंबेडकर नगर

जनसमस्याओं के निराकरण हेतु जनपद अंबेडकर नगर के समस्त तहसीलों में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। तहसील आलापुर में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन अपर जिलाधिकारी डॉ सदानंद गुप्ता तथा अपर पुलिस अधीक्षक की उपस्थिति में किया गया। इस दौरान उन्होंने कहा कि संबंधित अधिकारी शिकायतों को गंभीरता से लें और तत्काल कार्यवाही सुनिश्चित करें। तहसील दिवस में जो भी शिकायत आए उनका निस्तारण समय से गुणवत्तापूर्ण करना सुनिश्चित करें। तहसील दिवस के दौरान अपर जिलाधिकारी द्वारा निर्देशित किया गया कि जमीनी विवाद सम्बंधित सभी प्रकरणों में पुलिस व राजस्व की टीमों द्वारा संयुक्त रुप से प्रकरण का निस्तारण किया जाए जिससे फरियादियों को अलग-अलग भटकना न पड़े व प्रकरणों का त्वरित व न्याय पूर्ण निस्तारण हो सके। तहसील आलापुर में संपूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर अपर जिलाधिकारी तथा अपर पुलिस अधीक्षक के समक्ष कुल 115 शिकायती प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए। मौके पर 06 शिकायती प्रार्थना पत्रों का निस्तारण कर दिया गया तथा शेष 109 शिकायती प्रार्थना पत्रों को निस्तारण हेतु संबंधित विभाग के अधिकारियों को प्राप्त कराते हुए निर्देश दिया गया कि शेष शिकायती प्रार्थना पत्रों को ससमय गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किया जाए। इस दौरान मौके पर जनपद स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

पुलिस अधीक्षक डॉ0 कौस्तुभ द्वारा सम्पूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर तहसील अकबरपुर में फरियादियों की समस्याओं को सुना गया । इस दौरान प्रार्थना पत्र को गुणवत्तापूर्ण व समयबद्ध निस्तारण हेतु सम्बंधित को निर्देशित किया गया। साथ ही पुलिस अधीक्षक द्वारा निर्देशित किया गया कि जमीनी विवाद सम्बंधित सभी प्रकरणों में पुलिस व राजस्व की टीमों द्वारा संयुक्त रुप से प्रकरण का निस्तारण किया जाए।

अवैध मौरम खनन को लेकर फिर चर्चा में आये क्योटरा व पथरेहटा मौरम खंड

उरई, जालौन। एक ओर जहां प्रदेश सरकार एनजीटी मौरम खनन पट्टों को सुचितापूर्ण तरीके से संचालित कराने के लिये हरसंभव प्रयास करने से नहीं चूक रही है तो वहीं दूसरी ओर मौरम पट्टाधारक है कि शासन के नियमों को ही ठेगा दिखाने के आदी हो चुके हैं। आलम यह है कि अवैध मौरम खनन मामले में सुर्खियां बटोरने वाले कदौरा क्षेत्र में मौरम पट्टाधारक क्योटरा व पथरेहटा में अवैध तरीके से मौरम खनन कर एक ओर जहां नदी की जलधारा से छेड़छाड़ करते देखे जा रहे हैं तो वहीं दूसरी ओर नदी की जलधारा में भारी भरकम पॉकलैंड मशीनों को उतारकर जलधारा से मौरम खनन करते देखे जा रहे हैं। लगातार पॉकलैंड मशीनों के गरजने की आवाज से आसपास के ग्रामीणजन भी बुरी तरह से परेशान हो चुके हैं। क्योटरा व पथरेहटा के पट्टाधारकों की स्वेच्छाचारिता पर अंकुश लगाने की मंशा से जब पिछले महीने टीम ने मौरम पट्टों पर पहुंचकर जमीनी हकीकत परखने का प्रयास किया तो वह वहां का नजारा देखकर दंग रह गयी है और अवैध मौरम खनन करने पर उक्त दोनों पट्टाधारकों पर लाखों रुपयों का जुर्माना ठोंक दिया था।

टीम द्वारा लगाया गया जुर्माना पट्टाधारकों ने अब तक जमा किया है या नहीं इस बारे में जानकारी नहीं मिल सकी है। लेकिन पट्टाधारक खुलेआम अवैध मौरम खनन ही नहीं बल्कि एनजीटी की गाइड लाइन को भी ठेगा दिखाते नजर आ रहे हैं। ऐसे पट्टाधारकों पर कब कानून का डंडा चलेगा यह तो समय ही बतायेगा।

गौरतलब हो कि कदौरा क्षेत्र वैसे भी लंबे समय से अवैध मौरम खनन को लेकर चर्चा का केंद्र बिंदु बना रहा है। बात चाहे नदी की जलधारा से मौरम खनन करने को लेकर हो या फिर वन विभाग या नजूल की जमीनों से मौरम खनन का मामला रहा हो मौरम पट्टाधारकों को जहां पर भी मौका मिलता है वह वहां पर अपने हाथों का कमाल दिखाकर मालामाल होने का कोई भी मौका अपने हाथों से नहीं देना चाहते हैं। ऐसा ही मामला आजकल कदौरा क्षेत्र के मौरम खंड क्योटरा व पथरेहटा में दिन के उजाले में नहीं बल्कि रात्रि के अंधेरे में भी देखने को मिल रहा हैं। जहां चौबीस घंटे भारी भरकम पॉकलैंड मशीने सदानीरा बेतवा नदी का स्वरूप बिगाड़ने के प्रयासों में जुटी पड़ी हैं। कहने के लिये मौरम खंड क्योटरा में मौरम खनन का पट्टा कृष्णा टैक्नो के नाम महज 10 हैक्टेयर क्षेत्रफल का बताया जाता है लेकिन मौरम पट्टा मिलने के बाद पट्टाधारक व उनके कारिंदों ने पट्टा क्षेत्र के आसपास का ऐसा कोई कौना नहीं छोड़ा जहां से उनके द्वारा अवैध तरीके से मौरम खनन न किया गया हो। इसी के चलते जब टीम ने मौके का निरीक्षण किया तो वहां अवैध मौरम खनन होने का मामला पकड़ लिया

समाधान दिवस में दर्ज की गईं 34 शिकायतें, 9 का निस्तारण

कालपी, जालौन। सोमवार को जिलाधिकारी की अध्यक्षता में समाधान दिवस का आयोजन हुआ। इस दौरान 34 शिकायतें आई जिसमें 9 का मौके पर निस्तारण किया गया है। सोमवार को जनता की समस्याओं के त्वरित निस्तारण के लिए जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय की अध्यक्षता व पुलिस अधीक्षक डा. दुर्गेश कुमार की मौजूदगी में तहसील सभागार में समाधान दिवस का आयोजन हुआ।

इस दौरान ग्राम पंचायत सुरौला की प्रधान मायादेवी ने शिकायती पत्र देकर कहा कि उनके गांव में सिंचाई के साधन पर्याप्त नही है जिससे फसलों की सिंचाई नहीं हो पाती है इसलिए मौजा में नलकूप लगवाया जाए। वही करन प्रताप निवासी गुरू का इटौरा ने पीडब्लूडी की जमीन पर कब्जे की शिकायत कर उसे कब्जा मुक्त कराए जाने की मांग की तो महेवा ब्लाक क्षेत्र के खांखरी के ग्रामीणों ने चक मार्ग से कब्जा हटाए जाने के लिए शिकायत दर्ज कराई है। इसके साथ ही कोतवाली क्षेत्र के ग्राम सुरौला निवासी रामदास ने क्षेत्र के दबंगों पर जमीन पर कब्जे की शिकायत की है। इसके साथ ही इटौरा गुरू निवासी बलवान सिंह ने गैरजनपद की एक कम्पनी पर पपीता की पौध के नाम पर धोखाधड़ी करने का आरोप लगाया है।

इस दौरान जिलाधिकारी ने मौके पर मौजूद सभी जिम्मेदार विभागीय अधिकारियों पर शिकायतों को गम्भीरता से लिए जाने के साथ उनके गुणवत्ता पूर्ण निस्तारण के भी निर्देश दिए हैं।

प्राचीन लक्ष्मी नारायण मंदिर का जल्द ही किया जाएगा जीर्णोद्धारः गौरीशंकर

संवाददाता। उरई, जालौन

अब धर्म स्थलों की ऐतिहासिकता और उनकी सुरक्षा को लेकर शासन और प्रशासन के जिम्मेदार लोगों ने अपनी सक्रियता तेज कर दी है इसी क्रम में आज सोमवार को सदर विधायक गौरी शंकर वर्मा ने नगर के घंटाघर चौराहे समीप स्थित लक्ष्मी नारायण मंदिर का निरीक्षण किया इस दौरान उन्होंने व्यापार मंडल के पदाधिकारी को स्पष्ट तौर पर बता दिया कि जल्दी ही इस मंदिर के जीर्णोधार का कार्य कराया जाएगा। उनका यह भी कहना रहा की प्रदेश सरकार की मंशा है कि सभी धार्मिक स्थल अपनी ऐतिहासिक महत्व और गौरव को बनाए रखें।

बताते चलें कि बीते कुछ अरसे से प्रदेश सरकार ने सभी धार्मिक स्थलों को लेकर जिस तरह से उनके जीर्णोधार करने की मुहिम चलाई है उसके तहत अब जनप्रतिनिधियों में काफी सक्रियता देखी जाने लगी है यहां नगर में ऐसी कौन-कौन से पुराने मंदिर और अन्य धार्मिक स्थल हैं इसको लेकर जनप्रतिनिधि व्यापक स्तर पर जानकारियां जुटाना में लग गए हैं सोमवार को सदर विधायक गौरी शंकर वर्मा ने भी इसी मानसा से नगर के घंटाघर स्थित लक्ष्मी मंदिर का निरीक्षण किया बताते चलें कि यह मंदिर प्राचीन मंदिर बताया जाता है और इस मंदिर से बड़ी संख्या में व्यापारी वर्ग जुड़ा हुआ है।

नगर के मुख्य बाजार में स्थित होने के कारण बड़ी तादाद में श्रद्धालु इस मंदिर में पूजा अर्चन और दर्शन के लिए पहुंचते हैं सदर विधायक गौरी शंकर वर्मा ने जब लक्ष्मी मंदिर का निरीक्षण किया तो इस दौरान वहां उपस्थित लोगों को उन्होंने बताया कि बहुत जल्दी ही इस मंदिर के जीर्णोधार का कार्य प्रारंभ कर दिया जाएगा।

सदर विधायक ने यह भी कहा कि मंदिर के आसपास अवैध कब्जेदार किसी भी स्थिति में नहीं रहने दिए जाएंगे जो भी अतिक्रमण है उसे हटवाया जायेगा।

एसडीएम ने रात्रि में किया सीएचसी का निरीक्षण

कालपी, जालौन। जिलाधिकारी के निर्देश पर एसडीएम सुशील कुमार सिंह ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने सीएचसी का घूम-घूमकर निरीक्षण किया तथा बार्डों में भर्ती रोगियों का तत्परता से उपचार करने के लिये डॉक्टरों तथा कर्मचारियों को आवश्यक निर्देश दिये। बीती रात करीब 9 बजे उप जिलाधिकारी सुशील कुमार सिंह अचानक सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कालपी में पहुंचे। औचक निरीक्षण के दौरान वार्ड में भर्ती मरीजों के हालचाल को जाना व रोगियों को बेहतर उपचार सेवा प्रदान करने के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने प्रयोगशाला व लैब के निरीक्षण के दौरान कहा कि जांचों के लिए मरीजो को परेशान नहीं किया जाए व मरीजो की सीएचसी परिसर में ही जांच कराई जाए। कोल्ड चैन में वैक्सीन दवाइयों के रखरखाव की स्थिति को देखा।

सहाब गांव में नमामि गंगे योजना ग्रामीणों के लिये बनी अभिशाप

- आधे गांव में बमुश्किल हो रही जलापूर्ति, आधा गांव बूंद-बूंद को परेशान

संवाददाता। जालौन, उरई

ब्लॉक क्षेत्र के ग्राम सहाव में एक माह से चार सरकारी हैंडपंप खराब पड़े हैं। लोगों को पेयजल कें लिए परेशान होना पड़ रहा है। कई बार शिकायत के बाद भी सुनवाई न होने से परेशान ग्रामीणों ने डीएम से पेयजल की समस्या का समाधान कराने की मांग की है।

ब्लॉक क्षेत्र के ग्राम सहाव में ग्रामीणों को इन दिनों पेयजल संकट का सामना करना पड़ रहा है। वैसे तो गांव में हर घर नल से जल योजना के अंतर्गत पानी की टंकी का निर्माण कराया गया है और पाइप लाइन डाली गई है। लेकिन अब तक पूरे गांव में नल से जल नहीं पहुंच पाया है। जिसके चलते ग्रामीण सरकारी हैंडपंप से पेयजल भरते हैं। गांव में पेयजल की आपूर्ति के लिए वार्ड नंबर चार में हरीशंकर मास्टर के घर के पास वार्ड नंबर पांच में मुन्नी देवी के घर के पास, वार्ड नंबर आठ में धनसिंह कुशवाहा के घर के पास एवं एक अन्य स्थान पर लगे हैंडपंप बीते एक माह से अधिक सएमय से खराब पड़े हुए हैं। ग्रामीण इन हैंडपंपों से अपने घरों में पेयजल भरते थे। लेकिन एक माह से खराब हैंडपंप के चलते ग्रामीणों को पेयजल के लिए परेशान होना पड़ रहा है।

ग्रामीण राजेंद्र कुमार, प्रशांत त्रिपाठी, रचना, साहिल, पिय्रयंका, मुन्नी, कल्पना कुशवाहा, देवकी, दीपक आदि ने बताया कि सुबह सुबह ग्रामीणों को अपने सभी काम छोड़कर पेयजल के लिए परेशान होना पड़ता है। दूसरे मोहल्ले में पानी भरने के लिए जाना पड़ता है। लाइन में खड़े होने से घंटों समय बर्बाद होता है। इसके बाद भी एक या दो बाल्टी पानी ही मिल पाता है। एक माह से उन्हें पेयजल के लिए परेशान होना पड़ रहा है। इस भीषण उमस भरी गर्मी में पानी की अधिक आवश्यकता होती है।

युवक की हत्या कर शव कुएं में फेंकने के दो आरोपी पकड़े

जालौन, उरई। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम सिकरीराजा में एक सप्ताह पूर्व एक युवक की हत्या कर उसके शव को उसके साथियों ने कुएं में फेंक दिया था। मृतक के पिता की तहरीर पर पुलिस ने चार साथियों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर लिया गया था। पुलिस ने हत्या के मामले में फरार चल रहे दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया था। शेष दो आरोपियों को भी पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया। जहां से उन्हें जेल भेजा गया। बीती 16 जुलाई को कोतवाली क्षेत्र के ग्राम सिकरीराजा निवासी विशाल उर्फ भरत रजक (25) पुत्र देव प्रसाद का शव गांव की गढ़ी पर स्थित पुराने किला के कुंआ में मिला था। उसके पिता ने पुत्र की हत्या का आरोप उसके चार साथियों पर लगाया था। पुलिस ने मृतक के पिता की शिकायत पर साथियों के खिलाफ हत्या की रिपोर्ट दर्ज कर ली थी। हत्या के मामले में आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए टीमें बनाई गई थी। टीम ने रवि पुत्र सुरेश व रामवरन उर्फ मामू पुत्र बाबूलाल को पूर्व में गिरफ्तार कर लिया था।

बांग्लादेश में अशांति

आरक्षण पर विवाद

आरक्षण पर विवाद के कारण बांग्लादेश में अशांति पैदा हो गई है। छात्र 'स्वतंत्रता सेनानियों' के परिवारों को सरकारी नौकरियों में दिए जाने वाले आरक्षण का विरोध कर रहे हैं। भारत ने इसे बांग्लादेश का आंतरिक मामला बताया है। सरकार द्वारा 1971 में मुक्ति संग्राम में भाग लेने वालों के रिश्तेदारों को 30 प्रतिशत आरक्षण का प्राविधान किया है। इसके खिलाफ छात्र सड़कों पर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं जिसके कारण बांग्लादेश पिछले सालों में सबसे बुरी स्थिति का सामना कर रहा है। पिछले दशक के इन सर्वाधिक हिंसक विरोध प्रदर्शनों में दो पत्रकारों समेत 105 लोगों की जान गई है। इसके बाद पूरे देश में कर्फ्यू लगा दिया गया है। सुरक्षा बलों को भीड़ पर गोली चलाने का आदेश देने के साथ ही उपद्रवियों को 'देखते ही गोली मारने' का आदेश भी दिया गया है। इससे स्थिति की गंभीरता का पता चलता है। छात्र प्रदर्शनकारियों द्वारा एक जेल पर हमला बोल कर बंदियों को छुड़ाने के बाद धीरे-धीरे पर निश्चित रूप से छात्रों का प्रदर्शन सरकार के खिलाफ व्यापक विरोध प्रदर्शन में बदल रहा है। छात्रों का आरोप है कि मुक्ति सेनानियों के परिवारों को नौकरियों में आरक्षण से अधिकांशत शेख हसीना के समर्थकों को लाभ होगा क्योंकि उनकी अवामी लीग पार्टी ने स्वतंत्रता आंदोलन का नेतृत्व किया था। छात्र ऐसे देश में संघर्ष कर रहे हैं जहां लगभग 32 मिलियन युवाओं को न नौकरी मिली है और न शिक्षा। हालांकि, कुछ निजी क्षेत्रों में रोजगार के अवसर बढ़े हैं, पर अनेक लोग नौकरी में स्थायित्व तथा बेहतर वेतन के लिए सरकारी नौकरियां पसंद करते हैं। प्रदर्शनकारी छात्रों पर सरकार की कार्रवाई के बावजूद यह

हिंसा रोकने में ज्यादा प्रभावी नहीं रही है। कुछ दिन पहले शुरू हुए विरोध प्रदर्शनों ने देश भर में व्यापक अराजकता और गतिरोध को जन्म दिया है। इस अराजकतापूर्ण स्थिति के कारण अनेक विदेशी छात्र खतरे में फंस गए हैं।

बांग्लादेश में लगभग 15,000 भारतीय रहते हैं जिनमें लगभग 8,500 छात्र हैं। लगभग 4,000 छात्र वहां से निकाले जाने की प्रतीक्षा कर रहे हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा है कि लगभग 1,000 भारतीय छात्रों को सुरक्षित उनके घरों तक पहुंचा दिया गया है। बाकी फंसे छात्रों के परिवार उनकी वापसी की बेचैनी से प्रतीक्षा कर रहे हैं। ढाका में भारतीय उच्चायुक्त ने छात्रों की सहायता के लिए एक हेल्पलाइन बनाई है जिसमें वापसी प्रक्रिया के बारे में अद्यतन जानकारी दी जाती है। छात्रों को उच्चायोग से संपर्क में रहने तथा उसके निर्देशों का पालन करने की सलाह दी गई है। गुरुवार से संचार साधनों पर प्रतिबंध लगा है जिसमें बोबाइल डेटा और टेक्सट मैसेज सेवायें शामिल हैं। सरकार द्वारा प्रदर्शनकारियों के प्रति कठोरता बरतने के कारण न केवल तनाव बढ़ा है, बल्कि हसीना सरकार की छवि भी खराब हुई है। प्रधानमंत्री शेख हसीना की सरकार अपने 15 वर्ष के कार्यकाल में इस सर्वाधिक गंभीर चुनौती का सामना कर रही है। वास्तव में यह पिछले सालों में शेख हसीना के समक्ष सबसे बड़ी चुनौती है। छात्रों का प्रदर्शन सरकार के खिलाफ आम विरोध प्रदर्शन में बदल रहा है। शेख हसीना ने छात्रों से न्यायालय का फैसला आने तक प्रतीक्षा को कहा, पर इसका कोई असर नहीं पड़ा। इस बीच भारत ने पड़ोसी देश में व्याप्त अराजकता को 'बांग्लादेश का आंतरिक मामला' बताया है, पर उसे चिन्ता है क्योंकि शेख हसीना सरकार के भारत के साथ बहुत अच्छे संबंध हैं। अत: बांग्लादेश में अराजकता या हिंसा से भारत-बांग्लादेश संबंध भी प्रभावित हो सकते हैं।

आर्थिक समृद्धि हेतु प्राचीन विवेक

समय आ गया है कि भारत ऐतिहासिक विवेक का प्रयोग कर वैश्विक अवसरों का लाभ उठाए तथा समृद्ध एवं समावेशी भविष्य की ओर आगे बढ़े। वर्ड हिंदू इकोनोमिक फोरम इस दिशा में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है।

बी.के. झा
(लेखक, वरिष्ठ पत्रकार हैं)

भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर आगे बढ़ रहा है। उसे न केवल यह लक्ष्य प्राप्त करना चाहिए, बल्कि अतिरिक्त संपदा का साझा कर जीवन्त व समावेशी समाज भी बनाना चाहिए। 'अर्थशास्त्र' के लेखक आचार्य चाणक्य ने कहा था, 'धर्मस्य मूलम अर्थ:'। इसलिए चाणक्य की भूमि को स्पष्ट दृष्टिकोण सामने रखते हुए समाज को अतिरिक्त संपदा पैदा करने तथा उसका साझा करने के माध्यम से समृद्ध समाज बनाना चाहिए। वेदों के प्राचीन विवेक में कहा गया है, 'शत हस्ता समाहार, शास्त्र हस्ता संकिरा', अर्थात '100 हाथों से संपदा का सृजन करें तथा उसका हजार हाथों से साझा करें।' हिंदुओं ने विश्व अर्थव्यवस्था में ईसापूर्व पहली शताब्दी से लेकर 15वीं शताब्दी तक महत्वपूर्ण योगदान किया। इससे संपदा के सृजन तथ वितरण की उनकी समझदारी प्रकट होती है। हिंदू सभ्यता की समृद्धि अतीत के प्राचीन स्मारकों से स्पष्ट होती है जो वर्तमान समय में हड़प्पा, मोहनजोदड़ो, लोथल, नालन्दा और तक्षशिला विश्वविद्यालय, थाईलैंड में अंकोरवाट, इंडोनेशिया में प्रंबन व बोरोबुदूर तथा भारत में रामेश्वरम, बृहदेश्वर और मीनाक्षी मंदिरों से प्रमाणित होती है। लेकिन यह समृद्धि इस्लामी आक्रमण, औपनिवेशिक शासन तथा औद्योगिक क्रांति के कारण नष्ट हो गई। इक्कीसवीं शताब्दी की अर्थव्यवस्था ज्ञान व यौवन से संचालित है।

हिंदू जनसंख्या का बड़ा हिस्सा नौजवान होने के साथ ही उसमें असाधारण क्षमता पैदा करने की सामर्थ्य विद्यमान है जिसका लाभ उठाया जाना चाहिए। प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में मंदी के साथ भारतीय अर्थव्यवस्था की प्रगति ने सारी दुनिया को आश्चर्यचकित कर दिया है। ऐसे में परंपरागत प्रतिक्रियाओं के रूप में 'कास्ट कटिंग' तथा संरक्षणवाद अनुपयुक्त हैं। वर्तमान समय में अतिरिक्त संपदा सृजन के लिए नए व रचनात्मक दृष्टिकोण की जरूरत है ताकि विश्व अर्थव्यवस्था को उसके संकट से उबारा जा सके। आज जहां कुछ अर्थव्यवस्थायें उथल पुथल का सामना कर रही हैं, वहीं उभरती अर्थव्यवस्थाओं के समक्ष बड़े अवसर भी हैं। ऐसे में चुनौती वैश्विक स्थिति का लाभ सामूहिक प्रगति हेतु उठाना है।

हिंदुओं को वैश्विक स्तर पर सहयोग कर आकलैंड से अलास्का और ओस्लो से जोहांसबर्ग तक सभी भौगोलिक क्षेत्रों व देशों की बाजारों तक पहुंच बनानी चाहिए। इसी प्रकार पूंजी की उपलब्धता तथा तकनीकी खोजों में सहयोग होना चाहिए ताकि तकनीकी रूप से दक्ष हिंदुओं व इन खोजों को बिजनेस अवसरों में बदलने वालों के बीच सहयोग हो सके। केवल दान व उदारता से भूख, गरीबी और निरक्षरता जैसी मूल समस्याओं का समाधान नहीं हो सकता है। बढ़ती जनसंख्या की आवश्यकतायें भी बढ़ रही हैं जिनकी पूर्ति केवल अतिरिक्त संपदा के सृजन तथा खासकर सामाजिक संरचना में सबसे नीचे रहने वाली जनता के सशक्तीकरण से संभव है। इस दृष्टिकोण को 'टिकाऊ विकास' के दर्शन से जोड़ा जाना चाहिए जिसका उद्देश्य भूख, गरीबी और निरक्षरता का उन्मूलन हो।

ऐतिहासिक प्रमाणों से स्पष्ट है कि अंग्रेजों ने भारत की व्यापक लूट की थी। आर्थिक इतिहासकार उत्सा पटनायक की शोध से पता चलता है कि ब्रिटिश औपनिवेशिक सरकार ने भारत से 1765 से लेकर 1938 तक लगभग 45 ट्रिलियन डालर लूटे थे। यह विशाल धनराशि वर्तमान समय में ब्रिटेन की वार्षिक जीडीपी से 15 गुना अधिक है। इस संपदा ने इंग्लैंड में औद्योगिक क्रांति को फंड प्रदान किया जिससे भारत का महत्वपूर्ण आर्थिक योगदान स्पष्ट होता है। राष्ट्र और समुदाय अपनी आर्थिक शक्ति सहयोग व प्रतिबद्धता से प्राप्त करते हैं। उदाहरण के लिए, यहूदियों ने नरसंहार के बाद स्वयं को नेटवर्किंग, सामुदायिक सहायता तथा आत्म-संगठन से स्थापित किया। इसी प्रकार जापान और जर्मनी ने द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद अपना निर्माण किया तथा चीन 1950 के बाद दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने में सक्षम हुआ।

2015 में भारत की जीडीपी 2.07 ट्रिलियन डालर थी, जबकि आज यह 3 ट्रिलियन डालर से थोड़ा अधिक है। अगले तीन साल में भारत का लक्ष्य 5 ट्रिलियन डालर की अर्थव्यवस्था बनना है। 'हिंदूवाद' को आर्थिक वृद्धि से जोड़ने की अवधारणा फरवरी, 1973 में सामने आई थी। उस समय नाजिन यानुपी की छद्म नाम से लिखते हुए बीपीआर विट्ठल ने भारत की प्रति व्यक्ति आय की वृद्धि दर का संदर्भ देते हुए सुझाव दिया था कि यह 1 से 3 प्रतिशत के बीच है। इस अवधारणा को 'हिंदू वृद्धि दर' का नाम दिया गया जिसे बाद में अर्थशास्त्री राज कृष्ण ने लोकप्रिय बनाया। पूर्व मुख्य आर्थिक सलाहकार कौशिक बसु ने 2007 में एक शोध पत्र में इसका समर्थन करते हुए कहा था कि 'हिंदू वृद्धि दर' की अवधारणा एक भारतीय अर्थशास्त्री स्वर्गीय राज कृष्ण ने सामने रखी थी ताकि वृद्धि दर के बारे में तत्कालीन भारतीय नीति निर्माताओं की निराशा सामने लाई जा सके। उन्होंने जो भी किया हो, बाद में वृद्धि दर 3.5 प्रतिशत पर वापस लौट गई। इसके बाद से अनेक अर्थशास्त्रियों ने हिंदू वृद्धि दर की अवधारणा पर बातें रखीं जिनमें योजना आयोग के पूर्व अध्यक्ष मांटेक सिंह अहलूवालिया तथा पूर्व मुख्य आर्थिक सलाहकार शंकर आचार्य व अरविंद विरमानी शामिल हैं।

'वर्ड हिंदू इकोनोमिक फोरम'-डब्लूएचईएफ के संस्थापक आईआईटी विद्वान स्वामी विज्ञानानंद को इस बात का श्रेय दिया जाना चाहिए कि उन्होंने 'समाज को समृद्ध बनाने' के लक्ष्य से एक वैश्विक मंच का गठन किया। हिंदू समुदाय की आर्थिक प्रगति 2012 में हांगकांग में शुरू हुई और इसके बाद वह बैंकाक, नई दिल्ली, लंदन, लासएंजेल्स, शिकागो व मुंबई तक पहुंची। कोविड-19 वैश्विक महामारी की चुनौतियों के बावजूद डिजिटल बिजनेस नेटवर्कों तथा स्थानीय चैप्टरों के माध्यम से यह आंदोलन आगे बढ़ता रहा। भगवद्गीता के दर्शन पर आधारित यह आंदोलन अतिरिक्त संपदा के सृजन तथा सामाजिक बेहतरी के लिए भविष्योन्मुखी सोच तथा टिकाऊ विकास पर ध्यान केन्द्रित करता है। यह सामाजिक-आर्थिक गैर-सरकारी संगठन मुंबई में अपने महत्वपूर्ण आयोजन मुंबई में 13 से 15 दिसंबर तक डब्लूएचईएफ, 2024 के लिए प्रयासरत है। इसकी थीम 'भविष्य के लिए भविष्य में सोचो' है। इस फोरम का उद्देश्य भविष्योन्मुखी सोच तथा टिकाऊ आर्थिक विकास रणनीतियों का विकास करना है। 'विकसित भारत', इंडस्ट्री-4, कौशल विकास, ई-कामर्स, पूंजी बाजार तथा क्षेत्रीय अवसरों पर इस आयोजन का फोकस रहेगा। अब हिंदुओं को अपनी जनसंख्या के हिस्से के अनुपात में दुनिया की कम से कम 16 प्रतिशत जीडीपी पर अपना अधिकार करना चाहिए।

वैश्विक स्तर पर सहयोग व गठजोड़ मजबूत करने, बाजारों तक पहुंच में सुविधा प्रदान करने, वित्तीय परिस्थितिकी तंत्रों की सहायता करने तथा तकनीकी खोजों को प्रोत्साहन देने के माध्यम से हिंदू समाज अपना आर्थिक सशक्तीकरण और सामाजिक विकास कर सकता है। उद्यमों और उद्यमिता को बढ़ावा देने के साथ हिंदू समुदाय सामूहिक रूप से आर्थिक वृद्धि को बढ़ावा दे कर अपना समृद्ध भविष्य सुनिश्चित कर सकता है। सहयोग व एकनिष्ठ प्रतिबद्धता की भावना से काम कर समुदायों और देशों ने अपनी आर्थिक शक्ति पुन: प्राप्त की है। यह सहयोगी दृष्टिकोण विश्व जीडीपी में महत्वपूर्ण योगदान करने के साथ हिंदू समाज की दृश्यमानता, स्वीकार्यता और सम्मान में व्यापक वृद्धि करेगा।

आज जब भारत दुनिया की तीसरी अर्थव्यवस्था बनने की ओर आगे बढ़ रहा है तब उसका ध्यान अतिरिक्त संपदा के सृजन तथा उसका साझा करने पर होना चाहिए। अपने ऐतिहासिक विवेक का प्रयोग कर, वैश्विक सहयोग को बढ़ावा दे कर तथा भविष्योन्मुखी सोच व भविष्य के उपयुक्त रणनीतियों को स्वीकार कर हिंदू समाज वैश्विक स्तर पर अपना आर्थिक सशक्तीकरण कर सामाजिक विकास कर सकता है।

इससे अंतत: भारत समेत सारी दुनिया के हिंदू समाज के साथ ही सारी दुनिया के विकास, समृद्धि तथा समावेशी समाज बनाने में सहायता मिलेगी।

कार्यस्थल मानकों का महत्व

कार्यस्थल शिष्टाचार शब्द कार्यस्थल और समाज में किसी व्यक्ति के अपेक्षित व्यवहार और क्रियाकलापों को संदर्भित करता है।

साक्षी सेठी
(लेखिका शिक्षाविद हैं)

कार्यस्थल पर शिष्टाचार कई कारणों से आवश्यक है, क्योंकि वे कार्य वातावरण के समग्र कामकाज और माहौल में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। एक छात्र से एक कामकाजी पेशेवर बनने का संक्रमण अपने साथ कई चुनौतियां लेकर आता है, जिसमें कार्यस्थल शिष्टाचार को अपनाने की आवश्यकता भी शामिल है।

बहुत चर्चा में रहा, कार्यस्थल शिष्टाचार शब्द कार्यस्थल और समाज में किसी व्यक्ति के अपेक्षित व्यवहार और क्रियाकलापों को संदर्भित करता है, जिसमें दूसरों के प्रति सम्मान दिखाना और हमेशा एक अच्छा व्यवहार बनाए रखना शामिल है, जिससे सभी के लिए एक आरामदायक वातावरण बनता है। यह विभिन्न स्थितियों में कार्यों के लिए एक मार्गदर्शिका है और नियोक्ता और सहकर्मियों के प्रति विनम्र रहते हुए उन स्थितियों से कैसे निपटना है। यह एक कार्यस्थल से दूसरे कार्यस्थल में भिन्न होता है और प्रत्येक संगठन के लिए एक मानचित्र के रूप में कार्य करता है।

अक्सर कहा जाता है कि पहली छाप हमेशा के लिए होती है और एक पेशेवर सेटिंग में, वे धारणाओं और अवसरों को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित कर सकते हैं। समय का पाबंद होना, उचित पोशाक पहनना और विनम्र अभिवादन सकारात्मक पहली छाप बनाने में मदद करते हैं। जब कर्मचारी इन व्यवहारों को प्रदर्शित करते हैं, तो वे अपने सहकर्मियों और संगठन के प्रति सम्मान प्रदर्शित करते हैं, जिससे शुरू से ही व्यावसायिकता का माहौल बनता है।

यह घटना एक सहकारी माहौल को बढ़ावा देती है, जहाँ कर्मचारी खुद को मूल्यवान महसूस करते हैं और उत्पादक रूप से एक साथ काम करने की अधिक संभावना रखते हैं। कुछ लोगों के लिए, यह नए अवसरों, पदोन्नति और करियर में उन्नति के द्वार भी खोल सकता है। नियोक्ता उन व्यक्तियों को महत्व देते हैं

जो कार्य वातावरण में सकारात्मक योगदान देते हैं और कंपनी का अच्छा प्रतिनिधित्व करते हैं। इस तथ्य से इनकार नहीं किया जा सकता है कि सम्मान और विश्वास किसी भी सफल व्यावसायिक संबंध की नींव हैं। कार्यस्थल शिष्टाचार का पालन करना जैसे कि सक्रिय रूप से सुनना, दूसरों को बाधित करने से बचना और योगदान को स्वीकार करना, आपसी सम्मान के माहौल को बढ़ावा देता है। यह सम्मानजनक व्यवहार सहकर्मियों के बीच विश्वास का निर्माण करता है, सहज सहयोग और सामंजस्यपूर्ण और कुशल टीमवर्क की सुविधा प्रदान करता है। एक संगठन जो उचित शिष्टाचार को बढ़ावा देता है और इसकी अपेक्षा करता है, उसे अधिक पेशेवर और प्रतिष्ठित माना जाता है। यह शीर्ष प्रतिभाओं, ग्राहकों के साथ-साथ व्यावसायिक भागीदारों को भी आकर्षित कर सकता है जो एक सम्मानजनक और अच्छे व्यवहार वाले संगठन से जुड़ना चाहते हैं।

अक्सर कहा जाता है कि एक बार विश्वास स्थापित हो जाने पर, संचार को बढ़ाता है और विचारों के खुले आदान-प्रदान को प्रोत्साहित करता है, जिससे अभिनव समाधान और बेहतर निर्णय लेने की ओर अग्रसर होता है। कार्यस्थल में शिष्टाचार का उपयोग यह सुनिश्चित कर सकता है कि हर कोई उत्पादक होने के साथ-साथ सहज महसूस करे। कार्यस्थल शिष्टाचार बनाए रखना यह सुनिश्चित करने में एक लंबा रास्ता तय करता है कि व्यक्ति सहकर्मियों और वरिष्ठों का सम्मान करे और व्यक्ति की पेशेवर छवि बेदाग रहे।

याद रखें, एक कर्मचारी बहुत अधिक मूल्यवान स्टाफ सदस्य होगा यदि वे सतर्क रहें, अपने आस-पास की बातचीत में शामिल हों और सामान्य प्रवचन में योगदान दें। निस्संदेह, किसी भी कार्यस्थल पर, संघर्ष अपरिहार्य हैं, लेकिन उचित शिष्टाचार उन्हें हल करने में मदद कर सकता है।

शांत और सम्मानजनक व्यवहार के साथ संघर्षों का सामना करना, सभी दृष्टिकोणों को सुनना और पारस्परिक रूप से लाभकारी समाधान खोजना, वृद्धि को रोकता है और सकारात्मक कार्य वातावरण बनाए रखने में मदद करता है। वृद्धि अंतिम उपाय होना चाहिए लेकिन यदि आवश्यक हो तो किसी को भी पीछे

आप की बात

बाइडेन का फैसला

बाइडेन द्वारा राष्ट्रपति पद की दौड़ से पीछे हटने व कमला हैरिस का नाम प्रस्तावित करने के बाद अब डेमोक्रेटिक पार्टी के नेशनल कन्वेंशन में उनके नाम पर मुहर लगनी लगभग तय मानी जानी चाहिए। बड़ी मुश्किल से राष्ट्रपति जो बाइडेन का एक्स पर पोस्ट आया कि वे व्हाइट हाउस की दौड़ से बाहर होना चाहते हैं और अपनी उप-राष्ट्रपति कमला हैरिस का नाम प्रस्तावित करते हैं। हालांकि, अब राष्ट्रपति चुनाव का ज्यादा समय नहीं बचा है और बाइडेन अपने बचे कार्यकाल का समय बकाया काम पूरे करने पर लगाने का इरादा प्रकट कर चुके हैं, इससे लगता है कि वे राष्ट्रपति पद के चुनाव प्रचार में भी कमला हैरिस को ज्यादा समय न दे सकें। ऐसे में डेमोक्रेटिक पार्टी को एकजुटता के साथ कमला हैरिस के नेतृत्व में डोनाल्ड ट्रंप एवं जे डी वेंस की जोड़ी को पराजित करने का प्रयास करना चाहिए। अनेक समस्याओं और चुनौतियों के बाद कमला हैरिस इस कारण लाभ की स्थिति में हैं कि वे अमेरिका में राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार बनने वाली पहली गैर-श्वेत महिला होंगी। ट्रंप तथा उनके सहयोगी वेंस ने गर्भपात के अधिकारों पर जैसा महिला-विरोधी दृष्टिकोण अपनाया है, उसे देखते हुए कमला हैरिस अधिकांश अमेरिकी व खासकर युवा महिलाओं का समर्थन प्राप्त कर सकती हैं।

-जंग बहादुर सिंह, जमशेदपुर

सब्जियों के दाम

बजट से पहले आम आदमियों का बजट बिगाड़ रही हैं हरी सब्जियां और आलू-टमाटर। हरी सब्जियों के भाव लाल हो रहे हैं, टमाटर खरीदने वालों के जेब खाली हो रहे हैं और लहसुन के भाव तो आसमान छू रहे हैं। सब्जियों के दाम 70-80 रूपये किलो से कम नहीं हैं और टमाटर कभी सौ तो कभी सौ के पार हो रहे हैं। इनकी देखादेखी आलू के भावों ने भी रंग बदलना शुरू कर हॉफसेंचुरी बना ली है। शायद ही किसी ने आलू के दाम 50 रुपये किलो तक पहुंचने की कल्पना की होगी। भावों की तेजी के कारण ठेला भरकर सब्जी लेकर गली, मोहल्लों, कालोनियों में ठेले पर सब्जी बेचने वाले भी 4.-6 गिनती की सब्जियां लाने लगे हैं। लहसुन के खुदरा भाव तो आसमान में उड़ने वाले बगुले के समान 250-300 रूपये किलो तक पहुँच गए हैं। सरकार को सब्जियों के भाव नियंत्रित करने के लिए कदम उठाने चाहिए तथा देखना चाहिए कि कहीं भारी मात्रा में जमाखोरी व कालाबाजारी तो नहीं हो रही है। यह भी कड़वा सच है कि उपभोक्ताओं पर पड़ने वाली भारी मार के साथ ही किसानों को लाभ नहीं मिल रहा है और बिचौलिये मालामाल हो रहे हैं। खेत से किचन के बीच फैले इन बिचौलियों को समाप्त करना होगा।

- शकुंतला महेश नेनावा, इंदौर

खैरातों की भरमार

महाराष्ट्र विधानसभा की 288 सीटों पर अक्टूबर में होने वाले चुनाव के लिए मुफ्त की योजनाओं या खैरातों पर विपक्षी दलों ने महाराष्ट्र सरकार को कटघरे में खड़ा किया है। सरकार द्वारा बेरोजगार युवाओं को 6,000 से लेकर 12,000 तक बेरोजगार भत्ता, 21 से 60 वर्ष आयु की महिलाओं को हर माह 1500 रुपये, अन्नपूर्णा योजना के तहत 3 गैस सिलेंडर मुफ्त व किसानों को मुफ्त बिजली जैसे वादे किए गए हैं। लोकसभा चुनाव से पहले ऐसी खैरातों से देश की अर्थव्यवस्था को होने वाले नुकसान पर बड़ी बहस हुई थी और इसे रेवड़ियों की संज्ञा दी गई थी। लेकिन आज इन मुफ्त की योजनाओं पर चुनाव वाले राज्यों की सरकारें दिल खोलकर पैसा लुटाने वाली हैं। महाराष्ट्र राज्य पर करीब 8 लाख करोड़ का कर्ज है, लेकिन सरकार की कोई चिंता नहीं दिखती है। इंडिया गठबंधन भी जल्द ही अपने घोषणापत्र में इससे भी बड़ी खैराती योजनाओं की घोषणा करेगा। ऐसे में राज्यों की ढांचागत विकास योजनाओं के लिए पैसा मिलना असंभव हो जाएगा। कर्नाटक की कांग्रेस सरकार और पंजाब की आम आदमी पार्टी-आप सरकार खैराती योजनाओं के बोझ से चरमरा रही हैं। लेकिन नेताओं को कुर्सी की चिन्ता ज्यादा है।

- वीरेंद्र कुमार जाटव, दिल्ली

तकनीक पर निर्भरता

क्राउड स्ट्राइक के एक अपडेट के कारण माइक्रोसॉफ्ट सर्विस आउटेज ने दुनिया भर में कंप्यूटर स्क्रीन ब्लू कर दीं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस-एआई के आने के बाद मानवमात्र की विभिन्न तकनीकों पर निर्भरता बढ़ती जा रही है। इसने मानव जीवन को सुविधापूर्ण और सुखी बनाया है। पढ़ाई व ईलाज से लेकर अंतरिक्ष तक आधुनिक तकनीक ने अपना चमत्कार दिखाया है। महाभारत काल में जैसे संजय ने युद्ध का वर्णन दिव्य दृष्टि से किया था। वैसी ही जादुई दृष्टि आज स्मार्टफोन और टीवी स्क्रीन के रूप में हर आदमी के पास पहुंच चुकी है। कई-कई दिनों का काम मिनटों में होने लगा है। शारीरिक श्रम कम होता जा रहा है और जीवन के हर क्षेत्र में मशीनें और तकनीकें हावी हो गई हैं। लेकिन माइक्रोसॉफ्ट आउटेज ने इसके खतरों का भी अनुभव करा दिया है। भविष्य में ऐसी दुर्घटनाओं से बचने की पुख्ता व्यवस्था वैज्ञानिकों को करनी होगी। इसके कारण करोड़ों रुपए के खर्च वाले अंतरिक्ष कार्यक्रम विफल हो सकते हैं और मरीजों की जान पर आ सकती है। ऐसे में नुकसान की भरपाई के लिए बीमा व्यवस्था भी करनी चाहिए।

-सुभाष बुडावन वाला, रतलाम

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से
responsemail.hindipioneer@gmail.com
पर भी भेज सकते हैं।

पुलिस की संयुक्त टीम ने 4 गौतस्करों को किया गिरफ्तार

संवाददाता। अमेठी

जनपद में अपराध एवं अपराधियों के धर पकड़ हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम मे सोमवार को थाना प्रभारी प्रेम चंद थाना मुंशीगंज मय हमराही तथा उ0नि0 अनूप कुमार सिंह प्रभारी स्वाट/सर्विलांस टीम जनपद अमेठी मय हमराही को देखभाल क्षेत्र के दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि ग्राम टण्डवा की बाग से गोवंशीय पशुओं को क्रूरतापूर्वक बांधकर उनका वध करने के लिये ग्राम लठहापुर की ओर आ रहे हैं। उक्त सूचना पर त्वरित कार्यवाही करते हुए लठहापुर तिराहे पर पहुंचकर सामने से आ रही पिकअप को रोक कर चेक किया गया तो चार गोवंश क्रूरतापूर्वक रस्सी से बंधे हुए पिकअप पर लदे मिले, जिसके साथ दो व्यक्ति खड़े हुए एवं दो व्यक्ति आगे पिकअप के अन्दर बैठे मिले।

नाम पता पूछने पर पीछे खड़े व्यक्तियों में एक ने अपना नाम दिलशाद खान पुत्र जब्बार खान निवासी चटिया हसनपुर थाना बंधुआकला जनपद सुल्तानपुर उम्र 35 वर्ष एवं दूसरे नाम अपना नाम राम भवन यादव पुत्र कृष्ण कुमार निवासी अहलाद का पुरवा मजरे कौहार थाना गौरीगंज जनपद अमेठी उम्र 30 वर्ष बताया। पिकअप की अगली सीट पर बैठे व्यक्ति ने अपना नाम उसमान अली उर्फ लल्लन पुत्र असगर अली निवासी भीटी कला पोस्ट बारीकला थाना कन्धई जनपद प्रतापगढ़ उम्र 28 वर्ष एवं ड्राइविंग सीट पर बैठे व्यक्ति ने अपना नाम रवीश पुत्र रामपती निवासी ढेबरा थाना जमालपुर जनपद मिर्जापुर उम्र 32 वर्ष बताया। तलाशी से दिलशाद खान के कब्जे से तरल द्रव्य से भरी हुई एक शीशी व दो सिरिंज बरामद हुई। पूछताछ में दिलशाद ने बताया कि यह बेहोशी की दवा है जिसे गौवंशों को लगाकर बेहोश कर देते हैं।

पिकअप पर लदी गायों के संबंध में पूछताछ में चारों ने बताया कि हमलोग गोवंशीय पशुओं को बिना नंबर प्लेट टाटा पिकअप पर लाद कर दूसरे जिलों में गोकसी हेतु ले जाते हैं । आज भी दिलशाद खान व राम भवन यादव ने मिलकर टण्डवा गांव की बाग में गोवंशीय पशुओं को इकट्ठा कर ले जा रहे थे। पिकअप वाहन की तलाशी से पिकअप में रखे गोवध करने के उपकरण दो अदद चापड़, लकड़ी का एक ठीहा, लोहे का एक तराजू, एक किलो का बाट, नायलान की रस्सी, काली पन्नी का एक पैकेट, नेवार के दो बण्डल बरामद हुए।

बिना नंबर प्लेट पिकअप वाहन के संबंध में चारों ने बताया कि यह पिकअप तरुण पटेल निवासी बड़ेगांव बावतपुर थाना बड़ागांव जनपद वाराणसी का है । पिकअप के कागज मांगने पर दिखा न सके । पुलिस द्वारा मौके से उक्त चारों व्यक्तियों को गिरफ्तार कर वैधानिक कार्यवाही कर जेल भेज दिया गया ।

संपूर्ण समाधान दिवस पर एसपी व सीडीओ ने सुनीं लोगों की शिकायतें

अमेठी। जनसामान्य की शिकायतों के त्वरित निस्तारण के उद्देश्य से आज जनपद की चारों तहसीलों में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। तहसील गौरीगंज में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस के दौरान पुलिस अधीक्षक अनूप कुमार सिंह व मुख्य विकास अधिकारी सूरज पटेल ने जनसामान्य की शिकायतों को सुना एवं मौके पर ही उनके निस्तारण हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। आज तहसील गौरीगंज में कुल 22 शिकायतें प्राप्त हुई जिनमें 04 शिकायतों का मौके पर निस्तारण कराया गया, तहसील अमेठी में 33 शिकायतें प्राप्त हुई जिनमें 3 का निस्तारण किया गया, तहसील तिलोई में 26 शिकायतें प्राप्त हुई जिसमें 01 का निस्तारण किया गया तथा तहसील मुसाफिरखाना में 37 शिकायतें प्राप्त हुई जिसमें से 4 शिकायतों का निस्तारण किया गया तथा शेष शिकायतों के निस्तारण हेतु पुलिस और राजस्व की संयुक्त टीमें मौके पर भेजी गई। संपूर्ण समाधान दिवस के दौरान मुख्य विकास अधिकारी ने समस्त जनपदीय अधिकारियों को निर्देश दिए की सभी अधिकारी अपने-अपने कार्यालय में प्रात: 10 बजे से 12 बजे तक जन समस्याओं को सुनें तथा उनका प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण करना सुनिश्चित करें। सम्पूर्ण समाधान दिवस के दौरान एसडीएम गौरीगंज दिग्विजय सिंह, तहसीलदार गौरीगंज सहित जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

श्रावण के प्रथम सोमवार को डीएम-एसपी ने तामेश्वरनाथ धाम पहुंचकर लिया जायज़ा

संवाददाता। संतकबीरनगर

जिलाधिकारी महेंद्र सिंह तंवर व पुलिस अधीक्षक सत्यजीत गुप्ता ने पौराणिक तामेश्वरनाथ धाम में श्रावण मास के प्रथम सोमवार को शिव भक्तों द्वारा जलाभिषेक करने के अवसर पर तामेश्वरनाथ धाम पहुंचकर तामेश्वरधाम परिसर मे श्रद्धालुओं के आवागमन की समुचित व्यवस्था सहित श्रावण मास, कॉवड़ यात्रा आदि के सम्बन्ध मे व्यवस्थाओं की जानकारी लेते हुए मेला परिसर में भ्रमण कर कानून व्यवस्था की जानकारी लिया एवं मन्दिर मे आने वाले श्रद्धालओं की सुरक्षा व्यवस्था व भीड़ प्रबन्धन हेतु सम्बन्धित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

अधिकारीद्वय ने जलाभिषेक के लिए लगने वाली लाइन की बैरिकेटिंग व रुट डायवर्जन के बारे मे भी जानकारी ली। जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने बाबा तामेश्वरनाथ धाम में आये हुए नागरिको/श्रद्धालुओं से आपसी सौहार्द एवं शांति व्यवस्था का अनुपालन करते हुए भगवान शिव का जलाभिषेक करने की अपील की। जिलाधिकारी द्वारा मेला स्थल के आसपास सीसीटीवी लगवाने, अग्निशमन दल व वालेण्टियर्स की सेवा लेने के साथ ही खोया पाया कैम्प आदि के संबंध में भी आवश्यक दिशा निर्देश देने के साथ-साथ प्रशासनिक एवं सुरक्षा व्यवस्था मे लगाये गये अधिकारियों को संवेदनशील रहने के भी निर्देश दिये।

निरीक्षण के क्रम में अपर जिलाधिकारी जयप्रकाश एवं अपर पुलिस अधीक्षक शशि शेखर सिंह द्वारा भी तामेश्वरनाथ धाम पहुंचकर मंदिर पांडाल, पोखरा आदि के आसपास सुरक्षा व्यवस्था प्रबंधन का निरीक्षण करते हुए जायजा लिया गया तथा संबंधित अधिकारियों, कर्मचारियों को निर्देशित किया गया कि पूजा-अर्चना तथा जलाभिषेक के दौरान शिव-भक्तों को कोई असुविधा न हो इस बात का विशेष ध्यान दिया जाए। इस अवसर पर कानून एवं सुरक्षा व्यवस्था के सुचारू संचालन में लगाए गए अधिकारी/कर्मचारी सहित अन्य संबंधित आदि उपस्थित रहे।

साथियों ने चाकू से घायल कर तीन लाख अस्सी हजार लूटे

●कार में मरणासन्न हालत में छोड़ कर भाग निकले साथी

जगदीशपुर। भारतीय स्टेट बैंक से साथी के साथ कार पर सवार होकर घर जाते समय रास्ते मे कार पर सवार साथियों द्वारा चाकू की नोक पर गमछे से गला दबाकर मरणासन्न कर सड़क के किनारे फेक कर तीन लाख अस्सी हजार रुपए की लूट कर मौके से भाग गए घटना की जानकारी होने पर क्षेत्राधिकारी मुसाफिरखाना व कोतवाल जगदीशपुर ने घटना स्थल का निरीक्षण कर नामजद अभियुक्तों की तलाश जारी की है।

मिली जानकारी के अनुसार सर्वेश कुमार निवासी पूरे पराग पांडेय अचलपुर कोतवाली क्षेत्र के आनन्द नगर चौराहे पर भारतीय स्टेट बैंक की ग्राहक सेवा केंद्र खोल रखा है जो सोमवार की शाम लगभग चार बजे सेवा केंद्र बन्द कर अपनी बाइक से बैंक पैसा निकालने आ रहे थे कि रास्ते मे अनिल कुमार मिश्र व एक अन्य साथी के साथ चार पहिया वाहन से आते समय सर्वेश कुमार को बैक चलने की बात कह अपने कार में बैठा लिया वापस जाते समय जायस रोड स्थित महमदपुर गांव के निकट साथियो ने सर्वेश कुमार को चाकू की नोक पर गमछे से गला दबाकर तीन लाख अस्सी हजार रुपए लूट कर सड़क के किनारे घायलावस्था मे फेककर भाग जाने में सफल रहे राहगीरो ने घायल सर्वेश कुमार को देख परिवारीजनों को सूचना दी मौके पर पहुचे घर वालो ने घायल को अस्पताल पर भर्ती कराया जहाँ हालत गम्भीर देख डॉक्टरो ने ट्रामा सेंटर रिफर किया है। इस सम्बंध में कोतवाल राकेश सिंह ने बताया कि घटना की जानकारी मिली तहरीर मिलने पर आगे की कार्यवाही की जाएगी।

अनुसूचित जाति के कृषक पट्टे की भूमि पर गजब का खेल, छह बार बिकी भूमि

संवाददाता। डलमऊ, रायबरेली

अनुसूचित जाति के गरीब परिवार के मुखिया को शासन की ओर से भूमि प्रबंधन सीमित की सिफारिश पर जीविकोपार्जन हेतु कृषि या भूमहीन दलित वर्ग के परिवारों के उत्थान हेतु आवासीय पट्टा आवंटित किया जाता है राजस्व नियमावली के अनुसार ऐसी पट्टे की आवंटित भूमि को एक निश्चित अवधि तक विक्रय करने का कोई भी प्राविधान नहीं है और निश्चित अवधि के उपरांत जिलाधिकारी के समक्ष जायज कारण को दर्शाने के उपरांत अनुमति के बाद केवल अनुसूचित वर्ग के गरीब लोगों के हाथों बिक्री की जा सकती है।

पर डलमऊ तहसील के सराय दिलावर ग्राम सभा में एक ऐसा मामला प्रकाश में आया है जहां पटटे की भूमि को पट्टा कराने के उपरांत पट्टाधारक द्वारा बेंच डाला गया और फिर वरासत करा उसके वारिसनो ने उसी भूमि को अनुसूचित जाति के लोगों के हाथ बेंच डाला गया.हालांकि पूर्व में हुए विक्रय पत्रों को नजरअंदाज कर लेखपाल द्वारा वरासत करना भी जांच के दायरे में होना चाहिए था जो नही हुआ जबकि इसकी जांच कर अमल दरामत करना तहसीलदार न्यायालय का अधिकार होना चाहिए।

सराय दिलावर में गाटा संख्या 84 ,85 व 87 जिसका रकबा क्रमश: 0.0280,0.0190 व 0.0210 कृषक पट्टे की भूमि कोराजस्व नियमावली को दरकिनार करते हुए अब तक कुल छ: बार बिक्री किया जा चुका है जिसमे गाटा संख्या 87 का दो बार विक्रय व गाटा संख्या 84चार बार अवैध विक्रय किया जा चुका है गाटा संख्या 87 को सहारनपुर जिला निवासी सत्यपाल अग्रवाल पुत्र रतिपाल व गाटा संख्या 84 को श्रीमती लक्ष्मीना यादव पत्नी समरजीत यादव को पट्टाधारक ने अवैध रूप से बिक्रय पत्र के माध्यम से जारी किया और बाद में पट्टाधारक के वारिसनो द्वारा वरासत कराकर अलग अलग नाम के अनुसूचित जाति की जानकी पुत्री पारस लाल निवासी अयोध्या जिला फैजाबाद व रामरती पत्नी शिवशंकर निवासी लुक चांदपुर के हाथों विक्रय किया गया।

सोमवार को अपर जिलाधिकारी द्वारा विवादित व कृषक पट्टे की भूमि की शिकायतें मिलने के बाद स्वयं जांच करते हुए स्थलीय निरक्षण किया जहां नायब तहसीलदार शिवम सिंह व लेखपाल अजय द्वारा पूरे विवादित मामले से अपर जिलाधिकारी को अवगत कराया गया।

हालांकि अपर जिलाधिकारी ने मामले पर चुप्पी बनाये रखी .क्या कृषक पट्टे की भूमि पर अपर जिलाधिकारी द्वारा राजस्व नियमावली के अनुपालन करते हुए पट्टा निरस्त करने की कार्यवाही की जाएगी या उस पर लीपापोती करते हुए मामले पर ढुलमुल रवैया बनाये रखेगी ये तो वक्त के गर्भ में है।

डीएम-एसपी ने सुनीं जनता की समस्याएं

संतकबीरनगर। जिलाधिकारी महेन्द्र सिंह तंवर व पुलिस अधीक्षक सत्यजीत गुप्ता द्वारा सम्पूर्ण समाधान दिवस पर संयुक्त रुप से तहसील धनघटा पर पहुँचकर पुलिस एवं राजस्व विभाग के अधिकारियों की उपस्थिति में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। जहां पर फरियादियों से उनकी समस्याओं को मौके पर सुना गया तथा वहां मौजूद संबंधित राजस्व और पुलिस विभाग के अधिकारियों को मौके पर जाकर शिकायतों का शत प्रतिशत गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करने के निर्देश दिए, राजस्व और पुलिस विभाग से सम्बन्धित शिकायतों का निस्तारण आपसी सामंजस्य से सुनिश्चित किया जाये, इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही क्षम्य नहीं होगी।

अयोध्या धाम में सात भव्य जैनेश्वरी आर्यिका दीक्षा कार्यक्रम संपन्न हुआ

अयोध्या। भगवान ऋषभदेव दिगम्बर जैन मंदिर, बड़ी मूर्ति, रायगंज अयोध्या में प्रात: काल श्रीजी के अभिषेक से प्रारंभ हुआ दिवस। सात ब्रह्मचारिणी बहनों ने संयम के पथ को अंगीकार किया, जिसमें सर्वप्रथम विशाल पाण्डाल में ब्रह्मचारिणी बहनों ने पूज्य गुरुमां गणिनीप्रमुख श्री ज्ञानमती माताजी को आर्यिका दीक्षा के लिए श्रीफल समर्पित किया। पूज्य माताजी ने सभी के मस्तक पर केशलोंच प्रारंभ करने की विधि सम्पन्न की, जिसके अन्तर्गत अपने हाथों से अपने लम्बे-लम्बे केशों को उखाड़ना होता है। पांच बहनों ने आर्यिका दीक्षा के व्रत अंगीकार किये एवं 2 महिलाओं ने क्षुल्लिका दीक्षा के व्रत ग्रहण किए।

केशलोंच सम्पन्न होने के पश्चात् पूज्य गुरुमाँ ने सभी के मस्तक पर हाथ रखकर संस्कार आरोपित किए, व्रत ग्रहण करवाए एवं सभी ब्रह्मचारिणी बहनों को दीक्षा के पश्चात् नवीन नाम प्रदान किए एवं इन दीक्षार्थियों के माता-पिता बनाने का जैन आगम में विधान आया है, उस क्रम में शोभा पहाड़े के माता-पिता बनने का सौभाग्य सौ. पद्मा विकास पहाडे प्राप्त किया। दीक्षार्थियों को दीक्ष के पूर्व मंगल स्नान कराया गया। दीक्षा से पूर्व सभी ब्रह्मचारिणी बहनों ने मंच पर पंचामृत अभिषेक सम्पन्न किया एवं पूज्य माताजी से जैनेश्वरी दीक्षा के लिए अनुरोध किया कि मुझे संसार सागर से पार करने वाली जैनेश्वरी दीक्षा प्रदान करें व सभी परिवारजनों व समाज से क्षमायाचना की। सर्वप्रथम दीक्षा के प्राप्त करने के पश्चात सभी को नवीन नाम दिए गए।

चांदनी हत्याकांड की हकीकत से रूबरू होने सपा का प्रतिनिधिमंडल पहुंचा चुरूवा गांव

संवाददाता। बछरावां, रायबरेली

बीते कई दिनों से थाना क्षेत्र का चुरूवा गांव चांदनी हत्याकांड के बाद सामाजिक एवं राजनीतिक गलियारो से लेकर प्रदेश की राजधानी तक चर्चा का विषय बना हुआ है। आए दिन इस हत्याकांड में पुलिस की कार्यशैली से नाराज आम जनमानस के बीच नेताओं का जमावड़ा लगा रहा हैस इसी कड़ी में सोमवार सुबह तकरीबन 11:00 के आसपास समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देशन में समाजवादी पार्टी का 10 सदस्यीय एक प्रतिनिधि मंडल चुरुवा गांव पहुंचा।

चुरुवा गांव पहुंचकर प्रतिनिधि मंडल ने चांदनी सिंह उर्फ चंद्रा रावत की उसके पति जीतू सिंह तथा अन्य शराबी साथियों द्वारा दुराचार कर हत्या कर देने के मामले के उपरांत थाना अध्यक्ष विजेंद्र शर्मा की अगुवाई में पोस्टमार्टम कराकर रात में ही डेड बॉडी को पुलिस द्वारा पेट्रोल डालकर जला दिए जाने के संदर्भ में जांच तथा शोकाकुल परिवार एवं ग्रामीणों से मुलाकात की।

इस संबंध में अधिक जानकारी देते हुए समाजवादी पार्टी के जिला अध्यक्ष वीरेंद्र यादव ने बताया कि हमारी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने चुरुवा गांव में घटित हुई चांदनी हत्याकांड की घटना को संज्ञान में लेते हुए वरिष्ठ विधायकों एवं पार्टी के वरिष्ठ नेताओं का एक 10 सदस्यीय प्रतिनिधि मंडल आज चुरूवा गांव भेजा है।

परंतु रायबरेली की पुलिस का हिटलर शाही रवैया है क्योंकि घटना की जानकारी होने के पश्चात रायबरेली के पुलिस अधीक्षक अभिषेक अग्रवाल चुरूवा गांव आते हैं परंतु ग्रामीणों की बात सुने बिना ही वह कहते हैं कि अगर ज्यादा कुछ कहोगे तो उठाकर बंद कर दूंगा। साथ ही साथ उन्होंने घटनाक्रम के समय मौजूद थाना प्रभारी विजेंद्र शर्मा पर भी गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि चांदनी की लाश रात में जलाकर उन्होंने पूर्ण रूप से सनातन संस्कृति का अपमान करते हुए सनातन पर कुठाराघात किया है क्योंकि सनातन धर्म में सूर्यास्त के बाद चिता को मुखाग्नि नहीं दी जाती है।

और बछरावां पुलिस द्वारा किया गया यह कार्य निंदनीय एवं अक्षम्य है। इसी कड़ी में उन्होंने यह भी कहा कि हमारी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की यही मांग है कि इस घटना में संलिप्त सभी आरोपियों को कठोर से कठोर सजा दी जाए ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सके।

अघोषित बिजली कटौती व नहरों में पानी न आने को लेकर दिया ज्ञापन

सलोन। सलोन में अघोषित बिजली कटौती, नहरों में पानी न आने से नाराज़ कांग्रेस के पूर्व विधानसभा प्रत्याशी अर्जुन पासी ने सौंपा एसडीएम को ज्ञापन सलोन विधानसभा में हो रही अघोषित बिजली कटौती, नहरों में पानी न आने,खाद की कालाबाजारी को बंद करने व सभी समितियों में खाद की उपलब्धता सुनिश्चित करने जैसे कई गंभीर किसान हितैषी मुद्दों को लेकर एसडीएम सलोन को ज्ञापन सौंपा वहीं किसानों के मुद्दों का निस्तारण एक हफ्ते में न होने पर एसडीएम सलोन को दी आंदोलन की चेतावनी ।मीडिया से बात करते हुए कहा की हम किसानों के मुद्दों को लेकर एक बड़ा जन आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे और जिसके जिम्मेदार भाजपा सरकार व शासन प्रशासन होगा। कार्यक्रम में सलोन ब्लाक अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह, छतोह ब्लाक अध्यक्ष विशुन कांत मिश्र, डीह ब्लाक अध्यक्ष शिवदर्शन पासी , किरन देवी, राजीव दिवेदी,आनन्द सूरज यादव, निजाम अंसारी, आदिल अता, जितेन्द्र सिंह, बबलू पटेल, इरफान सिद्दिकी, आशीष सिंह, तेजभान सिंह, मोहित मिश्र, आशीष पाण्डे, लखन लाल, लाल जी, आदि सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

कस्बे में चोरों ने एक ही रात कई घरों को निशाना बना पार किया लाखों का माल

लालगंज, रायबरेली। कस्बे में एक ही रात चोरों ने 10 घरों को निशाना बनाते हुए लाखों का माल पार कर दिया। एक साथ हुई चोरियों की वारदात से पुलिस की रात्रिगस्त की पोल खुल गई वही लोगो में अपने घरो की सुरक्षा को लेकर दहशत व्याप्त है। जानकारी के अनुसार चोरो ने कस्बे के चमनगंज व शांती नगर मोहल्ले को अपना निशाना बनाया है। चमनगंज के रहने वाले संतोष कुमार पुत्र जगन्नाथ के घर चोर जीने के रास्ते नीचे उतरे और कमरो का ताला तोड़कर उसमें रखे सोने की झुमकी, पायल आदि उठा ले गये। वारदात की रात घर के सदस्य विभिन्न कमरो में सो रहे थे। इसके बाद चोर पड़ोस के बंद पड़े घर में पहुंचे जहां जीने के रास्ते नीचे उतरकर चोरो ने तीन कमरो का ताला तोड़ा व उनमें रखा सामान पार कर दिया। मकान स्वामी छोटे श्यामू कनौजिया मुम्बई में रह रहे है जिसके चलते चोरी गये सामान की वास्तविक जानकारी नही हासिल हो सकी। वही सुहाई बाग के रहने वाले नीरज श्रीवास्तव के बंद पड़े घर में भी चोरो ने धावा बोला और कमरो आदि का ताला तोड़कर उसमें रखा कीमती सामान पार कर दिया।

वही कस्बे के शांती नगर मोहल्ले में भी चोरो ने आधा दर्जन घरो को अपना निशाना बनाया। पीड़ित अशोक मौर्य पानी पूरी बेचने का कार्य करता है। किराये के कमरे का ताला बंद कर वह अपने पैतक गांव उरई गया था। चोरो ने कमरो का ताला बंद कर 2000 की नकदी समेंत पायल व अन्य सामान पार कर दिया। वही अंकित पुत्र रमेश कनौजिया के बंद घर का भी चोरो ने ताला तोड़ दिया और वहां रखे 5 हजार की नकदी समेंत टप्स, पायल आदि उठा ले गये। शांती नगर के ही रहने वाले रवी गुप्ता परिवार के साथ छत पर सो रहे थे इसी बीच चोरो ने कमरो का ताला आदि तोड़कर उसमें रखे 2 हजार नकद समेंत लैपटाप, बिछिया, मंगलसूत्र, पायल आदि उठा ले गये। एक साथ चोरो ने आधा दर्जन से अधिक घरो को निशाना बनाकर पुलिस की रात्रिगस्त की पोल खोलकर रख दी है।

जिलाधिकारी हर्षिता माथुर ने समाधान दिवस पर सुनीं जनता की फरियादें

संवाददाता। ऊंचाहार

शनिवार की दोपहर तहसील सभागार में जिलाधिकारी की अध्यक्षता में आयोजित समाधान दिवस सम्पन्न हुआ, इस दौरान कुल 140 शिकायती पत्र आये, जिसमें 21 शिकायती पत्रों का मौके पर निस्तारण किया गया।बाकी शिकायतों के गुणवत्तापरक निस्तारण के निर्देश दिए गए हैं। लोकसभा चुनाव के बाद जिलाधिकारी की उपस्थिति होने के चलते बड़े पैमाने पर फरियादियों का जमावड़ा रहा। ज्यादातर शिकायतें राजस्व व विकास विभाग की रहीं।

जिस पर बीडीओ कामरान नेमानी को जिलाधिकारी ने मामलों के निस्तारण के शिथिलता बरतने पर कड़ी फटकार लगाई। कमोली ग्राम पंचायत की प्रधान प्रदीप्ता सिंह ने चकरोड निर्माण में गाँव के ही दो लोगों पर अवरोध उत्पन्न करने का आरोप लगाते हुए शिकायत की,मनऊ का इंदारा गाँव निवासी मीरा देवी ने भूमिधरी जमीन पर पांच लोगों पर कृषि कार्य में अड़ंगा लगाने का आरोप लगाते हुए शिकायत की,पिपरहा मजरे ऊंचाहार देहात निवासी श्यामलाल जो विकलांग है उसने सगे भाइयों पर बंटवारे के वाद के दौरान हिस्से की जमीन पर जबरन कब्जा करने का आरोप लगाते हुए शिकायत की,पूरे राठौर मजरे ऊंचाहार देहात निवासी रामसिंह ने आवास के लिए भूमि आबंटन कराये जाने का प्रार्थना पत्र दिया।

पूरे बल्दी मजरे मिर्जापुर एहारी निवासी राजकुमार ने गांव के ही आधा दर्जन से अधिक लोगों पर शिव चबूतरा तोड़ने का आरोप लगाते हुए शिकायत की,पूरे कांजी, कमालपुर, लक्ष्मणगंज गांव के रहने वाले गोपाल द्विवेदी,कुलदीप, रामलोचन सिंह, श्रीराम पाण्डेय आदि ग्रामीणों ने शिकायती पत्र देकर बताया कि गंगा एक्सप्रेस वे के निर्माण के चलते जलनिकासी की व्यवस्था अवरुद्ध हो गई, जिससे किसानों के खेतों में जलभराव हो गया और आने वाले समय में लोगों के घरों में पानी घुसेगा। ग्रामीणों ने समस्या से निजात दिलाने की मांग की,इटौरा बुजुर्ग ग्राम पंचायत के रामनरेश, राम लौटन आदि ने राजस्व ग्राम रामगंज में चकबंदी कराये जाने को प्रार्थना पत्र दिया।

न्यू स्टैंडर्ड बालिका विद्या मन्दिर में सजा भोलेनाथ का भव्य दरबार

रायबरेली। न्यू स्टैण्डर्ड बालिका विद्या मन्दिर रायबरेली में सावन माह के प्रथम सोमवार के अवसर पर भगवान भोलेनाथ शिवजी की आकर्शक झाँकी सजायी गयी।जिसमें विद्यालय प्रधानाचार्य तारकेश्वर सिंह जी, हेड-मिस्ट्रेस संध्या अग्रवाल और सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं छात्र-छात्राओं ने श्रद्धा भक्तिपूर्वक गौरापति शिवजी का पूजनकर उनका आशीश प्राप्त किया। इस सुअवसर पर स्कूल की छात्राओं द्वारा प्रस्तुत किया गया हर-हर शम्भू शिव महादेवा शम्भू..... गीत सुनकर सम्पूर्ण विद्यालय प्रांगण हर-हर महादेव के जयकारों से गूंज उठा। विद्या मन्दिर के प्रांगण को शिव मन्दिर जैसा आकर्शक रूप देने में एक्टिविटी इंचार्ज प्रमांशु श्रीवास्तव के कुशल निर्देशन में सार्थक षुक्ला, भावना श्रीवास्तव, दीपाजंलि सिंह, अनामिका मिश्रा और उनके सहयोगी साथियों का सराहनीय योगदान रहा। अन्त में प्रधानाचार्य ने बच्चां के प्रति अपने संबोधन में कहा कि सावन माह का सोमवार बहुत ही खास माना जाता है, ऐसा कहा जाता है कि इस दिन जप, तप और ध्यान करना बहुत ही अच्छा होता है। मान्यता है कि ऐसा करने से भोलेनाथ सभी दुखों से छुटकारा दिलाते हैं और घर में सुख-समृद्धि व खुशहाली आती है।

अभाविप साकेत महाविद्यालय इकाई ने प्रदर्शन कर प्राचार्य को सौंपा ज्ञापन

संवाददाता। अयोध्या

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद अयोध्या महानगर के साकेत महाविद्यालय इकाई द्वारा आंदोलन व प्रदर्शन कर ज्ञापन सौंपा गया। जिस पर प्राचार्य ने 15 दिन के भीतर समस्याओं के निस्तारण का आश्वासन दिया,अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ता सुबह से ही आक्रोशित थे उन्होंने प्राचार्य कार्यालय का घेराव किया व नारेबाज़ी की। ज्ञात है कि पूर्व में भी साकेत महाविद्यालय इकाई द्वारा कई बार ज्ञापन व मांग पत्र के माध्यम से महाविद्यालय की समस्याओं के बारे में प्राचार्य व प्रशासन को अवगत कराया गया था। लेकिन उस पर कोई कार्यवाही नहीं हुई। जिससे आक्रोशित होकर कार्यकर्ताओं ने आंदोलन शुरू कर दिया। कार्यकर्ताओं ने बुद्धि शुद्धि यज्ञ भी किया।

कार्यकर्ताओं ने छह सूत्रीय मांगपत्र प्राचार्य को सौंपा है। प्राचार्य ने छह सूत्रीय मांग पत्र पर बिंदुवार कार्यकर्ताओं को समस्याओं के निस्तारण का भरोसा दिलाया, शौचालय, पेयजल एवं जर्जर भवन के विषय में प्राचार्य ने अतिशीघ्र समिति बनाकर 5 दिन के भीतर इसके निस्तारण का भरोसा दिलाया तथा,छात्रावास ख़ाली कराने को लेकर भी प्राचार्य ने मुख्यमंत्री व राज्यपाल व जिला प्रशासन को फिर से पत्र भेजने का भी भरोसा कार्यकर्ताओं को दिलाया।

शुल्क वापसी के संबंध में प्राचार्य को अवगत कराया,प्राचार्य ने कहा सभी का डेटा फीड होकर अतिशीघ्र शुल्क वापसी की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी,टेबलेट एवं स्मार्टफ़ोन के विषय में प्राचार्य ने बताया कि ये एक बार डेटा विश्वविद्यालय द्वारा निरस्त कर दिया गया था फिर से डेटा फीड कराकर शासन को भेजा गया है अतिशीघ्र वितरण भी शुरू हो जाएगा।

साकेत इकाई अध्यक्ष मानवेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि प्राचार्य महोदय के द्वारा लगातार हमारी मांगों को अनसुना किया जा रहा था जिससे आक्रोशित होकर कार्यकर्ताओं ने आंदोलन का निर्णय लिया प्राचार्य महोदय ने हमें समस्याओं के निस्तारण का भरोसा दिलाया है

डीएम ने जिलास्तरीय संपूर्ण समाधान दिवस में अकबरपुर में सुनी लोगों की समस्याएं, निस्तारण के दिए निर्देश

● भूमि विवाद से संबंधित मामलों में प्रशासन एवं पुलिस की संयुक्त टीम मौके पर जाकर करायें निस्तारण ●अधिकारी शिकायतों का ससमय, गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करें : डीएम ●जिला स्तरीय सम्पूर्ण समाधान दिवस में प्राप्त 184 शिकायतों में से 06 का हुआ मौके पर निस्तारण

जिलास्तरीय संपूर्ण समाधान दिवस में अकबरपुर तहसील में समस्यायें सुनते डीएम व एसपी

कानपुर देहात। जिला स्तरीय संपूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर डीएम आलोक सिंह ने तहसील अकबरपुर में लोगों की समस्याओं को सुनकर गुणवत्तापूर्ण, संतुष्टिपरक, त्वरित निस्तारण हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। जिलास्तरीय संपूर्ण समाधान दिवस में कुल 184 शिकायतें प्राप्त हुई, मौके पर 06 शिकायतों का निस्तारण किया गया। शिकायतें मुख्यत: राजस्व से 129, पुलिस से 12, विकास 9, विद्युत से 10, पीओ डूडा 6, नगर निकाय 5, समाज कल्याण 4 व अन्य 9, डीपीआरओ, जल निगम, बेसिक शिक्षा आदि विभगों से संबंधित रहीं।

प्राप्त समस्याओं/शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण निस्तारण पर सभी अधिकारी विशेष ध्यान देंए शिकायतों के निस्तारण में किसी प्रकार की लापरवाही पाए जाने पर कठोर कार्यवाही की जाएगी। भूमि विवाद से संबंधित मामलों में प्रशासन एवं पुलिस की संयुक्त टीम मौके पर जाकर निस्तारण कराना सुनिश्चित करेंए छोटे.छोटे मामलों को भी गंभीरता पूर्वक लेकर आवश्यक कार्यवाही की जायें। तहसील समाधान दिवस के अवसर पर विभिन्न विभागों की शिकायतें डीएम के समक्ष लोगों द्वारा रखी गई, डीएम ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित कराकर, निस्तारण आख्या से जिला प्रशासन को अवगत कराने के निर्देश दिये। तहसील दिवस में पुलिस अधीक्षक बीबीजीटीएस मूर्ति द्वारा भी पुलिस से संबंधित शिकायतों को सुन कर निस्तारण हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया। मौके पर सीएमओ डा. एके सिंह, एसडीएम अकबरपुर अवनीश कुमार, क्षेत्राधिकारी अकबरपुर तनु उपाध्याय, तहसीलदार अकबरपुर, परियोजना अधिकारी वीरेन्द्र कुमार, डीपीआरओ, डीडीएजी, समाज कल्याण अधिकारी, कृषि अधिकारी, जिला खाद्य विपणन अधिकारी सहित अन्य जिलास्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

डीजल चोरी करते चालक व खलासी को पकड़कर पुलिस के हवाले किया

मौदहा, हमीरपुर। अपने ही ट्रक से डीजल चोरी करने वाले चालक व खलासी को मालिक ने रंगे हाथ पकड़ कर पुलिस के हवाले कर दिया। कोतवाली पुलिस ने आरोपी चालक व खलासी के खिलाफ मामला दर्ज कर उन्हें जेल भेज दिया है। गल्ला मंडी थाना नौबस्ता जनपद कानपुर के राजेश वर्मा ने राजमार्ग में ग्राम छिरका के पास रविवार की रात उनका ही ट्रक चला रहे चालक नरेंद्र कुमार निवासी छिरका व हरि नाम सिंह निवासी ग्राम पैलावर कानपुर देहात को एक व्यक्ति की मदद से अपने ही ट्रक से डीजल चोरी करते समय रंगे हाथ पकड़ लिया जिस पर राजेश समेत वहां मौजूद अन्य लोगों ने आरोपियों की अच्छी खासी धुनाई कर उन्हें पुलिस के हवाले कर दिया। कोतवाली पुलिस ने आरोपियों के पास से एक पिपिया में 25 लीटर चोरी किया गया डीजल, एक सटक व एक कीप बरामद की है।

प्रथम सोमवार को भक्तो ने व्रत रखकर मंदिरों में शिव मंदिर में भोलेनाथ के किए दर्शन

संवाददाता। फर्रुखाबाद

भगवान शिव शंकर का प्रिय सावन महीना प्रारंभ हो चुका है। आज सावन का पहला सोमवार है। इसे लेकर जिलेभर में भारी उत्साह है और सोमवार को विभिन्न मंदिरों में पूजा अर्चना के लिए भीड़ उमड़ी। श्रावण मास के प्रथम दिन सोमवार को शहर के प्रमुख शिवालयों में बाबा के दर्शन और जलाभिषेक के लिए भक्त भोर पहर से मंदिर पहुंचे।

बोल-बम के जयकारों के बीच भक्तों ने बाबा का विधिवत पूजन अर्चन किया। शहर के पांडेश्वर नाथ मन्दिर रेलवे रोड, कोतवालेश्वर महादेव घुमना, महाकाल मन्दिर अंगूरीबाग, रत्नेश्वर महादेव कादरी गेट, भूतेश्वर महादेव आवास विकास, मोटे महादेव नुनहाई कटरा, द्वादश ज्योतिर्लिंग पंडाबाग, पुठरी शिव मंदिर नवाबगंज, महाकालेश्वर कम्पिल, पत्थरवाले महादेव माधवपुर, शिव शक्ति महाकाल मन्दिर सेट्रल जेल रखा रोड़ विजाधरपुर में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी।

शहर में सर्वाधिक भीड़ पांडेश्वर नाथ मन्दिर में नजर आयी। हाथों में जलाभिषेक के लिए गंगा जल से भरा लोटा और पुष्प तथा बेलपत्र लिए भक्तों की कतार और जयकारों की गूंज वातावरण को भक्तिमय बना रही थी । जहाँ गर्भगृह से सड़क तक लम्बी कतार शिवभक्तों की नजर आयी। भक्तों ने महादेव पर गंगाजल और बेल पत्र अर्पित कर भक्त सुख-समृद्धि और परिवार कल्याण की प्रार्थना की। शहर के सभी शिवालयों में हर-हर महादेव के जयकारों की गूंज रही। मंगला आरती के बाद भक्तों ने बेलपत्र, पुष्प और गंगाजल से महादेव का अभिषेक किया।

कलश यात्रा के दौरान गूंजे हर हर महादेव के उद्घोष

नगर में कलश यात्रा निकालते श्रद्धालु।

गुरसहायगंज (कन्नौज)। श्री शिवमहापुराण कथा से पूर्व भव्य विशाल कलश यात्रा का आयोजन किया गया। जिसमें महिलाओं ने अपने सिर पर कलश रखकर नगर भ्रमण किया। कलश यात्रा में सबसे आगे युवा उद्योगपति प्रदीप गुप्ता सिर पर वेदी रखकर वृन्दावन से आए आचार्य रमाकान्त जी महाराज सहित श्रद्धालुओं के साथ चल रहे थे। हर हर महादेव, बम बम भोले के उदघोष से वातावरण भक्तिमय हो गया। पावन श्रावण मास के प्रथम सोमवार को नगर के तिर्वारोड स्थित प्रदीप गुप्ता के हाथों से सैकड़ों श्रद्धालुओं के साथ एकत्र हुई महिलाओं ने अपने सर पर कलश रखकर नगर के तिर्वा रोड से जीटी रोड होते हुए वापस कथा स्थल पर पहुंच कर हवन पूजन के बाद श्री शिवमहापुराण कथा का शुभारंभ किया गया। युवा उद्योगपति प्रदीप गुप्ता नें बताया कि श्री शिवमहापुराण कथा का भव्य वर्णन 22 जुलाई से 28 जुलाई तक दो बजे से लकर छह बजे तक वृन्दावन से आए आचार्य रमाकान्त जी महाराज द्वारा किया जायेगा। सभी भक्तगण श्री शिवकथा का रसपान कर अपने जीव को कृथार्त करें। 29 जुलाई को पूर्णाहुति एवं प्रसाद वितरण किया जायेगा।

पहले सोमवार पर शिवालयों में गूंजा हर-हर महादेव

● मंदिरों में उमड़ी भीड़, शिवभक्तों में दिखा गजब का जोश ●शहर के ताम्बेश्वर मंदिर में भक्तों ने लाइन में लगकर किया जलाभिषेक

फतेहपुर। सावन मास के पहले सोमवार पर दोआबा के शिवालयों में श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ा। सुबह से ही श्रद्धालु बड़ी संख्या में शिवालयों में भगवान भोले शंकर का जलाभिषेक किया। श्रद्धालु लाइनों में लगकर अपनी बारी का इंतजार करते भी नजर आए। सावन का पवित्र महीना भगवान भोले शंकर का माना जाता है इसलिए इस मास में भगवान भोले शंकर की पूजा अर्चना और रुद्राभिषेक का विशेष महत्व है। इस बार सावन मास में शुक्रादित्य योग, बुधादित्य योग, नवपंचम योग, गजकेसरी योग, कुबेर योग और शशि योग का दुर्लभ संयोग बन रहा है। जिससे श्रावण मास का महत्व कई गुना बढ़ गया है।

वहीं श्रावण मास को लेकर शहर स्थित प्राचीन और पौराणिक ताम्बेश्वर महादेव मंदिर में भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी। भगवान भोले के भक्त उन्हें जो वस्तुएं प्रिय हैं गंगाजल, बेलपत्र, दूध और शहद आदि से उनका अभिषेक कर रहे हैं। इसके अलावा जिले के अन्य शिवालयों में भी भोर पहर से भक्तों का पहुंचना शुरू हो गया। जलाभिषेक करते हुए हर हर महादेव के जयकारों से मंदिर गुंजायमान रहे। मंदिरों में श्रद्धालु वर्षों से आ रहे हैं। लोगों की ऐसी आस्था और विश्वास है कि यहां आने और पूजा अर्चना करने से उनकी सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं। वहीं सावन के पहले सोमवार के मौके पर गंगा घाट से गंगाजल लेकर कावड़िए पहुंचे भोले बाबा का जलाभिषेक किया।

थवईश्वर में रहा भक्तों का रेला: बहुआ क्षेत्र के थवईश्वर मंदिर में सुबह से ही भक्तों की भारी भीड़ जुटी। पुलिस प्रशासन को भी काफी मशक्कत करनी पड़ी। महिला एवं पुरुषों की अलग अलग लाइनें लगवाई गईं। जिससे बारी-बारी से भक्तों ने मंदिर पहुंच कर भोले शिवशंकर की आराधना की। वहीं मेला परिसर में लगे मेले में लोगों ने अपने जरुरत की सामानों की खरीदारी भी की। इस शिवालय में दूर-दूर से भक्त पहुंच कर पूजा अर्चना करते हैं और अपने घर परिवार की सुख समृद्धि के लिए बाबा भोलेनाथ से अर्जी लगाई। वहीं माझिल गांव स्थित महादेव मंदिर में भी भक्त पूजा के लिए लाइन में लगे रहे। इन मंदिरों में भी उमड़ी आस्था: जाफरगंज क्षेत्र के अर्गलेश्वर, सिद्धेश्वर धाम लालपुर दरौटा, गहरूखेड़ा स्थित भरथरीश्वर शिव मंदिरों में भक्तों ने जलाभिषेक कर पूजा अर्चना की। हथगाम के मनकामेश्वर मंदिर में सुबह से श्रद्धालुओं का मंदिर में जलाभिषेक एवं पूजा अर्चना निरंतर चलती दिखी। भक्तों में दिखा गजब का उत्साह: सावन माह के पहले सोमवार को भक्तों में पूजा-अर्चना को लेकर गजब का उत्साह रहा। भोर से ही भक्तों की भीड़ मंदिरों की ओर निकल पड़ी। शिवलिंग पर बेल पत्र आदि चढ़ाकर भक्तों ने विधिवत पूजा-अर्चना की।

ऑटो की टक्कर से वृद्ध चरवाहे की मौत, समझौता

सुमेरपुर। कस्बे के इमिलिया थोक निवासी एक किसान खेतों से जब वापस आ रहा था तभी ऑटो ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। उपचार के दौरान उसकी मृत्यु हो गयी। कस्बे के इमिलिया थोक के वार्ड संख्या नौ निवासी कामता कुशवाहा ने बताया कि उसके पिता चुन्नू कुशवाहा (70) खेतों से बकरियां चराकर देर शाम घर वापस आ रहे थे । तभी कस्बे से मौदहा की ओर जा रही ऑटो ने ब्लाक के पास टक्कर मार दी। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। घायल को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। जहां चिकित्सकों ने सदर अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। जहां उनकी इलाज के दौरान मौत हो गई। मृतक अपने पीछे पत्नी व पुत्र को रोता बिलखता छोड़ गया है। मृतक के पुत्र ने बताया कि ऑटो चालक से समझौता हो गया है। जिससे पिता का पोस्टमार्टम नहीं कराया गया यही बात फैक्टरी एरिया चौकी इंचार्ज राहुल मिश्रा ने बताई कि दोनों पक्षों का समझौता कराया।

क्विक न्यूज

घर के सामने कुएं में गिरकर शराबी की मौत

फतेहपुर। शहर क्षेत्र के आबूनगर मुहल्ला निवासी राम सजीवन लोधी का पुत्र राजकुमार लोधी शराबी था। बताते हैं कि रविवार की रात नौ बजे वह शराब के नशे में घर के सामने बने कुएं में गिर गया। इसकी जानकारी जब परिजनों को हुई तो आस-पास के लोग मौके पर पहुंच उसे निकालने का प्रयास करने लगा। कई बार रस्सी पकड़कर ऊपर खींचा गया लेकिन नशे की हालत में बार-बार रस्सी छूट रही थी। तभी उसे बचाने के लिए मुहल्ले का ही चुन्नू का पुत्र अरूण नीचे उतरकर सहारा देने लगा, लेकिन वह भी कामयाब न हो सका। करीब डेढ़ घंटे बाद मौके पर पहुंचे फायर ब्रिगेड के जवानों ने मशक्कत के बाद रात लगभग बारह बजे राजकुमार को बाहर निकाला तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। पुलिस ने शव को विच्छेदन गृह भेज दिया।

रिटायर्ड ज्वाइंट डायरेक्टर के पुत्र की सड़क हादसे में मौत

फतेहपुर। प्रयागराज जनपद के थाना सिविल लाइन ताशकंद निवासी जय प्रकाश का पुत्र आकाश कानपुर रेलवे में जेई के पद पर तैनात था। आज सुबह आठ बजे बाइक से कानपुर जा रहा था। जैसे ही वह मंझिल गांव के समीप एनएच-2 पर पहुंचा तभी हाईवे पार कर रहे राष्ट्रीय पक्षी मोर से टकरा गई जिससे बाइक अनियंत्रित होकर पलट गई। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने तत्काल घायल को हरदों सीएचसी पहुंचाया जहां ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया।

सड़क किनारे मिला युवक का शव, हत्या का आरोप

फतेहपुर। थरियांव थाना क्षेत्र के बघेला गांव निवासी राजन पाल का पुत्र सुरेंद्र यादव रविवार की रात खाना खाकर कमरे में सो रहा था आज सुबह उसका शव घर के बाहर रोड किनारे ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस ने बरामद किया है। पोस्टमार्टम हाउस में मृतक के भाई धर्मपाल ने बताया कि जमीनी विवाद को लेकर बड़े भाई राजू, भाई राजेंद्र की पत्नी संजय देवी ने लाठी-डंडा व लात-घूसों से पीट-पीटकर हत्या करने के बाद शव को रोड किनारे फेंक दिया। उसने बताया कि घटना के बाद थाने में दी गई। तहरीर के बाद पुलिस ने राजू को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है।

करंट की चपेट में आकर वृद्ध की मौत

फतेहपुर। बिंदकी कोतवाली क्षेत्र के नया पुरवा नरैचा गांव निवासी स्व. राम रतन का पुत्र रामपाल आज सुबह अपने निजी नलकूप को चलाने गया था। जैसे ही वह नलकूप चालू करने लगा तभी वह करंट की चपेट में आ गया जिससे उसकी घटनास्थल पर मौत हो गई। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को विच्छेदन गृह भेज दिया।

डीएम एसपी ने ढाई घाट का किया निरीक्षण

फर्रुखाबाद। जिलाधिकारी डॉ0 वी0के0सिंह व पुलिस अधीक्षक आलोक प्रियदर्शी द्वारा संयुक्त रूप से ढाई घाट पर काँवड़ यात्रा व गंगा स्नान की तैयारियों का निरीक्षण किया गया। जिलाधिकारी द्वारा घाट पर बेरिकेडिंग कराने, प्रकाश की व्यवस्था करने व चेतावनी बोर्ड लगाने के लिये निर्देशित किया गया। घाट पर दुकान लगाये दुकानदारों को साफ सफाई रखने व खा। पदार्थों को ढक कर रखने के लिये निर्देशितकियागया,थानाध्यक्ष शमसाबाद को सुरक्षा की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिये निर्देशित किया गया। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी अरविंद कुमारमिश्रा,उपजिलाधिकारी कायमगंज गजराज सिंह व संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

युवती कच्चे मकान की छत गिरने से घायल

फर्रुखाबाद। कच्चे मकान की छत अचानक भरभराकर गिर गयी। जिससे हड़कंप मच गया। छत के मलबे की चपेट में आने से युवती घायल हो गयी। उसे उपचार के लिए भर्ती किया गया। थाना क्षेत्र के ग्राम गौसपुर निवासी सतीक पुत्र नसरुल्ला का कच्चा मकान है। जिसकी छत अचानक रविवार को 3 बजे भरभरा कर जमीदोज हो गयी। जिसकी चपेट में आने से युवती सहरीन बानो घायल हो गयी। उसे उपचार के लिए भर्ती किया गया।

लोकसभा में जिले के सांसद ने उठाई मांग

फतेहपुर। फतेहपुर लोकसभा सीट पर हाल में समाजवादी पार्टी के टिकट पर निर्वाचित पूर्व मंत्री नरेश उत्तम पटेल ने सोमवार को लोकसभा में शून्य काल के दौरान इस जनपद को सूखाग्रस्त जनपद घोषित करने की मांग उठाई हैं। फतेहपुर लोकसभा क्षेत्र में कम वर्षा होने के कारण सूखे की स्थिति उत्पन्न हो गई है। कहा कि विद्युत आपूर्ति नहीं हो रही है, नहरे में पानी नहीं पहुंच रहा है। किसानों को फसलों का भारी नुकसान हो रहा है। उन्होंने सरकार से मांग किया कि लोकसभा क्षेत्र में जहां छह विधानसभाएं हैं और 13 ब्लॉक हैं, वहीं नहरे है लेकिन पता नहीं किन कारणों से बिजली की आपूर्ति नहीं हो रही है। सांसद ने कहा कि पूर्व में जब उत्तर प्रदेश में अखिलेश यादव की सरकार थी उस समय किसानों को पूरी बिजली मिलती थी। इस समय विद्युत आपूर्ति न होने की वजह से किसानो की धान की फसल, गन्ने की फसल या जितनी भी फसले हैं एवं जिन फसलों को जल चाहिए उन फसलों को भारी नुकसान हो रहा हैं।

सीएमओ ने पैथालाजी की मशीने की जब्त, अस्पताल भी सील

कुरारा (हमीरपुर)। सीएमओ ने कुरारा कस्बा में संचालित अवैध पैथालाजी केंद्रों के निरीक्षण मे एक अस्पताल को सील किया गया है। वही संचालित एक पैथालॉजी की जांच मशीने जब्त की है। जिससे कस्बे में संचालित पैथालॉजी संचालकों में हंगामा मच गया। ज्यादातर पैथालॉजी संचालक पैथालॉजी बंद कर चंपत हो गए। कस्बे के मेंन बस स्टैंड में संचालित केएमसी नामक अस्पताल में दोपहर बाद सीएमओ डा. गीतम सिंह ने जाकर दस्तावेज मांगे परंतु दस्तावेज न मिलने पर अस्पताल को सील कर दिया। वही कस्बे के बेरी तिराहे के पास संचालित कृष्णा पैथालॉजी पर जाकर नवीनीकरण के कागज मांगने पर जब संचालक को पड़ी फाइल की छायाप्रतियां दिखाई तो वो नही माने और पैथालॉजी से सीबीसी मशीनए एक्सरे मशीन माइक्रोस्कोप टेलिस्कोप ब्लड मिक्चर मशीन आदि ई रिक्से में लदवाकर अपने साथ ले गए। कार्यवाही में

सीएमओ द्वारा जबत मशीन

सीएमओ गीतम सिंह अपनी कार से नीचे भी नही उतरे वही बैठे बैठे पूरी कार्यवाही की। सीएचसी प्रभारी सुनील जायसवाल ने सभी मशीनों को ई रिक्से में लदवाकर अपने साथ ले गए। वही पैथालॉजी संचालक नरेश विश्वकर्मा ने बताया कि उसका रजिस्ट्रेशन बीते 10 वर्षो से अधिक समय से है। कस्बे में करीब आधा दर्जन अवैध पैथालॉजी संचालित है जिन्हें सीएमओ ऑफिस के दलाल चलवा रहे है। मेरी इस वर्ष रजिस्ट्रेशन रिनुअल के लिए सीएमओ ऑफिस में मार्च से फाइल पड़ी हुई है। खुद सीएमओ रिनुअल नही कर रहे है।

संपूर्ण समाधान दिवस बिंदकी में डीएम, एसपी व जहानाबाद विधायक ने सुनीं समस्याएं

बिंदकी (फतेहपुर)। संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन तहसील के सोहन लाल द्विवेदी राजकीय बालिका इंटर कालेज परिसर में जिलाधिकारी सी. इंदुमती की अध्यक्षता व विधायक जहानाबाद राजेंद्र सिंह पटेल, पुलिस अधीक्षक उदय शंकर सिंह की उपस्थिति में हुआ। डीएम ने शिकायतकर्ताओं की समस्याओं को सुनकर अधिकारियों को निर्देश दिए कि शिकायतों का मौके पर जाकर नियमानुसार गुणवत्तापूर्ण, संतुष्टिपरक, समय से निस्तारण करें। कोई भी शिकायत लंबित न रहें। शिकायतों के निस्तारण में किसी भी प्रकार की लापरवाही क्षम्य नहीं की जायेगी। शिकायतों के निस्तारण में राजस्व व पुलिस बल की सयुंक्त टीम मौके पर जाकर उसका नियमानुसार निस्तारण कराया जाये। निस्तारण की कार्यवाही की वीडियोग्राफी भी कराई जाये। राजस्व निरीक्षक को निर्देशित किया अपने-अपने क्षेत्र की ग्राम

समाज/आरक्षित भूमि को चिन्हित कर यथा स्थिति की रिपोर्ट से अवगत कराएं। शिकायतों को पुलिस अधीक्षक ने सुना एवं संबंधित थानाध्यक्षों को शिकायतों का समयावधि में निस्तारण के निर्देश दिए। सम्पूर्ण समाधान दिवस तहसील बिंदकी में कुल 305 शिकायतें प्राप्त हुई इसके सापेक्ष छह शिकायतों का मौके पर निस्तारण किया गया। शेष शिकायतों के निस्तारण हेतु आवश्यकतानुसार पुलिस और राजस्व की संयुक्त टीमें मौके पर भेजी गई। एसडीएम बिंदकी, पुलिस क्षेत्राधिकारी, सीएमओ, तहसीलदार बिंदकी, जिला विकास अधिकारी, परियोजना निदेशक डीआरडीए मौजूद रहे। 90 शिकायतों में मौके पर 11 प्रार्थना पत्रों का ए.डी.एम. ने किया निस्तारण: सम्पूर्ण समाधान दिवस खागा तहसील सभागार कक्ष में अपर जिलाधिकारी की अध्यक्षता में संपन्न हुआ जिसमें फरियादियों की लगभग 90 प्रार्थना पत्रों में लगभग 11 प्रार्थना पत्रों को मौके पर निस्तारण किया गया और शेष शिकायतों को गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हेतु सम्बंधित विभागों को निर्देशित किया। एसडीएम, क्षेत्राधिकारी बृजमोहन राय, तहसीलदार जगदीश सिंह, नायब तहसीलदार ओम प्रकाश व शशांक राय, अधिशासी, खंड विकास अधिकारी अशोक कुमार सिंह, पूर्ति निरीक्षक भास्कर मिश्रा एवं हरीश रावत, अधिशासी अधिकारी, बाल विकास परियोजना अधिकारी आशीष पांडेय, देवेंद्र मिश्र, शिक्षक नवल किशोर वर्मा, सहित सभी थानों के एर्स. आइ. एवं अन्य विभागों के अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

विशेष प्रवर्तन अभियान: प्रशासन ने फील्ड में बढाई सक्रियता, दर्ज किए 16 अभियोग

● गठित टीमों ने बड़ी मात्रा में बरामद किया लहन, कच्ची शराब नष्ट

लखीमपुर खीरी। अवैध मदिरा के निर्माण, बिक्री एवं तस्करी, परिवहन पर अंकुश लगाये जाने के उद्देश्य से आबकारी आयुक्त उप्र के आदेश, डीएम दुर्गाशक्ति नागपाल, एसपी गणेश प्रसाद साहा के दिशा निर्देश, डीईओ राजवीर सिंह के नेतृत्व मे प्रशासन, पुलिस, आबकारी विभाग की संयुक्त टीमें विशेष प्रवर्तन अभियान चला रही, जो 26 जुलाई तक चलेगा। डीईओ राजवीर सिंह ने बताया कि सभी आबकारी निरीक्षक लगातार अपने.अपने क्षेत्रो में कार्य कर रहे है, जिससे किसी प्रकार की अवैध मदिरा की बिक्री न होने पाये। इस प्रकार जनपद में दबिश के दौरान जनपद में कुल 16 अभियोगो को पंजीकृत किया। 261 लीटर अवैध शराब और 1100 लहन बरामद की। सोमवार को खीरी के आबकारी निरीक्षक अवधेश कुमार क्षेत्र 1 सदर ने ग्राम बन्नी थाना कोतवाली सदर में दबिश दीए दबिश में संदिग्ध स्थानों से कच्ची शराब और लहन सहित चढ़ी भट्ठी बरामद की। मौके पर चढ़ी भट्ठियों और लहन को नष्ट किया।

आबकारी निरीक्षक एच एन पाण्डेय क्षेत्र 2 मोहम्मदी खीरी मय स्टाफ द्वारा ग्राम साहबगंज थाना मोहम्मदी में दबिश दी। दबिश में संदिग्ध स्थान से कच्ची शराब और लहन बरामद की। मौके पर लहन को नष्ट किया। आबकारी निरीक्षक मनोज कुमार यादव क्षेत्र 3 निघासन ने मय स्टाफ ग्राम बाबागंज थाना पढुवाए लट्ठौवा थाना सिंगाही में दबिश दी। दबिश में संदिग्ध स्थान से कच्ची शराब और लहन चढ़ी भट्ठियों के साथ बरामद हुई। चढ़ी भट्ठियों को नष्ट करते हुए 2 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया। आबकारी निरीक्षक प्रभात तिवारी क्षेत्र 4 पलिया ने मय स्टाफ कोइराना थाना पलिया में दबिश दी। दबिश में संदिग्ध घरों, उनके पास के स्थानों से कच्ची शराब, लहन बरामद किया। मौके पर एक अभियुक्त को कच्ची शराब बेचते हुए गिरफ्तार किया। आबकारी निरीक्षक प्रेम सिंह क्षेत्र 5 गोला ने मय स्टाफ द्वारा ग्राम जहानपुर, भूसौरिया, रहेरिया चौरथिया थाना गोला में दबिश दी। दबिश में संदिग्ध स्थानों से कच्ची की चढ़ी भट्ठियों सहित प्लास्टिक के पाउचों में कच्ची शराब बरामद की।

मुख्यमंत्री के पर्यावरण संरक्षण अभियान को गर्त में ले जा रहा वन विभाग

संडीला (हरदोई)। एक तरफ़प्रदेश के मुख्यमंत्री सारे प्रदेश में पर्यावरण सुरक्षा के लिए वृक्षारोपण का अभियान स्वंय के निर्देशन में चलाकर संसार में उत्तर प्रदेश का नाम रौशन कर रहे हैंए वहीं उनकी ही सरकार में वन विभाग दूसरे वृक्षों की रक्षा करना तो दूर की बातए स्वंय द्वारा स्थापित वन उपवन को भगवान भरोसे छोड़कर उसे चरागाह में परिवर्तित कर रहा है। ग्रामसभा ककराली के मजरा सेमराखेड़ा में वन विभाग ने लगभग 10 15 बीघे का वन उपवन बना रखा है। गतवर्ष इस वन उपवन में लाखों रुपए खर्च करके इसकी मेढ़बंदी करके इसमें तार लगवाए गए तथा वृक्षों का रोपण कराया गया। यहां दैनिक वेतन पर ग्राम ककराली के एक युवक की नियुक्ति भी बताई गयीए लेकिन समय बीतने के साथ देखरेख के अभाव में न केवल चाहर दीवारी पर लगाए गए सीमेंट के खंभे तोड़ डाले गए वरन उसमें लगा सारा तार भी काट लिया गया। इसके बाद यह वन उपवन भगवान भरोसे हो गया। 3 4 महीने से तो इस वन उपवन की ओर कोई झांकने भी नहीं आया। इसका परिणाम यह हुआ कि ग्राम सभा आलमपुर तथा खखरा के सैकड़ों पशुओं को इस वन उपवन में चरने के लिए छोड़ दिया गया। सनद रहे कि ग्रामसभा सेमराखेड़ा में लगभग 200 बीघा पशुचर और ग्राम समाज की भूमि हैए लेकिन इसपर राजस्वकर्मियों की मिली भगत से पैसे और पहुंच वाले लोगों ने कब्जा करके इन्हें खेतों में परिवर्तित कर दिया है। पशुओं के लिए पेट भरना लगभग नामुमकिन हो गया और उनके लिए एकमात्र सहारा यही वन उपवन बच गया। वर्तमान में भगवान भरोसे पड़े इस वन उपवन में दिनभर मवेशी चरा करते हैं। इस वन उपवन ने वन विभाग द्वारा लगाए गए कर्मी के संबंध में जानकारी करने पर पता चला कि पिछले कई महीने से चूंकि उसको विभाग ने पैसे नहीं दिएए इसलिए उसने इस वन उपवन की ओर देखना बंद कर दिया। वर्तमान हालात में गतवर्ष लगाए गए लगभग सभी पेड़ चराई के कारण जमीन से ऊपर मात्र 6 इंच रह गए हैं जिनमें पत्तियां नहीं हैं और यह जंगल कम एक ऊबड़ खाबड़ मैदान जरूर नजर आने लगा है।

डीएम की अध्यक्षता में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन

● गुणवत्तापरक, समयबद्ध शिकायतों का निस्तारण करें अफसर: डीएम

लखीमपुर खीरी। आमजन की समस्याओं के त्वरित निस्तारण के लिए शनिवार को डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल की अध्यक्षता में तहसील सदर के लोकसभागार में संपूर्ण समाधान दिवसष् आयोजित हुआ। डीएम ने एसपी गणेश प्रसाद साहा, सीडीओ अभिषेक कुमार व अन्य अधिकारियों ने आये हुए फरियादियों के समस्याओं की गंभीरतापूर्वक सुनवाई करते हुए संबंधित अधिकारियों को समयबद्धता के साथ गुणवत्तापरक निस्तारण के निर्देश दिए। डीएम ने सभी सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिया कि पूरी संवेदनशीलता के साथ जनसमस्याओं का निस्तारण करते हुए गरीब व पीड़ित व्यक्तियों को तत्काल न्याय दिलाते हुए उन्हें प्राथमिकता के आधार पर शासकीय योजनाओं से आच्छादित कर माण् मुख्यमंत्री के निर्देशों को अमलीजामा पहनाया जाय। डीएम ने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिया है कि जनसुनवाई में आने वाले सभी गरीब, ज़रूरतमन्द तथा असहाय लोगों की हर संभव मदद की जाय तथा उन्हें उनकी पात्रतानुसार लाभान्वित भी किया जाय।

सीडीओ अभिषेक कुमार ने कहा कि जनसमस्याओं का निस्तारण शासन की प्राथमिकताओं में हैए इसलिए सभी अधिकारी रूचि लेकर गुणवत्तायुक्त ढंग से निस्तारण सुनिश्चित करे। इस कार्य में किसी भी स्तर पर लापरवाही क्षम्य नही होगी। भूमि संबंधी मामलों में राजस्व व पुलिस की संयुक्त टीमें मौके पर जाकर गुणवत्तापरक निस्तारण करें। डीएम ने न केवल शिकायत लेकर आए फरियादियों की समस्या सुनकर निदान कराया बल्कि योजनाओं को सोगाते भी दी। डीएम की अध्यक्षता में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में कुल 68 शिकायती प्रार्थना पत्र पंजीकृत कियेए जिसमें 08 शिकायतों का मौके पर निस्तारण हुआ। सम्पूर्ण समाधान दिवस में राजस्व 28, पुलिस 17, विकास 09, नगर निकाय 05, कृषि 04, विद्युत 03, आपूर्ति 02 शिकायती प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए। जिन्हें पृष्ठाकिंत कर सम्बन्धित अधिकारियों को शीघ्र निस्तारण हेतु उपलब्ध करा दिया गया।

नेशनल हेराल्ड मामले में स्वामी, सोनिया और राहुल लिखित जवाब दाखिल करें: दिल्ली उच्च न्यायालय

भाषा। नई दिल्ली

दिल्ली उच्च न्यायालय ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पूर्व सांसद सुब्रमण्यन स्वामी और कांग्रेस नेता सोनिया गांधी एवं राहुल गांधी को नेशनल हेराल्ड मामले में संक्षिप्त जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। न्यायमूर्ति नीना बंसल कृष्णा ने तीनों को चार सप्ताह के भीतर दलीलों पर लिखित जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया और कहा कि इसके बाद लिखित जवाब 15 हजार रुपए के मुकदमा खर्च के साथ स्वीकार किया जाएगा। अदालत ने इस मामले को बहस के लिए 29 अक्टूबर को सूचीबद्ध किया है।

उच्च न्यायालय, स्वामी द्वारा नेशनल हेराल्ड मामले में सुनवाई अदालत के समक्ष सबूत पेश करने का अनुरोध करते हुए दाखिल याचिका पर सुनवाई कर रहा है। इस मामले में सोनिया गांधी, राहुल गांधी एवं अन्य आरोपी हैं। अदालत ने 22 फरवरी 2021 को सोनिया, राहुल, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के महासचिव ऑस्कर फर्नांडिज (जिनकी अब मृत्यु हो चुकी है), सुमन दुबे, सैम पित्रोदा और यंग इंडिया (वाईआई) को नोटिस जारी करते हुए स्वामी की याचिका पर जवाब देने को कहा था और मामले में आगे की कार्वाई पर रोक लगा दी थी।

अदालत ने सोमवार को कहा कि कार्यवाही पर रोक का अंतरिम आदेश मामले की अगली सुनवाई की तारीख तक जारी रहेगा। कांग्रेस नेताओं का पक्ष अदालत में वरिष्ठ अधिवक्ता आर.एस.चीमा और तरन्नुम चीमा ने रखा। स्वामी ने 11 फरवरी 2021 को सुनवाई अदालत के उस आदेश के खिलाफ उच्च न्यायालय का रुख किया था जिसमें उन्हें अतिरिक्त सबूत पेश करने की अनुमति देने से इनकार किया गया था। स्वामी के मुताबिक नए सबूतों से सोनिया,राहुल गांधी एवं अन्य को मामले में अभियोजित किया जा सकता है।

सुनवाई अदालत ने कहा था कि सबूत रखने के लिए भारतीय दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा-244 के तहत स्वामी द्वारा दाखिल अर्जी पर विचार मामले में उनकी गवाही होने के बाद किया जाएगा। स्वामी ने उच्चतम न्यायालय के महासचिव (रजिस्ट्री अधिकारी), उप भूमि एवं विकास अधिकारी और आयकर विभाग के उपायुक्त सहित कई गवाहो को तलब करने और उन्हें मामले में दाखिल दस्तावेजों को सत्यापित करने का निर्देश देने का अनुरोध किया है।

सुनवाई अदालत में एक निजी फौजदारी शिकायत में सत्तारूढ़ भाजपा के नेता ने गांधी परिवार और अन्य पर धोखाधड़ी और गबन करने की साजिश रचने का आरोप लगाया था जिसके माध्यम से यंग इंडियन प्राइवेट लिमिटेड (वाईआई) ने 90.25 करोड़ रुपए वसूलने का अधिकार प्राप्त कर लिया, जो कि नेशनल हेराल्ड समाचार पत्र के मालिक एसोसिएट जर्नल्स लिमिटेड द्वारा कांग्रेस को दिया जाना था।

जद(एस) के विधान पार्षद को यौन उत्पीड़न के मामले में सशर्त जमानत मिली

बेंगलुरु। बेंगलुरु की एक अदालत ने यौन उत्पीड़न के मामले में जनता दल-सेक्युलर (जद-एस) के विधान परिषद सदस्य सूरज रेवन्ना को सोमवार को सशर्त जमानत दे दी। रेवन्ना को पिछले महीने हासन पुलिस ने 27 वर्षीय जद(एस) कार्यकर्ता का दुराचार करने के आरोप में गिरफ्तार किया था। सूरज पूर्व सांसद प्रज्वल रेवन्ना के भाई हैं। प्रज्वल रेवन्ना तीन मामलों में दुष्कर्म के आरोप का सामना कर रहे हैं, इसके अलावा उन पर कई महिलाओं का यौन शोषण करने का भी आरोप है। अदालत ने जमानत के लिए कई शर्तें रखी हैं जिनमें अभियोजन पक्ष के गवाहों या शिकायतकर्ता और पीड़िति को धमकाना तथा प्रभावित नहीं करना और जांच में सहयोग करना शामिल है। इसके अलावा जब भी जांच के लिए उन्हें बुलाया जाएगा तो वह जांच अधिकारी के समक्ष उपस्थित होंगे, न्यायालय में अपना पासपोर्ट जमा करना होगा और न्यायालय से लिखित अनुमति प्राप्त किए बिना राज्य नहीं छोड़ेंगे।

निपाह : केरल में जान गंवाने वाले लड़के के संपर्क में आए 350 लोगों में संक्रमण का खतरा

भाषा। कोझिकोड

दुर्लभ संक्रमण से जान गंवाने वाले 14 वर्षीय लड़के के संपर्क में आने के कारण निपाह वायरस से संक्रमित होने के खतरे का सामना करने वाले लोगों की संख्या बढ़कर 350 हो गई है, जिनमें से 101 लोग उच्च जोखिम की श्रेणी में हैं। केरल की स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज ने सोमवार को यह जानकारी दी। केरल का स्वास्थ्य विभाग 13 लोगों के परीक्षण के परिणामों की प्रतीक्षा कर रहा है, जिनके नमूने परीक्षण के लिए कोझीकोड मेडिकल कॉलेज की विषाणु विज्ञान प्रयोगशाला और तिरुवनंतपुरम के एडवांस्ड वायरोलॉजी इंस्टीट्यूट में भेजे गए थे।

परीक्षण के लिए भेजे गए नमूनों में से छह व्यक्तियों में लक्षण दिखे हैं जिनमें से तीन लोग द्वितीयक संपर्क सूची के हैं। भले ही मृत लड़के के माता-पिता में लक्षण नहीं हैं फिर भी हमने सभी आशंकाओं को ध्यान में रखते हुए उनके नमूने भी परीक्षण के लिए भेजे हैं। स्वास्थ्य विभाग ने कहा कि संपर्क में आए लोगों की सूची में दो व्यक्ति पलक्कड़ के हैं, जबकि चार तिरुवनंतपुरम के हैं। पलक्कड़ के दो लोग एक निजी अस्पताल में फिहलाल काम कर रहे हैं, जबकि तिरुवनंतपुरम के चार लोग इलाज के लिए पेरिंथलमन्ना पहुंचे हैं। मंत्री ने कहा कि जान गंवाने वाले लड़के के दोस्तों ने उन्हें बताया कि उसने पांडिक्कड़ पंचायत के पास के पेड़ से एक फल खाया था, जहां चमगादड़ों की मौजूदगी का पता चला है।

केरल के मलप्पुरम के 14 वर्षीय लड़के की रविवार सुबह मौत हो गई थी। निपाह संक्रमण के कारण यहां उसका इलाज चल रहा था। मंत्री जॉर्ज ने कहा कि मृत बच्चे के दोस्तों को इसके नुकसान से निपटने में मदद करने के लिए परामर्श दिया जाएगा और उनकी कक्षाएं ऑनलाइन आयोजित की जाएंगी। जिन लोगों पर उसके संपर्क में आने का संदेह है उन्हें स्वास्थ्य विभाग से संपर्क करने और इलाज कराने के लिए कहा गया है। डॉ. बालासुब्रमण्यम के नेतृत्व में राष्ट्रीय विषाणु विज्ञान संस्थान की एक टीम चमगादड़ों और उनके आवासन का निरीक्षण करने के लिए आज (सोमवार) केरल पहुंचेगी। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) की एक टीम पहले ही केरल पहुंच चुकी है। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि बुखार पर निगरानी के लिए कुल 224 टीम तैनात की गई हैं और वे पांडिक्कड़ और अनाक्कयम पंचायतों में घरों में सर्वेक्षण कर रही हैं। एक बयान में मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने निपाह वायरस से निपटने के लिए सभी से मिलकर काम करने का आह्वान किया था और नागरिकों से चमगादड़ों के प्राकृतिक आवासन को नष्ट न करने का आग्रह किया था।

केरल सरकार का विदेश सचिव नियुक्त करना असंवैधानिक : भाजपा सांसद

भाषा। नई दिल्ली

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के एक लोकसभा सदस्य ने सोमवार को कहा कि केरल सरकार द्वारा एक भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) अधिकारी को विदेश सचिव के रूप में नियुक्त करना असंवैधानिक और केंद्र के अधिकारों में अतिक्रमण है। लोकसभा में इस मुद्दे को उठाते हुए भाजपा सदस्य पी पी चौधरी ने कहा कि आईएएस अधिकारी के वासुकी को विदेश सचिव के रूप में नियुक्त करने वाला केरल सरकार का 15 जुलाई का आदेश स्पष्ट रूप से केंद्र सरकार के अधिकारों में अतिक्रमण है।

चौधरी ने लोकसभा में कहा, क्या केरल सरकार खुद को एक अलग राष्ट्र मान रही है। केरल सरकार ने 15 जुलाई को एक आदेश जारी कर श्रम एवं कौशल विभाग के सचिव वासुकी को बाह्य सहयोग से जुड़े मामलों का अतिरिक्त प्रभार सौंपा था। चौधरी ने कहा कि बाह्य सहयोग का अर्थ यह है कि विभिन्न देशों और वहां स्थित भारतीय दूतावासों और मिशन के साथ कार्य करना है, जो कार्य आवंटन नियमावली के अनुसार केंद्रीय सूची का हिस्सा है।

राजस्थान के पाली से भाजपा सांसद ने कहा, कार्य आवंटन नियमों के अनुसार, ए कार्य केवल विदेश मंत्रालय के माध्यम से भारत सरकार द्वारा ही किए जा सकते हैं। चौधरी ने कहा, इसलिए, केरल सरकार द्वारा ऐसा आदेश जारी करना और एक आईएएस अधिकारी को विदेश सचिव नियुक्त करना असंवैधानिक है और यह संघीय सूची में अतिक्रमण है।

राज्यपाल के अभिभाषण के बाद आंध्र विधानसभा का सत्र स्थगित

अमरावती (भाषा)। आंध्र प्रदेश में तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) के नेतृत्व वाली नई सरकार के गठन के बाद पहले विधानमंडल सत्र की पहली बैठक विधानमंडल के संयुक्त सत्र में राज्यपाल एस अब्दुल नजीर के अभिभाषण के बाद मंगलवार तक के लिए स्थगित कर दी गई। राज्यपाल एस. अब्दुल नजीर द्वारा विधानमंडल के संयुक्त सत्र को संबोधित करने के बाद आंध्र प्रदेश विधानसभा के दूसरे सत्र की कार्यवाही सोमवार को दिनभर के लिए स्थगित कर दी गई।

वर्ष 2024 के विधानसभा और लोकसभा चुनाव के बाद यह राज्य विधानमंडल का पहला संयुक्त सत्र था। नजीर ने सदन को संबोधित करते हुए कहा, मुझे राज्य विधानमंडल के इस संयुक्त सत्र में राज्य विधानसभा के नवनिर्वाचित सदस्यों और विधान परिषद के सदस्यों का स्वागत करके और उन्हें बधाई देकर अत्यंत प्रसन्नता हो रही है। सत्र में 88 नवनियुक्त विधायकों के साथ नौ विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) भी हिस्सा लेंगे।

राज्यपाल ने कहा कि तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) के नेतृत्व वाली सरकार ने सत्र के दौरान सार्थक विचार-विमर्श के बाद बजट पेश करने का प्रस्ताव रखा है। नजीर ने कहा कि 2019 से 2024 के बीच युवजन श्रमिक रायथू कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) सरकार का कार्यकाल खासकर संयुक्त आंध्र प्रदेश के विभाजन के बाद अयोग्य शासन के साथ एक बड़ी विफलता के रूप में सामने आया। राज्यपाल ने इस बात पर जोर दिया कि राज्य के राजस्व में कमी के कारण नई सरकार के लिए आवश्यक व्यय को पूरा करना भी मुश्किल हो गया है। उन्होंने राज्य के लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने में मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू के नेतृत्व पर विश्वास जताया। नायडू सत्र के दौरान कानून-व्यवस्था, आबकारी और राज्य के वित्त पर तीन श्वेतपत्र जारी कर सकते हैं। सत्र पांच दिन तक चलने की उम्मीद है। इससे पहले, सत्र की शुरुआत हंगामेदार रही और वाईएसआरसीपी के सदस्यों ने राज्य में विपक्षी पार्टी कार्यकर्ताओं पर कथित हमलों के खिलाफ नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया और बाद में सदन से बहिर्गमन किया। वाईएसआरसीपी प्रमुख वाई एस जगनमोहन रेड्डी और विपक्षी पार्टी के विधायक काले रंग का स्कार्फ पहनकर विधानसभा पहुंचे। राज्य में कथित रूप से बिगड़ती कानून-व्यवस्था को लेकर लोकतंत्र बचाओ के नारे लगाते हुए रेड्डी और वाईएसआरसीपी विधायकों ने विधानसभा की ओर मार्च किया।

हालांकि, पुलिस ने उन्हें विधानसभा के प्रवेश द्वार पर रोक दिया। वाईएसआरसीपी की एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है, पुलिस ने वाईएसआरसीपी के विधायकों के हाथों में मौजूद तख्तियां छीनकर फाड़ दीं। वाई एस जगनमोहन रेड्डी ने पुलिस से सवाल किया कि उसे ऐसा करने का अधिकार किसने दिया है। वाईएसआरसीपी प्रमुख ने एक पुलिस अधिकारी को कथित तौर पर तख्तियां फाड़ने के खिलाफ चेतावनी दी और उसे फटकार लगाई। सदन में राज्यपाल का अभिभाषण शुरू होते ही विपक्षी पार्टी के नेताओं ने हत्या की राजनीति बंद होनी चाहिए और लोकतंत्र बचाओ के नारे लगाए। विरोध के बाद वाईएसआरसीपी सदस्यों ने रेड्डी के नेतृत्व में विधानसभा से बहिर्गमन किया।

सर्जरी के बाद शरीर में सुई छूटने के 20 साल बाद महिला को पांच लाख रुपए मुआवजा मिलेगा

बेंगलुरु। बेंगलुरु के एक निजी अस्पताल में सर्जरी के बाद एक महिला के शरीर में 3.2 सेंटीमीटर की सर्जिकल सुई छोड़ दिए जाने के लगभग 20 साल बाद उपभोक्ता फोरम ने आदेश दिया है कि अस्पताल, पीड़िता को मुआवजे के तौर पर पांच लाख रुपए देगा। कर्नाटक राज्य उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग ने अस्पताल और दो चिकित्सकों को जयानगर निवासी पद्मावती को मुकदमा लड़ने के खर्च के रूप में 50,000 रुपए का भुगतान करने का निर्देश दिया है। इसने न्यू इंडिया एश्योरेंस कंपनी लिमिटेड को भी निर्देश दिया है कि वह पेशेवर और चिकित्सीय लापरवाही के कारण महिला को पांच लाख रुपए का भुगतान करे। इस कंपनी ने ही पॉलिसी जारी की थी। पिछले माह जारी किए गए आयोग के आदेश के अनुसार 29 सितंबर 2004 को दीपक अस्पताल के दो चिकित्सकों ने कथित तौर पर महिला की हर्निया की सर्जरी की थी और सर्जरी पूरी होने पर उसका अपेंडिक्स भी हटा दिया गया था। सर्जरी के समय महिला की उम्र 32 वर्ष थी। इसके अगले दिन महिला ने गंभीर दर्द की शिकायत की तो उसे कुछ दर्द निवारक दवाएं दी गईं। उसे आश्वासन दिया गया कि यह सर्जरी के बाद की परेशानी है और ठीक हो जाएगी। आदेश में कहा गया है कि महिला को कई वर्षों तक पेट और पीठ में तेज दर्द का सामना करना पड़ा और बाद में उसे दो बार उसी अस्पताल में भर्ती कराया गया। पद्मावती, 2010 में बेंगलुरु के ही एक अन्य निजी अस्पताल में पहुंची जहां जांच के दौरान पता चला कि उसके पेट और शरीर के पिछले हिस्से में कोई बाहरी चीज (सर्जिकल सुई) मौजूद थी। महिला को उसे निकलवाने का कहा गया। इसके बाद महिला की फिर से सर्जरी की गई और उसके शरीर से 3.2 सेंटीमीटर की सर्जिकल सुई को निकाला गया। इसके बाद अगले वर्ष महिला ने उपभोक्ता फोरम का दरवाजा खटखटाया और शिकायत दर्ज कराई। आदेश में कहा गया, निश्चित रूप से सर्जिकल सुई निकाले जाने तक उसे गंभीर दर्द और असुविधा का सामना करना पड़ा। इसमें कहा गया कि इसलिए वह पांच लाख रुपए का मुआवजा पाने की हकदार है और बीमा कंपनी को राशि का भुगतान करने का निर्देश दिया जाता है, जबकि दोनों चिकित्सक मुकदमे के खर्च के तौर शिकायतकर्ता को 50,000 रुपए देंगे।

मुंबई में हिट एंड रन का एक और मामला : ऑडी कार ने दो ऑटोरिक्शा को मारी टक्कर, चार लोग घायल

मुंबई। मुंबई के मुलुंड इलाके में एक व्यक्ति ने कथित तौर पर शराब के नशे में, अपनी तेज रफ्तार ऑडी कार से दो ऑटोरिक्शा को टक्कर मार दी, जिससे चार लोग घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने मामले में कांजुरमार्ग निवासी दत्तात्रेय गोरे (43) को उसकी बहन के घर से गिरफ्तार किया। उन्होंने बताया कि हादसे के बाद आरोपी मौके पर वाहन छोड़कर फरार हो गया था। अधिकारी ने बताया कि हादसा डम्पिंग रोड पर सुबह करीब छह बजकर 15 मिनट पर हुआ और पुलिस ने बाद में कार को जब्त कर लिया। कार ने दो ऑटो रिक्शा को टक्कर मार दी, जिससे दो चालक और दो यात्री घायल हो गए। घायलों की स्थिति स्थिर बताई जा रही है। पुलिस ने आरोपी के रक्त का नमूना कलीना फॉरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला भेजा था। जांच में पता चला कि हादसे के समय वह शराब के नशे में था।

खेल संघों में चुनाव से अध्यक्ष और सचिव बनते है तो उनमें राजनीति तो होगी ही: रीजीजू

नई दिल्ली। लोकसभा में सोमवार को पेरिस ओलंपिक के विषय पर चर्चा के दौरान खेल संघों में राजनीति का विषय उठा तो संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने कहा कि इन संघों में चुनाव के माध्यम से अध्यक्ष और सचिव चुने जाते हैं तो राजनीति होनी ही है, वहीं तृणमूल कांग्रेस सांसद कीर्ति आजाद ने कहा कि अगर खेल संघों में लड़ाई होगी तो खेल मंत्रालय की क्या जिम्मेदारी है। सदन में नियम 193 के तहत आगामी ओलंपिक में भारत की तैयारी विषय पर चर्चा के दौरान जब समाजवादी पार्टी के सदस्य नीरज मौर्य ने खेल संघों में राजनीतिक लोगों के चुने जाने और प्रतिद्वंद्विता सामने आने का जिक्र किया तो संसदीय कार्य मंत्री रीजीजू ने कहा कि खेल संघों में चुनाव होते हैं तो राजनीति तो होगी ही।

मौर्य ने पिछले साल जंतर मंतर पर महिला पहलवानों के प्रदर्शन का जिक्र करते हुए कहा, खेलों से राजनीति दूर हो। अगर ऐसा नहीं हुआ तो जंतर मंतर पर जो हुआ वो ही होता रहेगा। खेल संघों में खेल से जुड़े लोगों को ही मौका मिलना चाहिए।

इस पर पूर्व खेल मंत्री रीजीजू ने कहा, खेल संघों में राजनीति होनी ही है क्योंकि उनमें चुनाव से अध्यक्ष, सचिव बनते हैं। उन्होंने कहा, उस राजनीति को यहां नहीं लाएं। ओलंपिक की तैयारी पर बात हो रही है, आप उस पर बात कीजिए, राजनीतिक भाषण मत कीजिए। कांग्रेस सांसद दीपेंद्र हुड्डा समेत अन्य विपक्षी सदस्यों से कहा, मेरा एक अनुरोध है कि आप चर्चा पर मंत्री का जवाब भी सुनिए। आप आरोप लगाकर सदन से चले जाते हैं और सुनने के लिए नहीं बैठते। खेलों के लिए दस साल में मोदी सरकार ने कितना काम किया है, उसे सुनिए। मोदी सरकार ने खेलों के लिए जो किया है, 75 साल में किसी सरकार ने नहीं किया। तृणमूल कांग्रेस के सदस्य कीर्ति आजाद ने संसदीय कार्य मंत्री के बयान का जिक्र करते हुए कहा, (खेल संघों में) लड़ाई क्यों होगी? अगर लड़ाई होगी तो खेल मंत्रालय की जिम्मेदारी क्या है?

किसी व्यक्ति की गिरफ्तारी के समय पुलिस को कानून के तहत प्रक्रिया का पालन करना चाहिए : उच्च न्यायालय

मुंबई। बंबई उच्च न्यायालय ने धोखाधड़ी के मामले में गिरफ्तार एक व्यक्ति को रिहा करने का आदेश देते हुए कहा कि किसी व्यक्ति की गिरफ्तारी बहुत कठोर और हताशाजनक स्थिति में की जाती है, इसलिए पुलिस को कानून में निर्धारित सभी प्रक्रियाओं का पालन करना चाहिए, अन्यथा यह मौलिक अधिकारों का उल्लंघन होगा। न्यायमूर्ति भारती डांगरे और न्यायमूर्ति मंजूषा देशपांडे की खंडपीठ ने व्यक्ति की गिरफ्तारी को अवैध करार दिया, क्योंकि पुलिस ने उसे इसकी वजह लिखित में नहीं बताई थी। अदालत के 18 जुलाई के फैसले की प्रति सोमवार को उपलब्ध हुई। पुलिस को किसी व्यक्ति को गिरफ्तार करने से पहले निर्धारित प्रक्रियाओं का पालन करना चाहिए। बिना उचित प्रक्रिया का पालन किए किसी व्यक्ति की गिरफ्तारी उसे स्वतंत्रता के अधिकार से वंचित करने के समान है।

विदेशी भारतीयों का धन 2024 में 3.7 प्रतिशत बढ़कर 124 अरब डॉलर

नई दिल्ली। विदेश में बसे भारतीयों द्वारा भारत में भेजा गया धन (रेमिटेंस) 2024 में 3.7 प्रतिशत बढ़कर 124 अरब डॉलर हुआ। 2025 में इसके 129 अरब डॉलर पर पहुंचने का अनुमान है। आर्थिक समीक्षा में यह बात कही गई। भारत के धन प्रेषण का प्राथमिक स्रोत तेल निर्यातक देश हैं। विश्व बैंक के अनुसार, भारत की सबसे अधिक प्रवासी आबादी है और यह सबसे ज्याद धन प्रेषण प्राप्त करने वाला देश है। भारत में 2023 में 120 अरब अमेरिकी डॉलर भेजे गए थे। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा संसद में सोमवार को पेश आर्थिक समीक्षा में कहा गया है कि भारत में 2024 के लिए धन प्रेषण का परिदृश्य मजबूत है। इसमें 3.7 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान है। इसमें कहा गया कि भारत की प्रवासी आबादी में अधिकतर उच्च आय वाले ओईसीडी बाजारों में कार्यरत उच्च कुशल श्रमिकों का एक बड़ा हिस्सा तथा जीसीसी बाजारों में कार्यरत कम कुशल प्रवासी शामिल हैं।

समीक्षा में कहा गया, संयुक्त अरब अमीरात और सिंगापुर जैसे स्रोत देशों के साथ अपने एकीकृत भुगतान इंटरफेस (यूपीआई) को जोड़ने के भारत के प्रयासों से लागत में कमी आने और धन प्रेषण में तेजी आने की उम्मीद है। धन प्रेषण में 2023 में वृद्धि मुख्य रूप से घटती मुद्रास्फीति और अमेरिका तथा यूरोप में मजबूत श्रम बाजारों (भारत के कुशल प्रवासियों के लिए सबसे बड़े गंतव्य) और अन्य ओईसीडी गंतव्यों के साथ-साथ जीसीसी देशों में कुशल और कम-कुशल श्रमिकों की सकारात्मक मांग के कारण हुई। शुद्ध सेवा प्राप्तियां 2022-23 में 143.3 अरब अमेरिकी डॉलर से बढ़कर 2023-24 में 162.8 अरब डॉलर हो गईं। इसकी मुख्य वजह सॉफ्टवेयर, यात्रा तथा व्यावसायिक सेवाओं का बढ़ता निर्यात रहा।

बंगाल के आलू कारोबारियों का उत्पीड़न के खिलाफ हड़ताल का आह्वान

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के आलू कारोबारियों ने दूसरे राज्यों के कारोबारियों को आलू बेचने में राज्य सरकार और स्थानीय प्रशासन के कथित उत्पीड़न को लेकर अनिश्चितकालीन हड़ताल का आह्वान किया है। कारोबारियों की हड़ताल से आलू की पहले से ही बढ़ी कीमतों में और बढ़ोतरी होने की आशंका है। आकार और किस्म के हिसाब से ए कीमतें 36-40 रुपए प्रति किलोग्राम के बीच हैं। प्रगतिशील आलू व्यापारी संघ (पीपीटीए) ने रविवार से हड़ताल का आह्वान किया है। संगठन का आरोप है कि अधिकारी आलू लादकर पड़ोसी राज्यों में जाने वाले ट्रकों को अवैध रूप से रोक रहे हैं। पीपीटीए के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, सरकार की ओर से अभी तक कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली है, और हड़ताल जारी रहेगी। सरकार नए कानून के तहत आलू की आवाजाही को नहीं रोक सकती है। हालांकि हड़ताल पर राज्य प्रशासन की कोई टिप्पणी नहीं आई है। लेकिन ऐसा माना जाता है कि सरकार बंगाल के उपभोक्ताओं के लिए कीमतों को नियंत्रित करने के लिए आलू के निर्यात को प्रतिबंधित कर रही है। कोल्ड स्टोरेज एसोसिएशन के एक सूत्र ने कहा, राज्य भर में व्यापारियों की हड़ताल के कारण कोई खरीदार नहीं आया है। आलू को कोल्ड स्टोरेज से बाहर नहीं निकाला जा सका है। उन्होंने बताया कि दूसरे राज्यों को बेचे जाने वाले आलू छोटे आकार के हैं, जिनकी खपत पश्चिम बंगाल में नहीं होती है, लेकिन पड़ोसी राज्यों में इसकी मांग है। कृषि कार्यबल के साथ हाल ही में हुई बैठक में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने अधिकारियों को आलू की कीमतों में कटौती के लिए कदम उठाने का निर्देश दिया था।

पेज 1 का शेष

आर्थिक....

होता है। दूसरा, कई मुद्दे हैं जो आर्थिक वृद्धि, रोजगार सृजन और उत्पादकता को प्रभावित करते हैं और उनपर उठाए जाने वाले कदम राज्य सरकारों के अधिकार क्षेत्र में हैं। उन्होंने कहा, इसलिए, दूसरे शब्दों में, देश के लोगों की उंची और बढ़ती आकांक्षाओं को पूरा करने और 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को पूरा करने के लिए भारत को पहले से कहीं अधिक त्रिपक्षीय समझौते की जरूरत है। समीक्षा में चीन से प्रत्यक्ष निवेश को बढ़ावा देने और उस देश से आयात को कम करने का आह्वान किया गया।

विपक्ष ने....

उपयोग करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा, जनवरी 2029 चुनाव का वर्ष होगा। आप उसके बाद जाइए मैदान में। सदन का भी उपयोग करना है, कर लीजिए। वह (आम चुनाव से पहले के) छह महीने, जो खेल खेलने हैं, खेल लीजिए। लेकिन तब तक सिर्फ और सिर्फ देश, देश के गरीब, किसान, युवा और महिलाओं को सशक्त करने के लिए जनभागीदारी का एक जन आंदोलन खड़ा कर 2047 के सपने को पूरा करने के लिए हम पूरी ताकत लगाएं। मोदी ने कहा कि उन्हें बहुत दुख के साथ कहना पड़ रहा है कि 2014 के बाद कोई सांसद पांच वर्ष के लिए आया और कुछ को 10 साल के लिए मौका मिला लेकिन बहुत से सांसद ऐसे थे, जिनको अपने विचारों से संसद को समृद्ध करने का अवसर ही नहीं मिला।

कांवड मार्ग...

कई श्रद्धालु पवित्र माने जाने वाले इस महीने में मांस का सेवन वर्जित मानते हैं। राज्य सरकारों के भोजनालयों के मालिकों के नाम प्रदर्शित करने संबंधी निर्देशों को लेकर विवाद छिड़ गया है और भाजपा सहयोगी राष्ट्रीय लोक दल (रालोद) भी उन दलों में शामिल हो गया है जो इन्हें वापस लेने की मांग कर रहे है। विपक्षी दलों ने संसद में इस मुद्दे को उठाने का फैसला किया है। पीठ ने इस मामले पर आगे की सुनवाई शुक्रवार तक के लिए स्थगित कर दी। उसने कहा, हम उपरोक्त निर्देशों के प्रवर्तन पर रोक लगाने के लिए अंतरिम आदेश पारित करना उचित समझते हैं। दूसरे शब्दों में, खाद्य विक्रेताओं को यह प्रदर्शित करने के लिए कहा जा सकता है कि उसके पास कौन से खाद्य पदार्थ हैं लेकिन उन्हें मालिकों, स्टाफ कर्मचारियों के नाम प्रदर्शित करने के लिए मजबूर नहीं किया जाना चाहिए। इस मामले में राज्य सरकार की ओर से सोमवार को अदालत में कोई पेश नहीं हुआ। शीर्ष अदालत ने राज्य सरकारों के निर्देश को चुनौती देने वाली सांसद महुआ मोइत्रा, शिक्षाविद अपूर्वानंद झा, स्तंभकार आकार पटेल और गैर सरकारी संगठन एसोसिएशन ऑफ प्रोटेक्शन ऑफ सिविल राइट्स की याचिका समेत कई याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान यह आदेश दिया। पीठ ने सुनवाई की शुरुआत में मोइत्रा की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक सिंघवी से पूछा कि क्या इस मामले में कोई औपचारिक आदेश पारित किया गया है। सिंघवी ने कहा कि भोजनालयों के मालिकों के नाम प्रदर्शित करने के संबंध में एक परोक्ष आदेश पारित किया गया है। सिंघवी ने कहा कि भोजनालयों के मालिकों के नाम प्रदर्शित करने संबंधी उत्तर प्रदेश एवं उत्तराखंड का आदेश पहचान के आधार पर बहिष्कार है और यह संविधान के खिलाफ है। एसोसिएशन फॉर प्रोटेक्शन ऑफ सिविल राइट्स की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता चंदर उदय सिंह ने कहा कि राज्य के अधिकारी दावा कर रहे हैं कि आदेश का अनुपालन स्वैच्छिक है, लेकिन इसे बलपूर्वक लागू किया जा रहा है। उन्होंने कहा, यह आदेश का कोई वैधानिक आधार नहीं है। कोई भी कानून पुलिस आयुक्त को ऐसा करने का अधिकार नहीं देता। सिंघवी को अतिशयोक्ति से बचने के लिए कहते हुए पीठ ने कहा, इन आदेशों से सुरक्षा और स्वच्छता के आयाम भी जुड़े हैं। सिंघवी ने कहा कि कांवड़ यात्रा दशकों से जारी है और विभिन्न धार्मिक आस्थाओं- इस्लाम, ईसाई और बौद्ध धर्म के लोग कांवड़ियों की मदद करते रहे हैं। उन्होंने कहा कि हिंदुओं द्वारा संचालित कई शाकाहारी होटल और रेस्तरां में मुस्लिम और दलित कर्मचारी हैं। उन्होंने कहा, मैं कई बार हरिद्वार मार्ग पर गया हूं। वहां हिंदुओं द्वारा संचालित कई शुद्ध शाकाहारी रेस्तरां हैं। लेकिन अगर उनमें मुस्लिम या दलित कर्मचारी हैं, तो क्या मैं कह सकता हूं कि मैं वहां खाना नहीं खाऊंगा? क्योंकि भोजन किसी न किसी तरह से उनके (मुस्लिम कर्मचारियों) द्वारा छुआ जाता है। उन्होंने कहा, ये निर्देश बिना किसी कानूनी अधिकार के जारी किए गए हैं। वे चालाक बन रहे हैं। अगर मैं जानकारी देता हूं, तो मुझसे घृणा की जाएगी। अगर मैं जानकारी नहीं देता हूं, तो भी मुझसे घृणा की जाएगी। मेरे नाम बताने का क्या तर्क है? सिंघवी ने खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम, 2006 का हवाला देते हुए कहा कि कानून के तहत मालिकों के लिए अपने भोजनालयों का नाम अपने नाम पर रखना अनिवार्य नहीं है। पीठ ने पूछा, वे (कांवड़िए) शिव की पूजा करते हैं, हां? क्या वे उम्मीद करते हैं कि भोजन निश्चित समुदाय द्वारा पकाया, परोसा और पैदा किया जाएगा? याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता हुजेफा अहमदी ने कहा कि उत्तर प्रदेश में अधिकारियों ने एक सार्वजनिक नोटिस जारी किया है। मोइत्रा ने अपनी याचिका में उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड सरकारों द्वारा जारी आदेश पर रोक लगाए जाने का आग्रह करते हुए कहा कि ऐसे निर्देश समुदायों के बीच विवाद को बढ़ावा देते हैं। इसमें आरोप लगाया गया है कि संबंधित आदेश मुस्लिम दुकान मालिकों और कारीगरों के आर्थिक बहिष्कार तथा उनकी आजीविका को नुकसान पहुंचाने के उद्देश्य से जारी किया गया है। उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड सरकारों ने आदेश जारी कर कांवड़ यात्रा मार्ग पर स्थित भोजनालयों से अपने मालिकों के नाम प्रदर्शित करने को कहा था।

बिहार ....

ध्यान देने की जरूरत थी। उन्होंने कहा कि इनमें पर्वतीय और दुर्गम भूभाग, कम जनसंख्या घनत्व या आदिवासी जनसंख्या की बड़ी हिस्सेदारी, पड़ोसी देशों के साथ सीमाओं पर रणनीतिक स्थान, आर्थिक और बुनियादी संरचना के लिहाज से पिछड़ापन और राज्य के वित्त की अलाभकारी प्रकृति शामिल रहीं। चौधरी ने कहा कि फैसला उक्त सूचीबद्ध सभी कारकों और किसी राज्य की विशिष्ट स्थिति के एकीकृत विचार के आधार पर लिया गया था। उन्होंने कहा, पूर्व में विशेष श्रेणी के दर्जे के बिहार के अनुरोध पर एक अंतर-मंत्रालई समूह (आईएमजी) द्वारा विचार किया गया था, जिसने 30 मार्च 2012 को अपनी रिपोर्ट सौंपी थी। आईएमजी ने यह निष्कर्ष निकाला था कि एनडीसी के मौजूदा मानदंडों के आधार पर बिहार के लिए विशेष श्रेणी के दर्जे का मामला नहीं बनता है। वर्ष 2012 में कांग्रेस नीत संप्रग सरकार केंद्र में थी। रविवार को सर्वदलीय बैठक में जद(यू) नेता संजय कुमार झा ने विशेष राज्य के दर्जे की अपनी पार्टी की मांग दोहराई थी। सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन में भाजपा की सहयोगी लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) और विपक्षी राष्ट्रीय जनता दल (राजद) ने भी बैठक में यह मांग उठाई थी। राज्य को विशेष दर्जा देने की मांग सोमवार को राज्यसभा में भी उठी। राजद के सदस्य मनोज झा ने उच्च सदन में बिहार के लिए विशेष राज्य के दर्जे के साथ-साथ विशेष पैकेज देने की भी मांग उठाई और कहा कि इसके लिए उनकी पार्टी संसद से सड़क तक संघर्ष करेगी। राजद सदस्य ने जद (यू) की ओर संकेत करते हुए कहा, हमारे कुछ साथी जो हमारे साथ काम कर चुके हैं, कहते हैं कि विशेष राज्य न दे सको तो विशेष पैकेज दो। विशेष राज्य और विशेष पैकेज के बीच में या नहीं है। बिहार को या स्वीकार नहीं है। विशेष राज्य का दर्जा भी चाहिए और विशेष पैकेज भी चाहिए। हमें दोनों चाहिए। संसद में मांगेंगे, सड़क पर मांगेंगे।

जम्मू...

विलेज डिफेंस गार्ड के लिए खतरे की आशंका जताते हुए खुफिया जानकारी पर कार्रवाई की गई। सुरक्षा बलों की टीमों ने तेजी से हस्तक्षेप किया, जिससे कि वीडीसी सदस्य और उनके परिवार को कोई नुकसान न हो। ऑपरेशन और गोलाबारी जारी है। निवासियों में विश्वास पैदा करने के लिए अतिरिक्त सैनिक दिन के दौरान क्षेत्र में तैनात रहे। ग्रामीणों ने जम्मू क्षेत्र के दूरदराज के इलाकों में आतंकवादी हिंसा के बढ़ते खतरे से निपटने के लिए स्थानीय ग्राम रक्षा गार्डों को आधुनिक हथियारों से लैस करने की भी मांग उठाई। जम्मू क्षेत्र में आतंकवाद के बढ़ते खतरे का मुकाबला करने के लिए भारतीय सेना ने क्षेत्र में सक्रिय पाकिस्तानी आतंकवादियों को मार गिराने के लिए बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान शुरू करने के लिए पहले ही 3000 से अधिक सैनिकों और 500 पैरा कमांडो को शामिल कर लिया है। प्रारंभिक आकलन के अनुसार 50 से अधिक पाकिस्तानी आतंकवादी सुरक्षा बलों पर लक्षित हमले करने के लिए भारतीय क्षेत्र में घुसपैठ कर चुके हैं।

कांवड़ यात्रा मार्ग पर दुकानदारों के लिए नाम प्रदर्शित करना अनिवार्य नहीं

मध्य प्रदेश की भाजपा सरकार ने स्पष्ट किया कि उसने राज्य मे कांवड़ यात्रा मार्ग पर दुकानदारो को अपना नाम प्रदर्शित करने के लिए कोई निर्देश जारी नही किया है

भाषा। भोपाल

मध्य प्रदेश की भाजपा सरकार ने स्पष्ट किया है कि उसने राज्य में कांवड़ यात्रा मार्ग पर दुकानदारों को अपना नाम प्रदर्शित करने के लिए कोई निर्देश जारी नहीं किया है। यात्रा मार्ग पर स्थित भोजनालयों पर दुकानदारों के नाम प्रदर्शित करने के निर्देश को लेकर उत्तर प्रदेश में विवाद के बीच मध्य प्रदेश सरकार ने शहरी निकायों से किसी भी तरह का भ्रम फैलाने से बचने को कहा है। शहरी विकास एवं आवास विभाग (यूडीएचडी) ने रविवार रात एक बयान जारी कर स्थिति स्पष्ट की। इससे कुछ दिन पहले उज्जैन के महापौर ने दावा किया था कि दुकानदारों को बोर्ड पर अपना नाम और फोन नंबर प्रदर्शित करने का निर्देश दिया गया है। यूडीएचडी ने कहा कि शहरी क्षेत्रों में कांवड़ यात्रा मार्ग पर दुकानदारों के नाम बोर्ड पर लिखने के संबंध में राज्य सरकार के स्तर पर कोई निर्देश जारी नहीं किया गया है। उज्जैन के महापौर मुकेश टटवाल ने पिछले सप्ताह महापौर परिषद के 26 सितंबर 2002 के एक कथित निर्णय का हवाला देते हुए दावा किया था कि दुकानदारों से अपना नाम प्रदर्शित करने के लिए कहने वाले प्रस्ताव को मंजूरी दे दी गई है। उन्होंने दावा किया था कि मंजूरी को आपत्तियों के लिए राज्य सरकार के पास भेज दिया गया है और सभी औपचारिकताएं पूरी कर ली गई हैं। ऐसी खबरों को गलत बताते हुए यूडीएचडी ने शहरी निकायों को कांवड़ यात्रा मार्ग पर दुकान मालिकों को दिए गए निर्देशों के बारे में भ्रम फैलाने से बचने का निर्देश दिया। यूडीएचडी ने इस बात पर जोर दिया कि मध्य प्रदेश आउटडोर विज्ञापन मीडिया नियम-2017 दुकान मालिकों को बोर्ड पर अपना नाम प्रदर्शित करने के लिए बाध्य नहीं करता है। विभाग ने कहा, मध्य प्रदेश आउटडोर विज्ञापन मीडिया नियम-2017 के तहत दुकानों पर बोर्ड लगाए जा सकते हैं। इन बोर्ड पर दुकान मालिक का नाम प्रदर्शित करने की कोई बाध्यता नहीं है। महापौर की टिप्पणियों के बाद उज्जैन नगर निगम ने भी पुष्टि की कि शहर में दुकान के बोर्ड पर नाम और फोन नंबर प्रदर्शित करने को अनिवार्य बनाने का कोई प्रस्ताव नहीं है। इसके अलावा, भाजपा विधायक रमेश मेंदोला ने मुख्यमंत्री मोहन यादव को पत्र लिखकर दुकान मालिकों द्वारा अपने नाम गर्व से प्रदर्शित करने का समर्थन किया। मेंदोला ने तर्क दिया कि नाम प्रदर्शित करना व्यक्तिगत गौरव और ग्राहक अधिकार का मामला है, न कि ऐसा कुछ जिसे अनिवार्य या हतोत्साहित किया जाना चाहिए। विधायक ने दावा किया, मध्य प्रदेश में हर छोटे-बड़े व्यापारी, व्यवसाई और दुकानदार को अपना नाम बताने में गर्व की अनुभूति होगी उत्तर प्रदेश में विवाद तब शुरू हुआ था, जब मुजफ्फरनगर पुलिस ने कांवड़ यात्रा मार्ग पर स्थित भोजनालयों को भ्रम से बचने के लिए मालिकों के नाम प्रदर्शित करने का आदेश दिया था। इस निर्देश की विपक्षी दलों और सत्तारूढ़ गठबंधन के कुछ सदस्यों ने आलोचना की है, जिनका तर्क है कि यह समुदाय विशेष के व्यापारियों को गलत तरीके से निशाना बनाता है।

तेलंगाना में भी भोजनालय मालिकों के नाम प्रदर्शित किए जाएं : राजा सिंह

हैदराबाद। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा कांवड़ यात्रा मार्ग पर भोजनालयों के मालिक के नाम प्रदर्शित करने संबंधी आदेश से पैदा हुए विवाद के बीच, अक्सर विवादों में रहने वाले तेलंगाना से भाजपा विधायक राजा सिंह ने कहा है कि उनके राज्य में भी यह लागू किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि हिंदुओं को खाने-पीने की चीजें केवल हिंदू दुकानदारों से ही खरीदनी चाहिए। इस बीच, उच्चतम न्यायालय ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) शासित उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड सरकारों द्वारा जारी उन निर्देशों पर सोमवार को अंतरिम रोक लगा दी, जिनमें कांवड़ यात्रा मार्गों पर स्थित भोजनालयों को अपने मालिकों, उनमें काम करने वालों के नाम और अन्य विवरण प्रदर्शित करने के लिए कहा गया है। राजा सिंह ने सोमवार को अपने भाषण का एक वीडियो जारी कर कांवड़ यात्रा के मार्ग पर खाने-पीने की चीजों की दुकानों पर उनके मालिक का नाम प्रदर्शित करने का आदेश देने के लिए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की प्रशंसा की। अपने विभाजनकारी भाषणों के लिए चर्चा में रहने वाले राजा सिंह ने कहा, पिछली बार हमने देखा था कि कांवड़ियों को भोजन उसमें थूककर परोसा गया था। उत्तर प्रदेश सरकार के आदेश का संदर्भ देते हुए उन्होंने उसके फैसले की प्रशंसा करते हुए कहा कि हिंदू अब जान पाएंगे कि वे किसके भोजनालय में खाना खा रहे हैं। हैदराबाद की गोशामहल विधानसभा सीट से विधायक सिंह ने कहा, ऐसी चीज तेंलगाना में भी होनी चाहिए जहां कांवड़ यात्रा होती है। तेलंगाना ही नहीं, बल्कि मध्य प्रदेश, असम और उन राज्यों में भी अनुकरण किया जाना चाहिए जहां भाजपा की सरकारें हैं।

देश के भूजल स्तर में छह प्रतिशत का सुधार हुआः जल शक्ति मंत्री

नई दिल्ली (भाषा) सरकार ने सोमवार को बताया कि देश के भूजल स्तर में छह प्रतिशत का सुधार हुआ है और भूजल सुरक्षित क्षेत्र भी 63 प्रतिशत से बढ़ कर 73 प्रतिशत हो गया है। जल शक्ति मंत्री सी आर पाटिल ने राज्यसभा में प्रश्नकाल के दौरान यह जानकारी देते हुए बताया कि भूजल स्तर में गिरावट 2017 में 17 प्रतिशत थी जो 2023 में घट कर 11 प्रतिशत रह गई है। उन्होंने कहा इस प्रकार भूजल स्तर में छह प्रतिशत का सुधार हुआ है।निर्दलीय सदस्य कार्तिकेय शर्मा के पूरक प्रश्न के उत्तर में पाटिल ने यह भी बताया कि भूजल सुरक्षित क्षेत्र भी 63 प्रतिशत से बढ़ कर 73 प्रतिशत हो गया है।बीजद के सुजीत कुमार के पूरक प्रश्न के उत्तर में पाटिल ने बताया कि देश स्वाधीनता के 75 वर्ष पूरे होने पर मनाए गए अमृत महोत्सव के दौरान, हर जिले में 75 अमृत सरोवर बनाए गए और इसका सकारात्मक परिणाम मिला है। उन्होंने बताया कि राज्य सरकारों से मिली रिपोर्ट के अनुसार, भूजल स्तर बढ़ा है और उसकी गुणवत्ता भी सुधरी है लेकिन यह कार्य सतत करते रहना होगा वरना भूजल स्तर नीचे चला जाएगा। उन्होंने कहा वर्षा जल संरक्षण के लिए भी ध्यान देना होगा। मंत्रालय ने इस बारे में विभिन्न योजनाएं बनाई हैं। पाटिल ने कहा कि पानी को साफ रखने के लिए और स्वच्छ पेयजल मुहैया कराने के लिए सरकार की ओर से पूरी कोशिश की जा रही है। भाजपा के केसरीदेव सिंह झाला के पूरक प्रश्न के जवाब में उन्होंने बताया कि गुजरात में कभी पानी की कमी थी लेकिन जब नरेन्द्र मोदी मुख्यमंत्री थे तब उन्होंने जो योजनाएं बनाईं उनकी वजह से आज राज्य को भरपूर पानी मिल रहा है और किसान तीन तीन फसल ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि गुजरात में आज सीमा की सुरक्षा में लगे जवानों को भी पीने का साफ पानी मिल रहा है।समाजवादी पार्टी की जया बच्चन ने भूजल के उपयोग संबंधी अनापत्ति प्रमाणपत्र की शर्तों का उल्लंघन करने पर सजा के बारे में जानना चाहा। इस पर पाटिल ने कहा कि भूजल के उपयोग संबंधी अनापत्ति प्रमाणपत्र की शर्तों का उल्लंघन करने पर नियमों के अनुसार सजा देने का प्रावधान है।एक अन्य पूरक प्रश्न के उत्तर में पाटिल ने बताया कि आर्सेनिक और फ्लोराइड के संदूषण वाले पानी की सफाई के लिए हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि पेयजल गुणवत्ता परीक्षण के लिए प्रयोगशालाओं का नेटवर्क है और हर राज्य में यह सुविधाएं हैं। उन्होंने कहा यहां तक की ग्राम पंचायतों तक को यह सुविधा मुहैया कराई गई है और स्थानीय समुदाय की महिलाओं को भी इसके लिए प्रशिक्षण दिया जाता है। पाटिल ने बताया की देश की स्वाधीनता के बाद 70 वर्ष तक हर गांव में पानी नहीं पहुंच पाया। इसीलिए जल जीवन मिशन योजना शुरु की गई जिसका सबसे अधिक लाभ महिलाओं को हुआ। उनका 75 प्रतिशत समय पानी के प्रबंध करने में लगता था और इसके बावजूद उन्हें शुद्ध पानी नहीं मिल पाता था। यह उनका एक तरह से सशक्तीकरण है। करीब 25 लाख महिलाओं को पानी की गुणवत्ता जांचने का प्रशिक्षण दिया गया है। उन्होंने कहा कि 19 करोड़ घरों को जल जीवन मिशन योजना के तहत पानी दिया जा रहा है और दो वर्ष में साढ़े छह करोड़ लोग इस योजना के दायरे में आए हैं। उन्होंने कहा केंद्र ने राज्य सरकार का भी बोझ हल किया है। प्रदूषित पानी से बीमारियां होती थीं लेकिन शुद्ध पानी मिलने से काफी हद तक यह समस्या दूर हुई है। इस तरह से राज्य सरकार का बोझ भी कम हुआ है।

उन्होंने कहा कि योजना के तहत केंद्र सरकार आर्थिक मदद और तकनीकी सहायता देती है और योजना का कार्यान्वयन राज्य सरकार का जिम्मा है। हाल ही में इस संबंध में राज्य सरकारों से बातचीत भी हुई।भाजपा के अशोक चाव्हाण ने कहा कि केंद्र की ओर से 90 प्रतिशत राशि दी जाती है और राज्य सरकार का खर्च दस प्रतिशत होता है। विभिन्न एजेंसियों के काम में विलंब होने की वजह से योजना के क्रियान्वयन में विलंब होता है।

आरएसएस-भाजपा ने सरकारी कर्मियों को संघ की गतिविधियों में भाग लेने की अनुमति देने के फैसले को सराहा

नई दिल्ली। (भाषा) भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने सरकारी कर्मचारियों के हिंदूवादी संगठन की गतिविधियों में भाग लेने पर लगाए गए प्रतिबंध को हटाने के केंद्र के कदम की सोमवार को सराहना की। संघ ने कहा कि इस फैसले से देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था मजबूत होगी। संघ ने आरोप लगाया कि अतीत में पूर्ववर्ती सरकारों ने प्रतिबंध लगाकर अपने राजनीतिक हितों को आगे बढ़ाने का काम किया। भाजपा नेता और केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि 1966 में सरकारी कर्मचारियों के आरएसएस की गतिविधियों में शामिल होने पर प्रतिबंध लगाने का कांग्रेस सरकार का फैसला राजनीतिक कारणों से प्रेरित था। उन्होंने संवाददाताओं से कहा कि कांग्रेस की राष्ट्रवादी संगठनों के प्रति हमेशा नकारात्मक मानसिकता रही है और ऐसी सोच का देश में कोई स्थान नहीं है। उन्होंने दावा किया कि प्रतिबंध हटाने के मोदी सरकार के फैसले की आलोचना करने वाले विपक्षी दल केवल तुष्टिकरण की राजनीति में रुचि रखते हैं और उन्होंने हिंदुओं के प्रति नकारात्मक रवैया प्रदर्शित किया है। गोयल ने आरएसएस को एक राष्ट्रवादी संगठन बताया, जिसके सदस्य देशभक्ति से भरे हुए हैं। प्रतिबंध हटाए जाने के सरकारी आदेश के सार्वजनिक होने और कई विपक्षी नेताओं द्वारा इस कदम की आलोचना किए जाने के एक दिन बाद आरएसएस के प्रवक्ता सुनील आंबेकर ने एक बयान में कहा, सरकार का मौजूदा निर्णय उचित है और यह भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत करता है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पिछले 99 वर्षों से लगातार राष्ट्र के पुनर्निर्माण और समाज की सेवा में लगा हुआ है। उन्होंने कहा, राष्ट्रीय सुरक्षा, एकता-अखंडता और प्राकृतिक आपदा के समय में समाज को साथ लेकर चलने में संघ के योगदान के कारण देश के विभिन्न स्तर के नेतृत्व ने समय-समय पर संघ की भूमिका को सराहा है। आंबेकर ने आरोप लगाया, राजनीतिक हितों के कारण तत्कालीन सरकार ने सरकारी कर्मचारियों के संघ जैसे रचनात्मक संगठन की गतिविधियों में हिस्सा लेने पर बेबुनियाद प्रतिबंध लगा दिया था।

ममता बंगाल में घुसपैठ को न्यायोचित्त ठहराने का प्रयास कर रही हैः भाजपा

नई दिल्ली (भाषा)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने सोमवार को पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के उस बयान की आलोचना की जिसमें उन्होंने कहा था कि वह बांग्लादेश में संकट में फंसे लोगों को आश्रय देने को तैयार हैं। पार्टी ने आरोप लगाया कि बनर्जी का यह बयान राज्य में घुसपैठ को न्यायोचित्त ठहराने वाला है।भाजपा नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने यहां संवाददाताओं से कहा कि भारत की एकता और अखंडता को कमजोर करने के किसी भी प्रयास को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने बनर्जी की उस कथित टिप्पणी के लिए उन पर निशाना साधा जिसमें उन्होंने कहा था कि वह चाहती हैं कि बंगाल भारत के साथ अच्छे संबंध रखे। उन्होंने सवाल किया कि उनके (ममता के) इस बयान का क्या मतलब है? उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल भारत का हिस्सा है। कोलकाता में एक रैली में बनर्जी ने कहा था कि बांग्लादेश में बढ़ती हिंसा के मद्देनजर वह पड़ोसी देश से परेशान लोगों के लिए अपने राज्य के दरवाजे खुले रखेंगी और उन्हें शरण देंगी। प्रसाद ने कहा कि ऐसे मुद्दे पूरी तरह से भारत सरकार के अधिकार क्षेत्र में हैं। उन्होंने यह भी याद दिलाया कि यह केंद्र सरकार ही थी जिसने 1971 के युद्ध के बाद बांग्लादेशियों को शरण देने का फैसला किया था। उन्होंने कहा कि तृणमूल कांग्रेस नेता पड़ोसी देशों में धार्मिक उत्पीड़न के कारण अल्पसंख्यकों को नागरिकता देने के लिए संशोधित नागरिकता कानून का कड़ा विरोध करती रही हैं लेकिन वह घुसपैठियों की मदद करना चाहती हैं।भाजपा नेता ने बनर्जी पर घुसपैठ को सही ठहराने की कोशिश करने और पश्चिम बंगाल की जनसांख्यिकी बदलने का आरोप लगाते हुए दावा किया कि राज्य में तीन मुस्लिम बहुल जिले हुआ करते थे लेकिन यह संख्या बढ़कर अब नौ हो गई है।उन्होंने दावा किया कि बांग्लादेश से लोगों के आने के कारण कोलकाता की जनसांख्यिकी भी बदल रही है और आतंकवाद के मामलों में कई आरोपी राज्य में शरण पाते हैं।उन्होंने भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सदस्यों का जिक्र करते हुए कहा कि जो राष्ट्रवाद के लिए खड़े होते हैं, उन्हें हिंसक हमलों का सामना करना पड़ता है।

धामी ने कांवड़ियों का उत्तराखंड में स्वागत किया

देहरादून। सावन के पहले सोमवार के साथ उत्तराखंड में औपचारिक रूप से कांवड़ यात्रा की शुरुआत हो गई। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रदेश में आने वाले शिवभक्त कांवड़ियों का स्वागत किया और उनकी सुखद तथा मंगलमय यात्रा की कामना की। हालांकि, मुख्यमंत्री ने कांवड़ियों से इस दौरान गंगा को स्वच्छ बनाए रखने तथा कानून-व्यवस्था का पालन करने की अपील भी की। उन्होंने कहा, भगवान शिव से आपकी सुखद और मंगलमय यात्रा की कामना करता हूं। यात्रा के दौरान मां गंगा की स्वच्छता और कानून-व्यवस्था को बनाए रखने में भी प्रशासन का पूर्ण सहयोग करें।

प्रदेश के पुलिस महानिदेशक अभिनव कुमार ने कांवड़ यात्रा की तैयारियों का जायजा लेने के लिए हरिद्वार का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ बैरागी कैंप, सिंह द्वार, शंकराचार्य चौक, बस अड्डा, ज्वालापुर, नीलधारा पार्किंग, रोड़ी बेलवाला, हर की पौड़ी एवं अन्य मेला क्षेत्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इसके बाद, कुमार ने मेला नियंत्रण कक्ष में एक बैठक की और अपने लंबे अनुभव को साझा करते हुए विगत वर्षों में कांवड़ यात्रा में पेश आई समस्याओं पर प्रभावी नियंत्रण, पुलिस के समक्ष चुनौतीपूर्ण परिस्थितियां एवं अन्य विभागों से बेहतर तालमेल आदि छोटी-बड़ी समस्याओं के समाधान हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

नवीन पटनायक ने पांडियन का फिर किया बचाव, कहा-समर्पित

भुवनेश्वर। ओडिशा के पूर्व मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने सोमवार को एक बार फिर बीजू जनता दल (बीजद) के नेता और अपने करीबी वी.के. पांडियन का बचाव किया है। पटनायक ने कहा कि नौकरशाही से राजनीति में आए पांडियन ने पूरे समर्पण, दक्षता एवं ईमानदारी से राज्य एवं पार्टी की सेवा की है। उन्होंने पार्टी में टूट को लेकर मीडिया में आई खबर को भी खारिज करते हुए उसे झूठा, प्रेरित, अपमानजनक और दुर्भावनापूर्ण करार दिया। ओडिशा के मुख्यमंत्री ने यह टिप्पणी उस खबर पर की जिसमें दावा किया गया है कि उन्होंने केंद्रीय मंत्री अमित शाह से कहा है कि वह पांडियन को तवज्जो न दें। पटनायक ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर जारी पोस्ट में कहा, यह पूरी तरह से झूठा, प्रेरित, अपमानजनक और दुर्भावनापूर्ण है। जैसा कि मैंने पहले कहा है, पांडियन ने अत्यंत समर्पण, दक्षता और निष्ठा के साथ राज्य और पार्टी की सेवा की है और उसी के लिए उन्हें जाना और सम्मानित किया जाता है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने भी खबर में किए दावे को खारिज कर दिया कि पाटनायक ने शाह को राज्यसभा में बीजद का समर्थन देने का भरोसा दिया है जहां सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) का बहुमत नहीं है। भाजपा की राज्य इकाई के अध्यक्ष बिरंचि नारायण त्रिपाठी ने कहा, भाजपा को बीजद की किसी मदद की जरूरत नहीं है क्योंकि उसके पास राज्य और केंद्र में बहुमत है।

शिवसेना एमएलसी ने अश्लील सामग्री को लेकर बिग बॉस का प्रसारण बंद करने की मांग की

मुंबई। शिवसेना की एक विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) ने सोमवार को रियलिटी शो बिग बॉस का प्रसारण बंद करने की मांग की। उन्होंने दावा किया कि शो के हालिया एपिसोड में अश्लील सामग्री प्रसारित की गई थी। एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि महाराष्ट्र में सत्तारूढ़ शिवसेना की प्रवक्ता मनीषा कायंदे ने मुंबई पुलिस आयुक्त विवेक फणसालकर से मुलाकात की और शो का प्रसारण बंद करने की मांग की। कायंदे ने कहा कि 18 जुलाई को प्रसारित एपिसोड में बिग बॉस के शयनकक्ष में एक प्रतिभागी अरमान मलिक को कृतिका मलिक के साथ अंतरंग पलों में दिखाया गया था। उन्होंने कहा, इस जोड़े ने मानवीय संबंधों और सामाजिक मानदंडों की सभी सीमाओं को लांघ दिया। शिवसेना नेता ने कहा, यहां तक कि बच्चे भी यह शो देखते हैं और इसका उन पर असर पड़ता है। कायंदे ने कहा कि शो को बंद किया जाना चाहिए और शो के निर्माताओं एवं इसे प्रसारित करने वाली कंपनी के सीईओ के खिलाफ साइबर अपराध कानूनों के तहत मामला दर्ज किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, बिग बॉस अब एक पारिवारिक शो नहीं रह गया है। अरमान मलिक और कृतिका मलिक ने सारी हदें पार कर दीं।

मप्र के अनुसूचित जाति कल्याण मंत्री चौहान की इस्तीफा देने की धमकी

भोपाल। (भाषा) मध्य प्रदेश के अनुसूचित जाति कल्याण मंत्री नागर सिंह चौहान ने सोमवार को वन एवं पर्यावरण विभाग से हटाए जाने के बाद अपने पद से इस्तीफा देने की धमकी दी है। वन एवं पर्यावरण विभाग मंत्रिपरिषद के नए सदस्य रामनिवास रावत को आवंटित किया गया है जो गत अप्रैल में कांग्रेस को छोड़कर भाजपा में शामिल हुए थे। चौहान ने कहा कि अगर पार्टी संगठन के नेता उनकी चिंताओं पर सकारात्मक प्रतिक्रिया देने में विफल रहे तो रतलाम से सांसद उनकी पत्नी अनीता सिंह चौहान भी इस्तीफा दे देंगी। नागर के पास मौजूद वन एवं पर्यावरण मंत्रालय रविवार को रावत को आवंटित कर दिया गया। प्रमुख आदिवासी नेता चौहान ने पीटीआई-भाषा से फोन पर कहा, मेरी आवाज नहीं सुनी गई। मैं पहले संगठन के नेताओं से बात करूंगा और अगला कदम तय करूंगा। मैं पार्टी संगठन से बात करने के बाद एक या दो दिन में फैसला करूंगा। अगर मुझे लगता है कि मुझे पद पर नहीं रहना चाहिए, तो मैं अपनी पत्नी अनीता के साथ इस्तीफा दे दूंगा। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश में आदिवासियों की आबादी 23 प्रतिशत है। चौहान ने कहा, यह पहली बार है जब आदिवासियों को नेतृत्व दिया गया है, लेकिन वन विभाग (जो आदिवासियों से बहुत जुड़ा हुआ है) को मुझसे छीनकर कांग्रेस से आए एक नेता को दे दिया गया है। मुझे नहीं लगता कि यह मेरे या पार्टी कार्यकर्ताओं के लिए फायदेमंद है। मंत्री ने दावा किया कि उन्होंने रविवार रात पार्टी नेताओं के साथ इस मुद्दे पर चर्चा की और इस चर्चा को जारी रखने की योजना बनाई है। चौहान ने कहा, अगर वे चाहते हैं, तो मैं उनसे बात करूंगा. अगर वे नहीं चाहते हैं तो कोई बात नहीं। योपुर जिले के विजयपुर से छह बार विधायक रहे रामनिवास रावत 30 अप्रैल को लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हुए। आठ जुलाई को कैबिनेट मंत्री के रूप में शामिल किए जाने के कुछ दिनों बाद रविवार को एक अधिसूचना जारी की गई जिसमें कहा गया कि रावत को वन एवं पर्यावरण विभाग आवंटित किया गया है।

भाजपा का दीपक फड़फड़ा रहा है बहुत जल्द बुझ जाएगाः अखिलेश

नई दिल्ली। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड मे कांवड़ यात्रा से संबंधित आदेशो को लेकर सोमवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर कटाक्ष करते हुए कहा कि सत्तारूढ़ दल का दीपक फड़फड़ा रहा है और यह जल्द बुझ जाएगा। उन्होने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की गतिविधियो मे भाग लेने के लिए सरकारी कर्मचारियो पर लगे प्रतिबंध को हटाने को लेकर केंद्र पर भी हमला किया और कहा कि सांप्रदायिक राजनीति को देश के लोगो ने खारिज कर दिया है।उत्तर प्रदेश के कन्नौज से सांसद ने कहा कि कांवड़ यात्रा से संबंधित आदेशो का हवाला देते हुए भविष्य मे केंद्र और भाजपा शासित राज्यो द्वारा इस तरह के और कदम उठाए जाने की संभावना है। उन्होने कहा, सांप्रदायिक राजनीति को लोगो ने खारिज कर दिया है और जैसे दीया बुझने से पहले फड़फड़ाता है, वैसे ही वे (भाजपा) बुझने से पहले फड़फड़ा रहे है।

गुजरात में तीन महीने में 503 अनाधिकृत धार्मिक ढांचे हटाए गएः सरकार

अहमदाबाद (भाषा)। गुजरात सरकार ने सोमवार को उच्च न्यायालय को बताया कि उच्चतम न्यायालय के निर्देश का पालन करते हुए पिछले तीन साल में सार्वजनिक स्थलों से लगभग 503 अनधिकृत धार्मिक ढांचे हटाए गए हैं। महाधिवक्ता कमल त्रिवेदी ने मुख्य न्यायाधीश सुनीता अग्रवाल की पीठ को बताया कि राज्य सरकार ने निगरानी, नियमित तौर पर ऐसे ढांचों को हटाने और संबंधित विभागों को स्थिति रिपोर्ट सौंपने के लिए स्थानीय प्रशासन स्तर पर समितियां बनाने के लिए दिशा-निर्देश भी जारी किए हैं। त्रिवेदी ने कहा, लगभग तीन महीनों (स्वत: संज्ञान लेते हुए दायर याचिका पर 22 अप्रैल 2024 को सुनवाई किए जाने के बाद से) में 503 धार्मिक ढांचों को हटाया गया है, जिनमें से 236 जिला क्षेत्रों, जबकि 267 नगर निगम क्षेत्रों में थे।

उन्होंने बताया कि इसके अलावा, नगर निगम क्षेत्रों में दो ऐसी संरचनाओं को नियमित किया गया है तथा 28 को स्थानांतरित किया गया है, जिनमें से 17 जिले में तथा 11 नगर निगम क्षेत्रों में हैं।

राज्य के गृह विभाग के सचिव द्वारा 22 अप्रैल 2024 के आदेश के अनुसार दाखिल एक हलफनामे में अदालत को विवरण प्रदान किया गया है। त्रिवेदी ने बताया कि स्थानीय अधिकारियों ने स्थानीय धार्मिक प्रमुखों के साथ 294 बैठकें कीं और उनसे ऐसे अनधिकृत ढांचे हटाने का आग्रह किया। उन्होंने उच्च न्यायालय को बताया कि राज्य सरकार ने 19 अप्रैल 2024 को एक दिशानिर्देश तैयार किया है, जिसमें स्थानीय अधिकारियों को 10 दिन के भीतर समितियों का गठन करने का निर्देश दिया गया है। त्रिवेदी ने कहा कि समिति द्वारा उठाए गए कदमों की हर तिमाही समीक्षा की जाती है।'। उच्चतम न्यायालय ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को सार्वजनिक स्थानों पर अनधिकृत धार्मिकउच्चतम न्यायालय ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को सार्वजनिक स्थानों पर अनधिकृत धार्मिक संरचनाओं की पहचान करने और उन्हें हटाने, स्थानांतरित करने या नियमित करने के संबंध में एक व्यापक नीति तैयार करने का निर्देश दिया था।

नौसेना प्रमुख ने आईएनएस ब्रह्मपुत्र में आग लगने की घटना के बारे में रक्षा मंत्री को जानकारी दी

नई दिल्ली। नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के. त्रिपाठी ने सोमवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को मुंबई नौसैनिक पोतगाह में भारत के अग्रणी युद्धपोत आईएनएस ब्रह्मपुत्र में आग लगने की घटना से अवगत कराया। आग लगने से पोत को काफी नुकसान हुआ है। नौसेना के अनुसार, रविवार शाम को आग लगने की घटना के बाद एक कनिष्ठ नाविक लापता है और बचाव दल उसे खोजने की कोशिश कर रहे हैं।सिंह के कार्यालय ने एक्स पर लिखा, नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को भारतीय नौसेना के जहाज ब्रह्मपुत्र में आग लगने की घटना और इस घटना से हुए नुकसान से अवगत कराया है।

ओलम्पिक मेजबानी के लिए प्रयास न करने की कार्ति चिदम्बरम की सलाह

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता कार्ति चिदम्बरम ने सरकार से ओलम्पिक खेलों की मेजबानी के लिए प्रयास नहीं करने का आग्रह करते हुए सोमवार को कहा कि इससे देश के संसाधनों को दोहने होगा। उन्होंने लोकसभा में पेरिस ओलंपिक के लिए भारत की तैयारियां विषय पर नियम 193 के तहत हुई चर्चा में भाग लेते हुए कहा कि इस धन का उपयोग एथलीटों के विकास के लिए करना बेहतर है और "अहंकारे वाली परियोजनाओं में नहीं पड़ना चाहिए। शिवगंगा (तमिलनाडु) के सांसद ने कहा, कृपया ओलम्पिक की मेजबानी न करें। यूनान और ब्राजील ने ओलम्पिक का आयोजन किया और इसके बाद उन्हें बहुत कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। यह बहुत बड़ा नुकसान है। भारत ने 2036 ओलम्पिक की मेजबानी के लिए बोली लगाने में रुचि दिखाई है। उन्होंने यह भी कहा कि भारत ने सभी ओलम्पिक खेलों में कुल 35 पदक जीते हैं, लेकिन क्रोएशिया जैसे छोटे देश ने 41 पदक जीते हैं। उन्होंने सरकार को खेलों में भागीदारी और खेल सुविधाओं तक पहुंच को व्यापक बनाने का सुझाव दिया।उन्होंने कहा, बोर्ड परीक्षाओं में खेलों को अनिवार्य विषय बनाया जाए और खेलों में भागीदारी अनिवार्य हो। जब तक इस शैक्षणिक प्रणाली में खेल अनिवार्य नहीं हो जाते, खेलों को व्यापक आधार देना बहुत मुश्किल है।

बांग्लादेश में हिंसक प्रदर्शनों के बाद शांति, इंटरनेट सेवाएं अब भी ठप

ढाका। बांग्लादेश में हिंसक विरोध प्रदर्शनों के बाद सरकारी नौकरियों में आरक्षण घटाने के उच्चतम न्यायालय के फैसले से स्थिति शांत होने के बावजूद लगातार पांचवें दिन इंटरनेट सेवाएं ठप रहीं और सरकार ने सोमवार को सार्वजनिक अवकाश घोषित किया। देश में कुछ ही दिन पहले, देखते ही गोली मारने के आदेश के साथ कर्फ्यू लगा दिया गया था और सैन्यकर्मी राजधानी ढाका और अन्य क्षेत्रों में गश्त करते देखे गए। देश में पुलिस और मुख्य रूप से छात्र प्रदर्शनकारियों के बीच झड़पें हुईं। प्रदर्शनकारी 1971 के बांग्लादेश मुक्ति संग्राम लड़ने वाले (पूर्व) सैनिकों के रिश्तेदारों के लिए सरकारी नौकरियों में 30 प्रतिशत आरक्षण को समाप्त करने की मांग कर रहे हैं।

कम से कम चार स्थानीय समाचार पत्रों में बताया गया है कि हिंसा में 100 से अधिक लोग मारे गए हैं। अधिकारियों ने हिंसा में हुई मौतों के आधिकारिक आंकड़े अब तक साझा नहीं किए हैं।

बांग्लादेश के उच्चतम न्यायालय ने रविवार के अपने फैसले में कहा कि 93 प्रतिशत सरकारी नौकरियां योग्यता आधारित प्रणाली के आधार पर आवंटित की जाएं, पांच प्रतिशत 1971 में बांग्लादेश मुक्ति संग्राम में भाग लेने वालों के परिजनों तथा अन्य श्रेणियों के लिए दो प्रतिशत सीटें आरक्षित रखी जाएं। रविवार रात को कुछ छात्र प्रदर्शनकारियों ने सरकार से इंटरनेट सेवाएं बहाल करने का आग्रह किया। भेदभाव विरोधी छात्र आंदोलन के समन्वयक हसनत अब्दुल्ला ने समाचार एजेंसी एसोसिएटेड प्रेस को बताया कि जिस पूर्ण बंद के आह्वान को उन्होंने पिछले सप्ताह लागू करने का प्रयास किया था उसे अब वापस ले रहे हैं। उन्होंने कहा, लेकिन हम डिजिटल कार्वाई को रोकने और इंटरनेट सेवाएं बहाल करने के लिए 48 घंटे का समय दे रहे हैं।

अब्दुल्ला ने यह भी कहा कि वे चाहते हैं कि सरकार कर्फ्यू समाप्त करे और यह सुनिश्चित करे कि देश दो दिनों के भीतर सामान्य स्थिति में वापस आ जाए। जनवरी में हुए आम चुनाव में प्रधानमंत्री शेख हसीना की लगातार चौथी बार जीत के बाद हो रहे इन विरोध प्रदर्शनों ने बांग्लादेश की सरकार के लिए सबसे गंभीर चुनौती पेश की। इस दौरान विश्वविद्यालयों को बंद करने के साथ इंटरनेट सेवा ठप कर दी गई और सरकार ने लोगों को घर पर रहने का आदेश जारी किया। प्रदर्शनकारियों ने तर्क दिया कि आरक्षण प्रणाली भेदभावपूर्ण थी और इससे शेख हसीना के समर्थकों को फायदा हुआ।

संगठित राजनीतिक माफिया आतंकियों के खिलाफ नए सैन्य अभियान के बारे में झूठ फैला रहा: पाकिस्तानी सेना

इस्लामाबाद/पेशावर। पाकिस्तानी सेना ने सोमवार को कहा कि एक संगठित राजनीतिक माफिया आतंकियों के सफाए और आर्थिक विकास तथा स्थिरता के उद्देश्य से शुरू किए गए एक नए आतंकवाद-रोधी अभियान अज्म-ए-इस्तेहकाम के बारे में गलत सूचना फैला रहा है। वहीं, इससे पहले आतंकवादियों ने पाकिस्तान के प्रांत खैबर पख्तूनख्वा के एक कबायली जिले में लड़कियों के सरकारी स्कूल को निशाना बनाया। सेना के प्रवक्ता लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ ने रावलपिंडी में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए अभियान शुरू करने सहित विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों पर बात की। उन्होंने कहा, इस अभियान को विफल करने के लिए बड़े एक विशाल अवैध राजनीतिक माफिया खड़ा हो गया है और उस माफिया का पहला कदम झूठे और फर्जी तर्कों के माध्यम से अभियान को विवादास्पद बनाना है।

पाकिस्तान के पूर्व प्रमुख सैन्य अभियानों- जर्ब-ए-अज्ब और रद्द-उल-फसाद के कारण बड़े पैमाने पर विस्थापन देखा गया था। एक संवाददाता ने उपरोक्त दोनों अभियानों का उल्लेख करते हुए पूछा कि क्या वर्तमान अभियान अज्म-ए-इस्तेहकाम के दौरान भी इसी प्रकार का विस्थापन होगा? उन्होंने कहा, यह कोई सैन्य अभियान नहीं है, बल्कि एक बृहद आतंकवाद-रोधी पहल है जिसका उद्देश्य आर्थिक विकास और स्थिरता को बढ़ावा देना है। उन्होंने पिछले सैन्य अभियानों का जिक्र करते हुए कहा, हमारी समस्या यह है कि हम अपनी राजनीति के कारण हर महत्वपूर्ण मुद्दे को मजाक बना देते हैं।

सेना प्रवक्ता ने कहा कि असल बात यह है कि हम राजनीति की वेदी पर बहुत महत्वपूर्ण मुद्दों की भी बलि चढ़ा रहे हैं और आज्म-ए-इस्तेहकाम इसका एक उदाहरण है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि इसका उद्देश्य केवल पहले से लागू राष्ट्रीय कार्य योजना (एनएपी) में तेजी लाना है, जिसे 2014 में आतंकवाद को खत्म करने के लिए शुरू किया गया था। उधर, खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के एक कबायली जिले में अज्ञात आतंकवादियों ने रविवार और सोमवार की दरमियानी रात को लड़कियों के एक सरकारी स्कूल को बस धमाके से उड़ा दिया। प्रांत के शिक्षा मंत्री फैसल खान तराकई ने बताया कि आतंकवादियों ने अफगानिस्तान की सीमा से लगे उत्तरी वजीरिस्तान कबायली जिले में लड़कियों के सरकारी माध्यमिक स्कूल को बम से उड़ा दिया, लेकिन धमाके में कोई जनहानि नहीं हुई है। विस्फोट में स्कूल के सात कमरे नष्ट हो गए। इस स्कूल में कुल 255 लड़कियों ने दाखिला लिया हुआ है।

तीन भारतीय-अमेरिकी सांसदों ने राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी के लिए कमला हैरिस का समर्थन किया

वाशिंगटन। सभी पांच भारतीय-अमेरिकी सांसदों ने राष्ट्रपति पद की दौड़ से हटने के राष्ट्रपति जो बाइडन के फैसले की सराहना की है और उनमें से तीन ने राष्ट्रपति पद के लिए डेमोक्रेटिक पार्टी की संभावित उम्मीदवार के रूप में उपराष्ट्रपति कमला हैरिस को अपना समर्थन दिया है। बाइडन (81) ने रविवार को घोषणा की कि वह राष्ट्रपति पद का आगामी चुनाव नहीं लड़ेंगे और उन्होंने डेमोक्रेटिक पार्टी की तरफ से राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी के लिए उपराष्ट्रपति कमला हैरिस के नाम का अनुमोदन किया है। अमेरिकी राष्ट्रपति पद के पांच नवंबर को होने वाले चुनाव में करीब 100 दिन बाकी हैं। प्रतिनिधि सभा में अभी पांच भारतीय-अमेरिकी सांसद – राजा कृष्णमूर्ति, रो खन्ना, श्री थानेदार, प्रमिला जयपाल और अमी बेरा हैं। ए सभी डेमोक्रेटिक पार्टी के हैं। अभी तक इनमें से तीन खन्ना, थानेदार और जयपाल ने हैरिस (59) का समर्थन किया है। हैरिस उपराष्ट्रपति बनने वाली पहली भारतीय-अमेरिकी नागरिक हैं। जयपाल ने हैरिस का समर्थन करते हुए सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, राष्ट्रपति पद के लिए कमला हैरिस को समर्थन। चलिए, डोनाल्ड ट्रंप को हराएं और इतिहास बनाएं। उन्होंने हैरिस से फोन पर भी बात की। खन्ना ने कहा, मुझे हमारे उम्मीदवार के रूप में कमला हैरिस का समर्थन करते हुए गर्व हो रहा है। पहली अफ्रीकी अमेरिकी महिला और पहली एशियाई अमेरिकी के रूप में उनकी मजबूत उम्मीदवारी हमारी पार्टी में ऊर्जा भरेगी। हमारी पार्टी अब आशा के संदेश के साथ और भविष्य के दृष्टिकोण पर चल सकती है। थानेदार ने एक बयान में कहा कि उन्हें कोई शक नहीं था कि राष्ट्रपति बाइडन, ट्रंप को हरा देंगे। उन्होंने कहा, लेकिन मैं उनके फैसले का सम्मान करता हूं और उपराष्ट्रपति कमला हैरिस का अनुमोदन करने के लिए उनका पूरा समर्थन करता हूं। वह बेहतरीन उम्मीदवार और राष्ट्रपति होंगी। वर्जीनिया के स्टेट सीनेटर सुहास सुब्रमण्यम ने भी हैरिस को समर्थन देने की घोषणा की। मोन्टगोमेरी काउंटी के आयुक्त नील मखीजा ने कहा, राष्ट्रपति बाइडन के डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर से नामांकन वापस लेने की घोषणा के बाद मैं इस ऐतिहासिक अवसर के लिए उपराष्ट्रपति कमला हैरिस का समर्थन कर गौरवान्वित और उत्साहित हूं। इस बीच, हिंदू-अमेरिकी पूर्व कांग्रेस सदस्य तुलसी गबार्ड ने कहा कि कमला हैरिस गुप्त और अनधिकृत नेटवर्क वाली सरकार की नई, नाममात्र की नेता हैं और सरकार के मुखिया की भूमिका में अत्यधिक खतरनाक साबित होंगी। गबार्ड ने देशवासियों से रिपब्लिकन पार्टी के राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप के लिए वोट करने को कहा। एक वीडियो में कहा, बाइडन बाहर हो गए हैं, कमला हैरिस आ गई हैं। मूर्ख मत बनिए : नीतियां नहीं बदलेंगी। जैसे बाइडन में निर्णय लेने की शक्ति नहीं थी, वैसे ही कमला हैरिस में भी नहीं होगी।

सोशल मीडिया मंच एक्स पर बाइडन के प्रचार अभियान दल के खाते का नाम बदला गया

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के चुनाव मैदान से हटने और डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर से राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी के लिए उपराष्ट्रपति कमला हैरिस के नाम का अनुमोदन करने के बाद सोशल मीडिया मंच एक्स पर बाइडन के प्रचार अभियान दल के खाते का नाम बदलकर कमला एचक्यू कर दिया गया है। बाइडन की घोषणा के तुरंत बाद रविवार को एक्स पर बाइडन एचक्यू खाते का नाम बदलकर कमला एचक्यू कर दिया गया। प्रचार अभियान दल अपने संदेशों को प्रसारित करने और प्रतिद्वंद्वियों के हमलों का जवाब देने के लिए इस खाते का इस्तेमाल करता है। सीएनएन ने बताया कि बाइडन-हैरिस अभियान के लिए एक्स पर सोशल मीडिया त्वरित प्रतिक्रिया खाते बाइडन एचक्यू का नाम बदलकर आधिकारिक रूप से कमला एचक्यू कर दिया गया है। बाइडन के फैसले के बाद डेमोक्रेटिक कन्वेंशन नियम समिति बुधवार को नामांकन की रूपरेखा पर चर्चा करेगी। समिति के सह-अध्यक्ष एवं मिनेसोटा के गवर्नर टिम वाल्ज ने कहा, अब किसी नए प्रत्याशी को चुनने के लिए रूपरेखा लागू करने की जिम्मेदारी समिति की है। प्रत्याशी का चयन निष्पक्ष, स्वतंत्र व व्यवस्थागत तरीके से किया जाएगा।

रूसी मूल के अमेरिकी पत्रकार को गोपनीय सुनवाई करके दोषी करार दिया गया

वाशिंगटन। अमेरिकी सरकार द्वारा वित्तपोषित रेडियो फ्री यूरोपरेडियो लिबर्टी की रूसी मूल की अमेरिकी पत्रकार अलसु कुरमाशेवा को रूस की अदालत ने गोपनीय सुनवाई करके रूसी सेना के खिलाफ दुष्प्रचार करने का दोषी करार दिया और साढ़े छह साल कारावास की सजा सुनाई। अदालत के दस्तावेजों और अधिकारियों से सोमवार को यह जानकारी प्राप्त हुई। कुरमाशेवा को काजान शहर की अदालत ने दोषी करार दिया। इसी दिन रूसी शहर एकातेरिनबर्ग की अदालत ने वॉल स्ट्रीट जनरल के संवाददाता इवान गेरश्कोविच को जासूसी करने का दोषी करार देते हुए 16 वर्ष कारावास की सजा सुनाई थी। अमेरिका ने इस फैसले को राजनीति से प्रेरित करार दिया था। ततारस्तान के उच्चतम न्यायालय की वेबसाइट के मुताबिक आरएफईआरएल की ततार बशकिर सेवा की संपादक कुरमाशेवा को सेना के बारे में झूठी खबर फैलाने का दोषी करार दिया गया। अदालत की प्रवक्ता नताल्या लोसेवा ने एसोसिएटेड प्रेस से फोन पर की गई बातचीत में कुरमाशेवा को साढ़े छह साल कारावास की सजा की पुष्टि की लेकिन उनपर लगे आरोपों की प्रकृति की जानकारी नहीं दी। आरएफईआरई के अध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी अधिकारी स्टीफन कैपस ने सोमवार को फैसले पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कुरमाशेवा के खिलाफ सुनवाई को खारिज करते हुए इसे न्याय का मखौल करार दिया।

हमलावर ने मध्य क्रोएशिया के एक बुजुर्ग देखभाल केन्द्र में कई लोगों की हत्या की

जाग्रेब (क्रोएशिया)। मध्य क्रोएशिया में एक बुजुर्ग देखभाल केंद्र में सोमवार को एक हमलावर ने हमला कर दिया, जिसमें कई लोग मारे गए और कई घायल हुए हैं। क्रोएशिया की पुलिस ने यह जानकारी दी। मीडिया में आई खबरों के अनुसार, हमले में पांच लोग मारे गए हैं। इंडेक्स न्यूज पोर्टल के अनुसार, पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि अन्य का इलाज चल रहा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि संदिग्ध घटनास्थल से भाग गया, पुलिस ने जल्द ही उसे दारुवर कस्बे में एक कैफे से पकड़ लिया। उसे सोमवार पूर्वाह्न 10 बजे के बाद सूचना मिली कि एक व्यक्ति ने नर्सिंग होम में कई लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी है और कई लोगों को घायल कर दिया है।

ट्रंप ने राष्ट्रपति पद की दौड़ से पीछे हटने के लिए बाइडन की आलोचना की

वाशिंगटन। रिपब्लिकन पार्टी की तरफ से राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप ने राष्ट्रपति चुनाव की दौड़ से अचानक पीछे हटने के लिए निवर्तमान राष्ट्रपति जो बाइडन पर निशाना साधा और दावा किया कि बाइडन के चिकित्सक समेत उनके इर्द-गिर्द मौजूद सभी लोग जानते थे कि वह राष्ट्रपति पद का चुनाव लड़ने या राष्ट्रपति बनने के योग्य नहीं हैं। ट्रंप ने यह टिप्पणी तब की है, जब बाइडन (81) ने रविवार को यह घोषणा कर सभी को हैरत में डाल दिया कि वह राष्ट्रपति पद की दौड़ से पीछे हट रहे हैं और उन्होंने डेमोक्रेटिक पार्टी की तरफ से राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी के लिए भारतीय-अफ्रीकी मूल की उपराष्ट्रपति कमला हैरिस के नाम का अनुमोदन किया।

ट्रंप ने बाइडन के कोविड-19 से संक्रमित होने को लेकर संदेह भी जताया। उन्होंने अपने सोशल मीडिया मंच ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में कहा, तो अब हम कुटिल जो बाइडन से लड़ने के लिए समय और पैसा खर्च करने के लिए मजबूर हैं, बहस में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद वह चुनाव मैदान से पीछे हट गए। अब हमें सब कुछ फिर से शुरू करना होगा। पूर्व राष्ट्रपति ने कहा, क्या रिपब्लिकन पार्टी को धोखाधड़ी के लिए मुआवजा नहीं देना चाहिए कि जो बाइडन के चिकित्सक समेत उनके इर्द-गिर्द मौजूद हर व्यक्ति और फर्जी मीडिया यह जानती थी कि वह राष्ट्रपति पद का चुनाव लड़ने या राष्ट्रपति बनने के समक्ष नहीं है? केवल पूछ रहा हूं। ट्रंप ने कहा कि बाइडन के साथ उनकी बहस का प्रसारण एबीसी न्यूज पर सितंबर में होना था। उन्होंने बाइडन को अमेरिका के इतिहास में सबसे खराब राष्ट्रपति बताया। ट्रंप ने कहा, अब बाइडन इस दौड़ से बाहर निकल गए हैं, मुझे लगता है कि बहस का प्रसारण पक्षपातपूर्ण एबीसी के बजाय फॉक्स न्यूज पर होना चाहिए था। एक अन्य पोस्ट में ट्रंप (78) ने कहा, क्या किसी को वाकई लगता है कि कुटिल जो बाइडन को कोविड था? नहीं, वह 27 जून को बहस वाली रात के बाद से ही पीछे हटना चाहते थे, जब उन्हें पूरी तरह से खत्म कर दिया गया था। उन्होंने कहा, वह जो बाइडन के अंत की दिशा में एक बड़ा क्षण था। जो बाइडन राष्ट्रपति बनने के योग्य नहीं हैं। वह हमारे देश को बर्बाद कर रहे हैं।

डेमोक्रटिक पार्टी का उम्मीदवार बनने की दावेदारी में हैरिस सबसे आगे

एपी। वाशिंगटन

राष्ट्रपति जो बाइडन द्वारा चुनाव मैदान से हटने की घोषणा करने के बाद राष्ट्रपति पद के चुनाव में डेमोक्रेटिक उम्मीदवार बनने का दरवाजा कई दावेदारों के लिए खुल गया है। हालांकि डेमोक्रेटिक पार्टी के प्रमुख नेताओं ने किया कमला हैरिस का समर्थन, पार्टी में उनके लिए तेज हो रही है लामबंदी। राष्ट्रपति बाइडन ने पार्टी उम्मीदवार के तौर पर उपराष्ट्रपति कमला हैरिस को अपना समर्थन दिया है तथा कई अन्य प्रमुख डेमोक्रेटिक नेता भी उनकी उम्मीदवारी के पक्ष में आगे आए हैं, लेकिन यह स्पष्ट नहीं है कि पार्टी में उनकी उम्मीदवारी का रास्ता कितना आसान होगा। डेमोक्रेटिक उम्मीदवार बनने के प्रमुख दावेदारों की सूची इस प्रकार है:

कमला देवी हैरिस

कैलिफोर्निया के ऑकलैंड में जन्मी उपराष्ट्रपति कमला देवी हैरिस नागरिक अधिकार वकील एवं न्यायविद दिवंगत थरगुड मार्शल को प्रेरणास्रोत मानती हैं और अपने जीवन पर नागरिक अधिकार आंदोलन से जुड़े रहे अपने माता-पिता के प्रभाव का अकसर जिक्र करती हैं। लॉस एंजिलिस के वकील डगलस एमहॉफ कमला हैरिस के पति हैं। बाइडन ने 2020 में हैरिस को उपराष्ट्रपति पद का उम्मीदवार चुनते हुए उन्हें निडर योद्धा कहा था। कमला जनवरी 2021 से उपराष्ट्रपति के रूप में सेवाएं दे रही हैं। अमेरिका की पहली महिला, पहली अश्वेत और दक्षिण एशियाई मूल की पहली ऐसी नागरिक हैं जो इस पद पर आसीन हुई हैं। हैरिस (59) ने दो बार कैलिफोर्निया की अटॉर्नी जनरल चुने जाने के बाद 2016 में अमेरिकी सीनेट में अपनी सीट जीती थी।

जे.बी. प्रिट्जकर

इलिनोइस के गवर्नर जे.बी. प्रिट्जकर अमेरिका में पद पर आसीन सबसे अमीर नेता हैं। वह हयात होटल के उत्तराधिकारी, एक पूर्व निजी इक्विटी निवेशक और परोपकारी हैं। उनकी कुल संपत्ति 3.4 अरब अमेरिकी डॉलर है। फोर्ब्स 400 की सबसे अमीर अमेरिकियों की सूची में 250वें स्थान पर रखा गया।

ग्रेचेन व्हिटमर

ग्रेचेन व्हिटमर मिशिगन की गवर्नर हैं। वह राज्य विधायिका में डेढ़ दशक तक सेवाएं देने के बाद 2018 में गवर्नर पद के चुनाव में पहली बार जीत हासिल कर डेमोक्रेटिक पार्टी में तेजी से उभरीं।

गेविन न्यूजॉम

कैलिफोर्निया के गवर्नर गेविन न्यूजॉम सैन फ्रांसिस्को के मूल निवासी हैं, जो 1995 में मेयर पद के लिए विली ब्राउन के प्रचार अभियान में स्वयंसेवक के तौर पर राजनीति में शामिल हुए थे। मेयर ब्राउन ने दो साल बाद न्यूजॉम को सैन फ्रांसिस्को बोर्ड ऑफ सुपरवाइजर्स की एक खाली सीट पर नियुक्त किया बाद में उन्हें इस सीट पर पुनर्निर्वाचित किया गया। न्यूजॉम ने बाद में मेयर पद का चुनाव जीता और 2004 में सैन फ्रांसिस्को क्लर्क को समलैंगिक जोड़ों को विवाह लाइसेंस जारी करने का निर्देश देकर वह राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा में आए।

जोश शापिरो

पेनसिल्वेनिया के गवर्नर जोश शापिरो को पार्टी का एक उभरता नेता माना जाता है। गर्वनर पद के चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप द्वारा समर्थित उम्मीदवार को करारी शिकस्त दी थी। अटॉर्नी जनरल के तौर पर भी सेवाएं दे चुके हैं। उत्तरी कैरोलाइना के गवर्नर रॉय कूपर, केंटकी के गवर्नर एंडी बेशर और पूर्व अंतरिक्ष यात्री एवं सीनेटर मार्क केली भी डेमोक्रेटिक पार्टी का उम्मीदवार बनने के दावेदारों में शामिल हैं।

विश्व नेताओं ने बाइडन का उनके वैश्विक नेतृत्व और मित्रता का आभार

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन को अपने देश से प्यार करने वाला महान व्यक्ति बताते हुए विश्व नेताओं ने चुनौतीपूर्ण समय के दौरान उनके साहसिक कदमों और वैश्विक नेतृत्व के लिए सोमवार को उनका आभार व्यक्त किया। राष्ट्रपति जो बाइडन ने रविवार को घोषणा की कि वह राष्ट्रपति पद का आगामी चुनाव नहीं लड़ेंगे। डेमोक्रेटिक पार्टी की तरफ से राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार के तौर पर उपराष्ट्रपति कमला हैरिस के नाम का अनुमोदन किया। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री केअर स्टॉर्मर ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि वह राष्ट्रपति बाइडन के फैसले का सम्मान करते हैं और उनके शेष कार्यकाल में साथ मिलकर काम करने के लिए उत्सुक हैं।

ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने एक पोस्ट में कहा कि उन्होंने बाइडन के साथ काम करते समय उनका अमेरिका के प्रति प्यार और सेवा के प्रति समर्पण देखा। उन्होंने अमेरिका और ब्रिटेन के बीच कुछ उपलब्धियों का भी उल्लेख किया।

वाशिंगटन में व्हाइट हाउस के बाहर जो बाइडन के समर्थन में पोस्टर लिए महिला

ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने एक्स पर बाइडन का उनके नेतत्व और सेवाओं के लिए आभार जताया। लोकतांत्रिक मूल्यों, अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा, आर्थिक समृद्धि और भावी पीढ़ियों के लिए जलवायु कार्वाई के प्रति हमारी साझा प्रतिबद्धता के साथ ऑस्ट्रेलिया-अमेरिका गठबंधन पहले कभी इतना मजबूत नहीं रहा। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रुडो ने कनाडाई लोगों का साथी और एक सच्चा दोस्त बनने के लिए बाइडन का आभार जताया।

ट्रुडो ने अपनी और बाइडन की एक तस्वीर साझा करते हुए पोस्ट किया, मैं राष्ट्रपति बाइडन को कई वर्षो से जानता हूं। वह एक महान व्यक्ति हैं, और वह जो कुछ भी करते हैं उसमें अपने देश के प्रति उनका प्रेम होता है। राष्ट्रपति के रूप में, वह कनाडाई लोगों के साथी हैं और एक सच्चे मित्र हैं। जापान के प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा ने कहा, मैं इस मुद्दे पर सीधे टिप्पणी करने से बचता हूं क्योंकि यह अमेरिका की घरेलू राजनीति से जुड़ा है लेकिन मैं मानता हूं कि राष्ट्रपति बाइडन का निर्णय संभावित रूप से सबसे अच्छा राजनीतिक निर्णय लेने की उनकी इच्छा पर आधारित है।

यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर ज़ेलेंस्की ने कहा कि उनका देश स्वतंत्रता की लड़ाई के लिए राष्ट्रपति बाइडन के अटूट समर्थन के लिए उनका आभारी है। यह लड़ाई अमेरिका में मजबूत द्विदलीय समर्थन के कारण महत्वपूर्ण रही है और जारी है। इजराइल के राष्ट्रपति इसहाक हरजोग ने बाइडन को यहूदी लोगों का सच्चा सहयोगी बताया और उनके दशकों लंबे करियर में इजराइली लोगों के लिए उनकी दोस्ती और दृढ़ समर्थन के लिए उन्हें धन्यवाद दिया। आयरलैंड के विदेश मंत्री माइकल मार्टिन ने एक्स पर एक पोस्ट में बाइडन को आयरलैंड का स्थाई मित्रै बताते हुए कहा कि उन्हें यह खबर सुनकर दुख और खुशी दोनों हुई। मार्टिन ने कहा कि बाइडन ने इस द्वीप पर शांति और समृद्धि के लिए अमूल्य समर्थनै दिया और उन्होंने बाइडन को शुभकामनाएं दीं।

बांग्लादेश सरकार के खिलाफ प्रदर्शन पर बांग्लादेशियों को कारावास की सजा

भाषा। दुबई

संयुक्त अरब अमीरात की एक अदालत ने दर्जनों बांग्लादेशियों को अपने देश की सरकार के खिलाफ यहां प्रदर्शन करने पर कारावास की सजा सुनाई है। इनमें से तीन को उम्रकैद की सजा दी गई है। सरकारी मीडिया ने सोमवार को यह खबर दी। यहां की सरकारी समाचार एजेंसी डब्ल्यूएएम की खबर के मुताबिक अबू धाबी की संघीय अपीलीय अदालत ने रविवार को 53 बांग्लादेशियों को 10-10 साल कारावास, एक बांग्लादेशी को 11 साल कारावास और तीन को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। अदालत ने इन बांग्लादेशियों को सजा पूरी होने के बाद देश से निष्कासित करने का भी आदेश दिया है।

डब्ल्यूएएम ने खबर दी, अदालत ने उन गवाहों को सुना जिन्होंने पुष्टि की कि आरोपी बांग्लादेश सरकार के फैसले के खिलाफ बड़ी संख्या में एकत्र हुए एवं यूएई की कई सड़कों पर विशाल जुलूस निकाला। यूएई के अधिकारियों ने शनिवार को गिरफ्तार बांग्लादेशियों के खिलाफ जांच करने और उनके मामलों की सुनवाई में तेजी लाने का निर्देश दिया था।

यूएई में राजनीतिक दल या मजदूर संघ बनाने पर रोक है और वृहद तौर पर कानून अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर बंदिशें लगाता है। बांग्लादेश सरकार ने 1971 के मुक्तिसंग्राम में मुक्तिवाहिनी के सदस्यों के रिश्तेदारों के लिए सरकारी नौकरियों में 30 प्रतिशत तक आरक्षण का प्रावधान किया था जिसके खिलाफ कई दिनों तक दक्षिणी एशियाई देश में हिंसक विरोध प्रदर्शन के बाद यूएई में भी विरोध प्रदर्शन हुए थे। बांग्लादेश के उच्चतम न्यायालय ने रविवार को आरक्षण की सीमा को घटाकर सात प्रतिशत कर दियाअ इसे प्रदर्शनकारियों की आंशिक जीत माना जा रहा है।

इजराइली सेना ने गाजा के मानवीय क्षेत्र के एक हिस्से को खाली करने का आदेश दिया

दीर अल-बलाह (गाजा पट्टी)। इजराइली सेना ने सोमवार को गाजा पट्टी में उस हिस्से को खाली करने का सोमवार को आदेश दिया जिसे उसने मानवीय क्षेत्र घोषित किया था। सेना ने कहा कि वह हमास के आतंकवादियों के खिलाफ एक अभियान शुरू करने की योजना बना रही है, जो इस क्षेत्र में छिपे हुए हैं और इसका इस्तेमाल इजराइल की ओर रॉकेट छोड़ने के लिए किया है। इस इलाके में मुवासी मानवीय क्षेत्र का पूर्वी हिस्सा शामिल है जो दक्षिणी गाजा पट्टी पर स्थित है। इस महीने की शुरुआत में, इजराइल ने कहा था कि उसका अनुमान है कि कम से कम 18 लाख फलस्तीनी अब मानवीय क्षेत्र में हैं। उसने भूमध्य सागर के साथ लगते लगभग 14 किलोमीटर (8.6 मील) की दूरी के हिस्से को मानवीय क्षेत्र घोषित किया था। संयुक्त राष्ट्र तथा मानवीय समूहों का कहना है कि इस क्षेत्र का ज्यादातर इलाका अब अस्थाई शिविरों से घिरा हुआ है जहां साफ-सफाई तथा चिकित्सा सुविधाओं का अभाव है।

यह घोषणा गाजा में संघर्ष विराम की मांग को लेकर हो रही नाजुक वार्ता के दौरान की गई है। अमेरिका और इजराइली अधिकारियों ने उम्मीद जताई है कि संघर्ष विराम को लेकर एक समझौता होने के करीब है। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के कार्यालय ने बताया कि बृहस्पतिवार को वार्ता जारी रखने के लिए एक वार्ता दल को भेजा जाएगा। मिस्र, कतर और अमेरिका, इजराइल तथा हमास पर चरणबद्ध तरीके से संघर्ष विराम समझौता करने पर जोर दे रहे हैं। इस बीच, नेतन्याहू, राष्ट्रपति जो बाइडन से मिलने के लिए अमेरिका की बहुप्रतीक्षित यात्रा पर सोमवार सुबह रवाना हुए, जिन्होंने रविवार को घोषणा की कि वह अगला राष्ट्रपति चुनाव नहीं लड़ेंगे।

नेतन्याहू ने कहा कि चाहे अगला अमेरिकी राष्ट्रपति कोई भी बने, हमारे दुश्मनों को पता होना चाहिए कि इज़राइल और अमेरिका हमेशा एक साथ खड़े हैं। उन्होंने कहा कि वह 40 साल से अधिक वक्त की दोस्ती के लिए बाइडन को धन्यवाद देंगे और साथ ही उन पर कुछ मुद्दों पर अधिक समर्थन के लिए भी दबाव डालेंगे। इजराइली पुलिस ने सोमवार को यह भी बताया कि गाजा सीमा के समीप इजराइली सुरक्षा बलों को चाकू दिखाकर डराने-धमकाने के बाद एक कनाडाई नागरिक को मार गिराया गया।

इजराइली सेना ने कहा कि कनाडाई व्यक्ति कार चलाकर सीमा के समीप एक इजराइली शहर के प्रवेश द्वार पर पहुंचा, वहां अपना वाहन छोड़ा और चाकू लेकर सुरक्षाबलों के पास गया। सुरक्षाबलों ने गोली चलाई और हमलावर को मार गिराया। किसी और को कोई चोट नहीं आई। इजराइली सेना के अधिकारियों के अनुसार, यह हमला गाजा सीमा से महज 300 मीटर उत्तर में इजराइली नेतिव हासारा शहर के प्रवेश द्वार पर हुआ। यह वही शहर है जिस पर हमास ने सात अक्टूबर को हमला किया था और इसके 20 निवासी मारे गए थे।

इजराइली सेना ने सोमवार को कहा कि मध्य और दक्षिणी गाजा में उसका अभियान जारी है। अस्पताल के अधिकारियों के अनुसार, रविवार को गाजा में इजराइल के हवाई हमलों में महिलाओं और बच्चों समेत कम से कम 15 लोगों की मौत हो गई।

उधर, पोलियो वायरस मिलने के बाद गाजा की मानवीय स्थितियां और बदतर हो गई हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कहा कि इस बीमारी के लक्षणों के लिए किसी का भी इलाज नहीं किया गया है। इजराइली सेना ने कहा कि सैनिकों को खुराक दी जाएगी और वह फलस्तीनियों को पोलियो की खुराक देने के लिए संगठनों के साथ मिलकर काम करेगा।

युद्ध में अब तक 39,000 से अधिक फलस्तीनी मारे गए हैं : गाजा का स्वास्थ्य मंत्रालय

दीर अल बलाह। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय का कहना है कि इजराइल के हमले में अब तक गाजा पट्टी क्षेत्र में 39,000 से अधिक फलस्तीनी मारे जा चुके हैं और 89,800 से अधिक घायल हुए हैं। दक्षिणी गाजा और क्षेत्र के अन्य हिस्सों में इजराइली हवाई हमलों में कई दर्जन लोगों की मौत के बीच युद्ध में हताहतों की यह नई संख्या सामने आई है। मंत्रालय की गणना में सैनिकों और असैन्य नागरिकों दोनों को शामिल किया गया है। हमास द्वारा सात अक्टूबर को दक्षिणी इजराइल पर हमला किए जाने के बाद इजराइल ने गाजा पर हमला शुरू किया था। हमास के आतंकवादियों ने हमले में लगभग 1,200 लोगों की हत्या कर दी थी और 250 अन्य को बंधक बना लिया था।

डोनाल्ड ट्रंप की उम्मीदवारी को लेकर मस्क और खोसला में जुबानी जंग

न्यूयॉर्क। अमेरिका में नवंबर में प्रस्तावित राष्ट्रपति चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी की तरफ से पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की उम्मीदवारी को लेकर अरबपति टेक कारोबारी एलन मस्क और भारतीय-अमेरिकी उद्यम पूंजीपति विनोद खोसला के बीच जुबानी जंग छिड़ गई। सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में खोसला ने ट्रंप को एक ऐसा रिपब्लिकन नेता करार दिया, जिसमें कोई कोई नैतिकता नहीं है, जो झूठ बोलता है, धोखा देता है, महिलाओं के साथ दुष्कर्म, अपमान करता है और उनके जैसे प्रवासियों से नफरत करता है। खोसला ने कहा कि उनके लिए ट्रंप जैसे व्यक्ति का समर्थन करना बहुत मुश्किल है।

भारतीय-अमेरिकी उद्यम पूंजीपति ने सवाल किया, वह मेरे करों में कटौती कर सकते हैं या कुछ विनियमन में राहत दे सकते हैं, लेकिन यह उनके व्यक्तिगत मूल्यों में व्याप्त भ्रष्टता को स्वीकार करने का कोई कारण नहीं हो सकता। क्या आप एक ऐसा राष्ट्रपति चाहते हैं, जो अपने पहले वर्ष में जलवायु प्रगति को एक दशक पीछे धकेल दे? क्या आप अपने बच्चों को अच्छे मूल्य सिखाते समय उदाहरण के रूप में उन्हें पेश करना चाहते हैं? खोसला के पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए मस्क ने कहा, ट्रंप आपसे नफरत नहीं करते हैं। अलबत्ता, वह आपको पसंद करते हैं। उनसे मिलिए और अपने बारे में उनके विचार जानिए। टेस्ला और स्पेसएक्स के सीईओ मस्क ने स्पष्ट किया कि वह यह नहीं कह रहे हैं कि ट्रंप में कोई कमी नहीं है, लेकिन एक ऐसा प्रशासन होना चाहिए, जिसके योग्य एवं गुणवत्तापूर्ण होने और अत्यधिक सरकारी नियंत्रण के मुकाबले व्यक्तिगत स्वतंत्रता को बढ़ावा देने की संभावना ज्यादा हो।

मस्क ने कहा, आपने कितनी बार मीडिया में ऐसा कुछ पढ़ा है, जिससे आपको असलियत पता चलती हो, लेकिन उन्होंने जो छापा वह पूरी तरह से झूठ था? खैर, राजनीति में तो हालत और भी बुरी है, यह एक खूनी खेल है... कई साल पहले, वह डेमोक्रेटिक पार्टी थी, लेकिन अब पेंडुलम रिपब्लिकन पार्टी की ओर मुड़ गया है। जवाब में खोसला ने कहा कि वह मीडिया पर भरोसा न करने के अलावा योग्य एवं गुणवत्तापूर्ण प्रशासन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता को बढ़ावा दिए जाने की बात से सहमत हैं। उन्होंने कहा, लेकिन जलवायु परिवर्तन को भूल जाएं और ड्रिल बेबी ड्रिल? (ईंधन का दोहन जारी रखें)। एमएजीए (अमेरिका को फिर से महान बनाने) पर ध्यान दें और नाटो को त्याग दें, नैतिक अधिकार को त्याग दें? मैं सामाजिक रूप से उदारवादी रिपब्लिकन था, लेकिन जलवायु परिवर्तन ने मेरा रुझान बदल दिया।

हमें ऐसा कोई चाहिए था जो लगातार उपलब्ध हो

सूर्यकुमार को टी20 कप्तान बनाने पर बोले अगरकर

भाषा। मुंबई

मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने सोमवार को कहा कि जब हार्दिक पंड्या पर तरजीह देकर सूर्यकुमार यादव को टी20 टीम की कप्तान बनाने का फैसला किया गया तो फिटनेस, ड्रेसिंग रूम से फीडबैक और लगातार उपलब्धता उनके पक्ष में रही। अगरकर भारत के श्रीलंका दौरे से पहले नवनियुक्त मुख्य कोच गौतम गंभीर के साथ प्रेस कांफ्रेंस में मीडिया से बात कर रहे थे। श्रीलंका दौरे पर भारतीय टीम को तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय और इतने ही एकदिवसीय मैच खेलने हैं। संयुक्त प्रेस कांफ्रेंस के दौरान अगरकर ने कहा, सूर्यकुमार को कप्तान क्यो बनाया गया। क्योंकि वह योग्य उम्मीदवार था। पिछले एक साल से अधिक समय से वह ड्रेसिंग रूप में है और उसके बारे में ड्रेसिंग रूम से फीडबैक मिला है। उसमें क्रिकेट की अच्छी समझ है और वह अभी भी टी20 क्रिकेट में दुनिया के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों में से है। उन्होंने कहा , हमें ऐसा कप्तान चाहिए था ो सारे मैच खेले। हमें लगता है कि वह कप्तान बनने का हकदार है और हम देखेंगे कि वह इस भूमिका में कैसे फिट बैठता है। अगरकर ने कहा कि उन्हें ऐसा कप्तान चाहिए था जिसका फिटनेस का रिकॉर्ड अच्छा हो और जिसका चोटों का इतिहास नहीं रहा हो। स्टार ऑलराउंडर पंड्या के बारे में अगरकर ने कहा, हार्दिक जैसा कौशल मिलना मुश्किल है और फिटनेस मिलना भी मुश्किल है। हमारे पास थोड़ा और समय है और हम कुछ चीजों पर गौर कर सकते हैं। उन्होंने कहा , वह हमारे लिए काफी महत्वपूर्ण खिलाड़ी है लेकिन फिटनेस बड़ी चुनौती है। हमें ऐसा खिलाड़ी चाहिए जो अधिकांश समय उपलब्ध हो। पूर्व उप कप्तान लोकेश राहुल की अनदेखी पर उन्होंने कहा, जब राहुल को बाहर किया गया तो मैं वहां नहीं था। मैं उस समय चयनकर्ता नहीं था। उन्होंने कहा , अभी हमारे पास समय है। मेरे आने के बाद 50 ओवरों का विश्व कप और टी20 विश्व कप था। फिटनेस चिंता का विषय है। इसके अलावा भी हमारा मानना है कि सूर्यकुमार में अच्छा कप्तान बनने के सारे लक्षण है। उन्होंने कहा , दो साल का समय लंबा है जिसमें हम कुछ चीजों को अलग तरीके से देखकर प्रयोग कर सकते हैं। हमें हर समय उपलब्ध रहने वाले खिलाड़ी चाहिए। इस तरह से हम हार्दिक का प्रबंधन बेहतर तरीके से कर सकेंगे। अगरकर ने स्वीकार किया कि चयन समिति को यह स्पष्ट करना चाहिए था कि विश्व कप के बाद टी20 क्रिकेट को अलविदा कहने वाले रविंद्र जडेजा को बाहर नहीं किया गया है। उन्होंने कहा , इतनी छोटी श्रृंखला के लिए उन्हें और अक्षर पटेल दोनों को ले जाने का कोई मतलब नहीं था। हमें पता है कि जड्डू ने क्या किया है। उसने विश्व कप में शानदार प्रदर्शन किया। उसे बाहर नहीं किया गया है। उन्होंने कहा , सारे विकल्प खुले हैं।लेकिन दोनों को ले जाने पर कोई एक ही तीनों मैच खेलता। आगे टेस्ट श्रृंखलाएं खेलनी है जिसमें जडेजा अधिकांश मैच खेलेंगे। इन तीन मैचों से कोई फर्क नहीं पड़ता। अगरकर ने कहा , हमें स्पष्ट करना चाहिए था कि उसे बाहर नहीं किया गया है। वह अभी भी हमारी रणनीति में है और काफी महत्वपूर्ण खिलाड़ी है। उन्होंने यह भी कहा कि पूर्व उपकप्तान केएल राहुल, ऋषभ पंत और पंड्या के लिए भी कप्तानी के दरवाजे बंद नहीं हुए हैं। उन्होंने कहा , हम पंत को सबसे पहले मैदान पर वापसी करते देखना चाहते थे।वह अहम खिलाड़ी है लेकिन उसने पिछले कुछ समय से बहुत क्रिकेट नहीं खेला है। हम उस पर वापसी के बाद इतना दबाव नहीं डालना चाहते थे। उन्होंने कहा , केएल कुछ समय से टी20 प्रारूप में नहीं है। हमारे पास आजमाने का समय है। इस बार अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 में हार्दिक का चोटिल होना चुनौतीपूर्ण था। उस समय रोहित खेल नहीं रहा था लेकिन उसके होने से हमारा काम आसान हो गया। हम आगे वैसी स्थिति नहनीं चाहते। अगरकर ने कहा कि चयनकर्ता चाहते हैं कि उपकप्तान शुभमन गिल अनुभव और सीनियर खिलाड़ियों से सीखे। उन्होंने कहा , शुभमन तीनों प्रारूपों का खिलाड़ी है और उसने अपनी प्रतिभा की बानगी भी दी है। हम चाहते हैं कि वह सीनियर खिलाड़ियों और अनुभव से सीखे।उसने नेतृत्व क्षमता का परिचयन दिया है।

गंभीर चाहते हैं कि अधिकांश मैच खेले विराट और रोहित, 2027 वनडे विश्वकप पर नजरें

भाषा। मुंबई

भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने सोमवार को कहा कि वह चाहते हैं कि टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से विदा ले चुके रोहित शर्मा और विराट कोहली अधिकांश वनडे और टेस्ट खेलें। उन्होंने उम्मीद जताई कि 2027 वनडे विश्व कप खेलने के लिए वे अपनी फिटनेस बनाए रखेंगे। रोहित और कोहली दोनों ने विश्व कप जीतने के बाद टी20 प्रारूप को अलविदा कह दिया। दोनों श्रीलंका दौरे पर टी20 श्रृंखला में नहीं होंगे लेकिन वनडे श्रृंखला खेलेंगे। भारत का मुख्य कोच बनने के बाद पहली बार मीडिया से रूबरू हुए गंभीर ने तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के कार्यभार प्रबंधन की भी बात कही। उन्होंने कहा , मैं पहले भी कह चुका हूं कि जसप्रीत बुमराह जैसे खिलाड़ी का कार्यभार प्रबंधन अहम है। लेकिन एक बल्लेबाज के लिए लगातार खेलते रहना जरूरी है अगर वे अच्छे फॉर्म में हैं। गंभीर ने कहा , रोहित और विराट अब टी20 क्रिकेट नहीं खेल रहे हैं। मुझे उम्मीद है कि बाकी दोनों प्रारूपों में वे अधिकांश मैचों में उपलब्ध रहेंगे। बुमराह के बारे में उन्होंने कहा , यह हमारी जिम्मेदारी है कि अधिकांश महत्वपूर्ण मैचों के लिए वह तरोताजा रहे। इसीलिए कार्यभार प्रबंधन है। सिर्फ जसप्रीत बुमराह ही नहीं बल्कि अधिकांश तेज गेंदबाजों के लिए यह बहुत जरूरी है। गंभीर ने यह भी कहा कि 2027 वनडे विश्व कप को देखते हुए वह चाहते हैं कि रोहित और कोहली अपनी फिटनेस पर फोकस रखें। उन्होंने कहा , उन्होंने बता दिया है कि बड़े मैचों में वे क्या कर सकते हैं। टी20 विश्व कप और 50 ओवरों के विश्व कप में भी। दोनों के भीतर काफी क्रिकेट बाकी है। चैम्पियंस ट्रॉफी और आस्ट्रेलिया दौरा आने वाला है। अगर वे फिटनेस बरकरार रख सके तो 2027 वनडे विश्व कप भी खेल सकते हैं लेकिन यह उनका निजी फैसला होगा। मैं इतना ही कह सकता हूं कि अभी उनके भीतर काफी क्रिकेट बाकी है।

गंभीर ने तीन प्रारूपों के लिए अलग अलग टीमों की संभावना से भी

गंभीर-अगरकर का तालमेलः कार्यभार प्रबंधन के बहाने श्रृंखला चुनने में मनमर्जी नही कर पाएंगे खिलाड़ी

नई दिल्ली। मुख्य कोच गौतम गंभीर की बेबाकी और चयन समिति के अध्यक्ष अजीत अगरकर की स्पष्टवादिता से बने तालमेल से भारतीय क्रिकेट मे ऐसे दौर की शुरुआत होने वाली है जहां खिलाड़ी कार्यभार प्रबंधन के बहाने श्रृंखला चुनने मे मनमर्जी नही कर पाएंगे। श्रीलंका दौरे से पहले गंभीर और अगरकर ने संवाददाता सम्मेलन मे कुछ कड़े फैसलो के बारे मे बताया तो कुछ चीजो को इशारो मे समझाया जिससे यह स्पष्ट हो गया कि भारतीय क्रिकेट मे काफी कुछ नया होने वाला है। गंभीर और अगरकर की उपस्थिति शारीरिक रूप से भले ही प्रभावशाली न लगे लेकिन भारतीय क्रिकेट की जानकारी रखने वाला प्रत्येक व्यक्ति जानता है कि यह दोनो पूर्व क्रिकेटर स्पष्ट और कड़े फैसले करने वालो मे शामिल है जो आसानी से नही बदलते। इन दोनो का लक्ष्य अब 2027 मे होने वाले वनडे विश्व कप के लिए खाका तैयार करना है। उनकेलिए कार्यभार प्रबंधन बड़ी चुनौती होगी लेकिन उन्होने स्पष्ट कर दिया कि इस मामले मे बल्लेबाजो और गेंदबाजो केलिए अलग नियम होगे।

टीआरपी के लिए अच्छा लेकिन कोहली से मेरा रिश्ता निजी मामला है , कहा गंभीर ने

भाषा। मुंबई

भारत के नवनियुक्त मुख्य कोच गौतम गंभीर ने सोमवार को घोषणा की कि स्टार बल्लेबाज विराट कोहली के साथ उनका बहुचर्चित रिश्ता टीआरपी के लिए नहीं बल्कि उन दोनों के बीच है और आने वाले समय में दोनों एक लक्ष्य के लिए ही काम करने वाले हैं। गंभीर और कोहली अच्छे दोस्त नहीं रहे और यह आईपीएल में दोनों के बीच कई बार टकराव से स्पष्ट है। हालांकि अब यह जोड़ी 27 जुलाई से श्रीलंका के टी20 और एकदिवसीय दौरे से एक साथ काम करेगी। गंभीर ने संवाददाताओं से कहा, टीआरपी के लिए अच्छा है लेकिन मेरा रिश्ता सार्वजनिक नहीं है। विराट कोहली के साथ मेरा रिश्ता हम दोनों के बीच है और यह दो परिपक्व लोगों के बीच का रिश्ता है। मुख्य चयनकर्ता अजित अगरकर के साथ गंभीर श्रीलंका दौरे से पहले प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित कर रहे थे। भारत को श्रीलंका में तीन टी20 और तीन वनडे खेलने हैं। कोहली के संदर्भ में उन्होंने कहा, हमने बहुत चर्चा की है और हर किसी के पास अपनी जर्सी के लिए लड़ने का अधिकार है। गंभीर ने कहा , लेकिन इस समय हम भारत का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। 140 करोड़ भारतीयों का और मुझे यकीन है कि हम एक लक्ष्य के लिए काम कर रहे हैं और भारत को गौरवान्वित करने की कोशिश करेंगे। हाल ही में टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहने वाले कोहली श्रीलंका दौरे पर भारत की वनडे टीम का हिस्सा हैं। गंभीर ने कहा कि मैदान से बाहर दोनों के संबंध बहुत अच्छे हैं।उन्होंने कहा , और ऐसा ही रहेगा। लेकिन इसे सार्वजनिक करने की जरूरत नहीं। यह दो व्यक्तियों के बीच का संबंध है। मैंने उससे काफी बात की है और एक दूसरे को मैसेज भेजे हैं। उन्होंने कहा , कई बार हम सिर्फ सुर्खियां चाहते हैं , यह महत्वपूर्ण नहीं है। इस समय सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि हम दोनों भारत का परचम लहराने के लिए काफी मेहनत करेंगे। यही हमारा काम है। श्रीलंका दौरे के लिए भारत के पूर्व हरफनमौला अभिषेक नायक और नीदरलैंड के पूर्व बल्लेबाज रियान टेन डोइशे भारतीय टीम के कोचिंग स्टाफ का हिस्सा होंगे जो गंभीर के साथ आईपीएल 2024 में कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए काम कर चुके हैं। गंभीर ने कहा कि सहयोगी स्टाफ के बारे में विस्तार से श्रीलंका दौरे के बाद पता चलेगा। उन्होंने कहा , मैं बीसीसीआई से बहुत खुश हूं। उन्होंने मुझे अधिकांश चीजे दी जो मैने मांगी थी। श्रीलंका दौरे के बाद सहयोगी स्टाफ के बारे में विस्तार से जानकारी मिलेगी। अभी अभिषेक और रियान सहायक कोच हैं और टी दिलीप फील्डिंग कोच रहेंगे। साईराज बहुतुले श्रीलंका दौरे के लिए अंतरिम गेंदबाजी कोच हैं।

भारत के खिलाफ तटस्थ स्थल पर टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला का कोई प्रस्ताव नहीं: पीसीबी

कराची। (भाषा) पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने सोमवार को स्पष्ट किया कि उसने भारत के खिलाफ विदेश में टी20 श्रृंखला खेलने का कोई प्रस्ताव नहीं रखा है और उसका ध्यान चैंपियंस ट्रॉफी के सुचारू आयोजन पर है। इस तरह की चर्चाएं हैं कि पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नकवी भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के अधिकारियों के साथ इंग्लैंड या ऑस्ट्रेलिया में किसी विदेशी स्थल पर टी20 श्रृंखला की संभावना पर बात कर रहे हैं। एक विश्वसनीय सूत्र ने कहा, इस तरह का कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है क्योंकि अभी हमारे लिए सबसे बड़ी चुनौती चैंपियंस ट्रॉफी को उचित तरीके से आयोजित करना है और हमारा अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम भी काफी व्यस्त है। सूत्र ने कहा कि कोलंबो में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की बैठक में पीसीबी के दो मुख्य लक्ष्य चैंपियंस ट्रॉफी के लिए बजट को मंजूरी दिलाना और फिर आईसीसी तथा बीसीसीआई से यह आश्वासन प्राप्त करना था कि भारत इस टूर्नामेंट में खेलने के लिए अपनी टीम पाकिस्तान भेजेगा। सूत्र ने कहा, फिलहाल हमारा मुख्य एजेंडा यही है। इसलिए भारत के साथ किसी द्विपक्षीय श्रृंखला पर विचार करने का सवाल ही नहीं उठता। भारत ने 2012 से पाकिस्तान के साथ द्विपक्षीय श्रृंखला निलंबित कर रखी है। तब पाकिस्तान ने सीमित ओवरों की संक्षिप्त श्रृंखला के लिए भारत का दौरा किया था। 2007 में पाकिस्तान के भारत दौरे के बाद से दोनों देशों ने कोई टेस्ट श्रृंखला भी नहीं खेली है।

नेपाल पर बड़ी जीत के साथ सेमीफाइनल में जगह बनाने उतरेगी भारतीय महिला टीम

दाम्बुला। (भाषा) पहले दो मैच में आसान जीत से आत्मविश्वास से भरी भारतीय टीम महिला एशिया कप टी20 क्रिकेट टूर्नामेंट के ग्रुप ए के मंगलवार को यहां होने वाले अपने अंतिम मैच में नेपाल के खिलाफ बड़ी जीत दर्ज करके सेमीफाइनल में जगह बनाने की कोशिश करेगी। भारतीय टीम ने अपने पहले मैच में पाकिस्तान को 7 विकेट से और दूसरे मैच में संयुक्त अरब अमीरात को 78 रन से हराया था। नेपाल अपने पहले मैच में अमीरात को हराने में सफल रहा था लेकिन दूसरे मैच में उसे पाकिस्तान से 9 विकेट से करारी हार का सामना करना पड़ा था। भारत का सेमीफाइनल में जगह बनाना तय लग रहा है जबकि पाकिस्तान ने पिछले मैच में बड़ी जीत दर्ज करके अपने रन रेट में काफी सुधार किया है। भारतीय टीम हालांकि अन्य टीमों की स्थिति पर गौर करने के

बजाय अपने विजय अभियान को जारी रखने पर ध्यान देगी। उसने अभी तक टूर्नामेंट में बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों विभाग में अच्छा प्रदर्शन किया है जिसे वह जारी रखने के लिए प्रतिबद्ध होगी। स्मृति मंधाना और शेफाली वर्मा की सलामी जोड़ी ने पाकिस्तान के खिलाफ शानदार बल्लेबाजी की थी जबकि अमीरात के खिलाफ कप्तान हरमनप्रीत कौर और रिचा घोष ने अर्धशतक जड़े थे।विस्फोटक बल्लेबाज घोष ने अमीरात के खिलाफ 29 गेंद पर 64 रन बनाए थे जिससे भारत महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पहली बार 200 रन का आंकड़ा छूने में सफल रहा। हरमनप्रीत ने 47 गेंद पर 66 रन बनाकर सूत्रधार की भूमिका निभाई थी। जहां तक भारतीय गेंदबाजी का सवाल है तो रेणुका सिंह, पूजा वस्त्राकर ने अभी तक शानदार प्रदर्शन किया है। यहां तक कि पिछले मैच में चोटिल ऑफ स्पिनर श्रेयंका पाटिल की जगह टीम में शामिल की गई तनुजा कंवर ने भी अपनी जिम्मेदारी बखूबी निभाई और चार ओवर में केवल 14 रन दिए और एक विकेट भी लिया।

इंदु बर्मा की अगुआई वाली नेपाल की टीम ने अमीरात के खिलाफ जीत से अच्छी शुरुआत की थी लेकिन पाकिस्तान के सामने उसकी एक नहीं चली। अब उसकी टीम भारत की चुनौती से अच्छी तरह वाकिफ होगी और अगर उसे भारतीय टीम को परेशानी में डालना है तो उसकी खिलाड़ियों को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा।

भारतीय कुश्ती में घटी घटनाओं से बहुत दुखी हूं पर ओलंपिक में दो पदक की उम्मीदः योगेश्वर दत्त

नई दिल्ली। (भाषा) ओलंपिक पदक विजेता पहलवान योगेश्वर दत्त ने सोमवार को कहा कि पिछले दो साल में भारत में कुश्ती की प्रगति बुरी तरह प्रभावित हुई, लेकिन इसके बावजूद उन्हे उम्मीद है कि 26 जुलाई से शुरू हो रहे पेरिस ओलंपिक खेलो में भारतीय पहलवान दो पदक जीत सकते है।ओलंपिक पदक विजेता साक्षी मलिक और बजरंग पूनिया तथा एशियाई खेलो की स्वर्ण पदक विजेता विनेश फोगाट सहित देश के छह शीर्ष पहलवानो ने भारतीय कुश्ती महासंघ के पूर्व प्रमुख बृज भूषण शरण सिंह के खिलाफ लगातार विरोध

प्रदर्शन किया जिसके कारण भारत में कुश्ती गतिविधियां करीब डेढ़ साल तक ठप रही।इसका खासा बुरा प्रभाव पड़ा तथा राष्ट्रीय शिविर और प्रतियोगिताएं स्थगित कर दी गई। इससे पहलवान ओलंपिक और ओलंपिक क्वालीफिकेशन के लिए ढंग से तैयारी नही कर पाए। लंदन ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता योगेश्वर ने यहां एक कार्यक्रम से इतर कहा, पिछले डेढ़ से दो वर्षो में भारतीय कुश्ती में जो कुछ हुआ उससे मै बहुत दुखी हूं। हमारा यह खेल वास्तव में बुरे दौर से गुजरा है जिससे इसकी प्रगति पर बुरा प्रभाव पड़ा और इस खेल को चाहने वालो के पास भी नकारात्मक संदेश गया।

विश्व जूनियर स्क्वाश टीम चैंपियनशिपः क्वार्टर फाइनल में हार गईं भारतीय टीमें

नई दिल्ली। भारत के लड़को और लड़कियो की टीम को ह्यूस्टन मे चल रही विश्व जूनियर स्क्वाश टीम चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल मे हार का सामना करना पड़ा। भारतीय लड़को की छठी वरीयता प्राप्त टीम चौथी वरीयता प्राप्त दक्षिण कोरिया से।-2 से जबकि लड़कियो की टीम तीसरी वरीयता प्राप्त मलेशिया से समान अंतर से हार गई।लड़को के वर्ग मे युवराज वाधवानी ने सेओजिन ओह को 3-2 से हराकर भारत को जीत के साथ शुरुआत दिलाई लेकिन पिछले सप्ताह व्यक्तिगत कांस्य पदक जीतने वाले शौर्य बावा को चार करीबी गेम मे रजत पदक विजेता जू यंग ना से हार का सामना करना पड़ा।निर्णायक मुकाबले मे कुन किम ने अरिहंत केएस को पराजित करके दक्षिण कोरिया को सेमीफाइनल मे पहुंचाया। लड़कियो के वर्ग मे शमीना रियाज के व्हिटनी विल्सन से हारने के बाद अनाहत सिंह ने थानुसा अथियन के खिलाफ कड़े मुकाबले मे 3-2 से जीत दर्ज की लेकिन निर्णायक मुकाबले मे निस्प्रमा दुबे को डोयस ए सैन ली से पांच गेम तक चले मैच मे हार का सामना करना पड़ा।

स्टिमक ने भारतीय फुटबॉल के नए कोच को चेतावनी देते हुए कहा,यात्रा आसान नहीं होगी

नई दिल्ली। भारतीय फुटबॉल टीम के पूर्व मुख्य कोच इगोर स्टिमक ने सोमवार को अपने उत्तराधिकारी मनोलो मार्केज को चेतावनी दी कि आगे की यात्रा आसान नही होगी। उन्होने हालांकि इस पद के लिए स्पेन के पूर्व खिलाड़ी का समर्थन करते हुए कहा कि उनके पास अच्छा परिणाम देने की काबिलियत है। स्टिमक 1998 मे विश्व कप के सेमीफाइनल तक का सफर तय करने वाली टीम के सदस्य थे। उन्होने अपेक्षाकृत आसान ड्रॉ मिलने के बावजूद 2026 फीफा विश्व कप क्वालीफायर के तीसरे दौर के लिए क्वालीफाई करने मे भारत की विफलता के बाद पिछले महीने बर्खास्त कर दिया गया था। स्टिमक ने ट्विटर पर लिखा, प्रिय मनोलो, भारत का नया मुख्य कोच नियुक्त होने पर बधाई। यह यात्रा आसान नही होगी, लेकिन भारतीय खिलाड़ियों के साथ आपका अनुभव बताता है कि आप ब्लू टाइगर्स को अगले स्तर पर ले जाने के लिए सबसे उपयुक्त है। शुभकामनाए। मेरे दोस्त।

सितंबर में चुनावों के बाद ओसीए के पहले भारतीय प्रमुख बनेंगे रणधीर सिंह

नई दिल्ली। अनुभवी खेल प्रशासक रणधीर सिंह एशियाई ओलंपिक परिषद (ओसीए) के पहले भारतीय प्रमुख बनने की राह पर है क्योंकि आठ सितंबर को होने वाले चुनाव में वह शीर्ष पद के लिए एकमात्र उम्मीदवार बचे है। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के पूर्व सदस्य और भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) के पूर्व महासचिव 77 साल के रणधीर अभी महाद्वीप की शीर्ष ओलंपिक संस्था के कार्यवाहक प्रमुख है। ओसीए ने बयान मे कहा, ओसीए चुनाव आयोग पुष्टि कर सकता है कि ओसीए के कार्यवाहक अध्यक्ष रणधीर सिंह आठ सितंबर 2024 को ओसीए आम सभा के चुनाव के लिए नामित होने वाले एकमात्र उम्मीदवार है।

पेरिस ओलंपिक मेरा आखिरी टूर्नामेंट

अब युवाओं के लिए जिम्मेदारी उठाने का समयः श्रीजेश

नई दिल्ली (भाषा)। भारतीय हॉकी की दीवार कहे जाने वाले दिग्गज गोलकीपर पीआर श्रीजेश ने कहा कि पेरिस ओलंपिक उनके करियर का आखिरी अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट होगा। श्रीजेश 26 जुलाई से शुरू होने वाले ओलंपिक खेलों के लिए मैदान पर उतरते ही भारत के लिए चार ओलंपिक खेलने वाले पहले गोलकीपर बन जाएंगे। पेरिस ओलंपिक में भारतीय टीम अपने अभियान का आगाज 27 जुलाई को न्यूजीलैंड के खिलाफ करेगी। केरल के इस खिलाड़ी के लिए कोच्चि से तोक्यो ओलंपिक में पदक विजेता बनने की कहानी इतनी आसान नहीं रही। करियर के शुरुआत में उन्हें बलजीत सिंह, एड्रियन डिसूजा और भरत छेत्री जैसे अनुभवी गोलकीपरों के कारण टीम में जगह बनाने के लिए संघर्ष करना पड़ा था। श्रीजेश ने पेरिस से पीटीआई को दिए विशेष साक्षात्कार में कहा, यह (ओलंपिक) में आखिरी टूर्नामेंट

होगा। उन्होंने कहा, यह परिवार के साथ समय बिताने का मौका होगा। मैं उनकी सहूलियत के हिसाब से भविष्य की योजना बनाऊंगा क्योंकि उन्होंने इतने वर्षों से मेरे लिए बहुत त्याग किए हैं। देश के लिए 328 मैच खेलने वाले इस गोलकीपर ने कहा, मैं कुछ भी करने से पहले बच्चों, पत्नी और माता-पिता की राय लूंगा। मैं उसके अनुसार योजना बनाऊंगा। इसके साथ ही मैं जमीनी स्तर पर काम करूंगा और भारतीय हॉकी को विकसित करने में मदद करूंगा। श्रीजेश के लिए तोक्यो ओलंपिक का कांस्य पदक करियर की सबसे बड़ी उपलब्धि है लेकिन वह पेरिस में इस पदक का रंग बदलना चाहते हैं। तोक्यो में भारतीय टीम ने ओलंपिक पदक के 41 साल के सूखे को खत्म किया था। उन्होंने कहा, जब आप प्रदर्शन करते हैं तो उम्मीदें बढ़ती हैं और यह अच्छा है, क्योंकि इससे हमें आत्मविश्वास मिलता है। इसे सकारात्मक रूप से लेना चाहिए। हमें ज्यादा दबाव लेने से बचना चाहिए। मैं निजी तौर पर बस पिछली बार से बेहतर प्रदर्शन करना चाहता हूं और इस बार पदक का रंग बदलने में मदद करना चाहता हूं। चेहरे पर अकसर मुस्कान रखने वाले इस 36 साल के खिलाड़ी ने कहा, चार ओलंपिक में प्रतिस्पर्धा करने में सक्षम होना एक बड़ा सम्मान और विशेष उपलब्धि है लेकिन बस इतना ही। अब युवाओं के मेरी जगह लेने का समय आ गया। मेरा करियर बहुत सफल रहा है और मैंने जो हासिल किया है उससे मैं संतुष्ट हूं।

आईसीसी ने टी20 विश्वकप के आयोजन की समीक्षा को तीन सदस्यीय समिति गठित की

कोलंबो। (भाषा) अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईसीसी) ने पिछले महीने अमेरिका और वेस्टइंडीज की सह मेजबानी में हुए टी20 विश्व कप के आयोजन की समीक्षा के लिए सोमवार को तीन सदस्ईय समिति गठित की। समिति में न्यूजीलैंड के पूर्व बल्लेबाज रोजर ट्वोज और आईसीसी के अन्य दो निदेशक लॉसन नायडू तथा इमरान ख्वाजा को जगह मिली है। आईसीसी की विज्ञप्ति के अनुसार , आईसीसी बोर्ड पुष्टि करता है कि आईसीसी टी20 विश्व कप के आयोजन की समीक्षा होगी। तीन निदेशक रोजर ट्वोज, लॉसन नायडू और इमरान ख्वाजा के मार्गदर्शन में यह होगा और ए इसी साल बोर्ड को अपनी रिपोर्ट सौंपेंगे। समझा जाता है कि आईसीसी को न्यूयॉर्क, फ्लोरिडा और डलास में मैचों के आयोजन पर दो करोड़ डॉलर से अधिक का नुकसान हुआ है। पता चला है कि टूर्नामेंट के अमेरिकी चरण के लिए आवंटित बजट लगभग 15 करोड़ अमेरिकी डॉलर था और यह पाया गया कि बजट में काफी इजाफा हुआ जिस पर वैश्विक संस्था के कुछ प्रभावशाली बोर्ड सदस्यों ने आपत्ति जताई। खराब स्तर की ड्रॉप इन पिचों, टिकट प्रणाली और साजो-समान से जुड़े मुद्दों ने आईसीसी की परेशानी और बढ़ा दी। विभिन्न निविदाएं सौंपे जाने को लेकर भी चिंता जताई गई है। समझा जाता है कि समिति आईसीसी के कुछ शीर्ष अधिकारियों की भूमिका की भी गहन जांच करेगी।आईसीसी के प्रतियोगिता प्रमुख क्रिस टेटली ने पहले ही इस्तीफा दे दिया है। हालांकि आधिकारिक कारण यह बताया गया था कि हर साल होने वाले आईसीसी के प्रमुख टूर्नामेंटों (पुरुष और महिला) का असर पड़ रहा है। अमेरिका में क्रिकेट की संचालन संस्था यूएसएसी को औपचारिक तौर पर नोटिस पर रखा गया है और आईसीसी की एसोसिएट सदस्यता पात्रता का अनुपालन करने के लिए 12 महीने का समय दिया गया है।आईसीसी एसोसिएट सदस्यता पात्रता के अनुसार यूएसएसी दो नियमों संचालन (2.2 बी एक) और प्रशासन तथा कार्यकारी ढांचे (2.2 बी दो) पर खरा नहीं उतरता। विज्ञप्ति के अनुसार, अमेरिका क्रिकेट और क्रिकेट चिली को औपचारिक रूप से नोटिस दिया गया है और आईसीसी सदस्यता मानदंडों के अपने वर्तमान गैर अनुपालन को सुधारने के लिए उन्हें 12 महीने का समय दिया गया है। मुख्य कार्यकारियों की समिति (सीईसी) ने 2026 टी20 विश्व कप के लिए आठ क्षेत्रीय क्वालीफाइंग स्थानों के आवंटन की पुष्टि की। इसमें अफ्रीका और यूरोप से दो-दो टीमें, अमेरिका महाद्वीप से एक और एशिया तथा ईएपी क्षेत्रीय फाइनल से कुल तीन टीमें क्वालीफाई करेंगी। आईसीसी ने साथ ही पुष्टि की कि 2030 में आईसीसी महिला टी20 विश्व कप 12 की जगह 16 टीम का टूर्नामेंट होगा।

सीएमवाईके प्रिंटेक के लिए तथा उसी की ओर से मुद्रक एवं प्रकाशक शोबोरी गाँगुली द्वारा टिन टिन प्रिंटेक प्रा.लि. सी-33 अमौसी इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज लखनऊ से मुद्रित एवं चौथी मंजिल, सहारा शापिंग सेंटर, फैजाबाद रोड, लखनऊ (फोन: 0522-4036600) से प्रकाशित। प्रधान सम्पादक: शोबोरी गाँगुली, स्थानीय सम्पादक: विजय प्रकाश सिंह। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं।